जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

आरा, औरंगाबाद एवं दुमका से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

• रजि नं. - BIHHIN/2017/72765 • आरा • बुधवार • 31 दिसंबर 2025 • वर्ष 10 • अंक 237 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

बंगाल में घुसपैठ से पूरे देश की सुरक्षा को खतरा : अमित शाह

- **भाजपा के रहते मतुआ समुदाय को किसी भी तरह की चिंता करने की जरूरत नहीं**

एजेंसी, कोलकाता

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल में घुसपैठ को लेकर ममता सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि अवैध घुसपैठ आज सिर्फ बंगाल के अस्तित्व पर संकट नहीं है, बल्कि इससे पूरे देश की सुरक्षा खतरे में पड़ गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी के शासनकाल में घुसपैठ को खुली छूट मिली, जिसके कारण राज्य की जनसंख्या संरचना तेजी से बदली है।

अमित शाह ने यहां मंगलवार को पत्रकार वार्ता में कहा कि बांग्लादेश से सटी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर घुसपैठ लगातार जारी है लेकिन केंद्र सरकार के बार-बार अनुरोध के बावजूद बंगाल सरकार सीमा पर बाड़ लगाने के लिए

जमीन उपलब्ध नहीं करा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार जानबूझकर ऐसा कर रही है, ताकि घुसपैठ जारी रहे और उसकी राजनीतिक जमीन बनी रहे। गृहमंत्री ने कहा कि यह स्थिति बंगाल ही नहीं, पूरे देश के लिए गंभीर खतरा बन चुकी है। उन्होंने साफ कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा के आगामी चुनाव में घुसपैठ सबसे बड़ा मुद्दा होगा। अमित शाह ने दावा किया कि अगर बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनती है तो बांग्लादेश से लगी अंतरराष्ट्रीय सीमा को पूरी तरह सुरक्षित किया जाएगा। साथ ही अवैध रूप से रह रहे घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें चुन-चुन कर उनके देश वापस भेजा जाएगा। गृह मंत्री ने दावा किया कि विधानसभा चुनाव में भाजपा बंगाल में दो तिहाई बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि जनता अब ममता सरकार की नीतियों से ऊब चुकी है और बदलाव चाहती है। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर उठ रहे सवालों पर अमित शाह ने मतुआ समुदाय को भरोसा दिलाते हुए कहा कि इस समाज को किसी भी तरह की चिंता करने की जरूरत नहीं है। जब तक भाजपा है तब तक ममता बनर्जी मतुआ शरणार्थियों का कुछ भी नहीं बिगाड़ सकतीं। उन्होंने दोहराया कि मतुआ समुदाय के अधिकार पूरी तरह सुरक्षित हैं और उन्हें डराने की राजनीति सफल नहीं होने दी जाएगी।

कोहरे के कारण 87 ट्रेनें प्रभावित, राजधानी से लेकर अमृतभारत तक चल रहीं लेट

एजेंसी, नई दिल्ली

कोहरे के कारण दिल्ली आने वाली 87 ट्रेनें प्रभावित हुई हैं। इसमें कई ट्रेनें रास्ते में ही अटकी है तो कई ट्रेनों को डायवर्ट किया गया है। ट्रेनें सात घंटे से ज्यादा समय देरी से चल रही हैं। कई जगह विजिबिलिटी बहुत कम है और कई जगह जीरो तक पहुंच गई है। यात्रियों की सुरक्षा के लिए ट्रेनें धीमी चल रही हैं जिससे देरी हो रही है। इसमें राजधानी से लेकर दूरंतो और अमृतभारत टेनें शामिल हैं। रेलवे यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए देरी से चल रही ट्रेनों की सूची जारी की है। उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि भारतीय रेलवे की प्राथमिकता यात्रियों की सुरक्षा होती है, इसी को ध्यान में रखते हुए ट्रेनों को धीमी स्पीड से चलाया जा रहा है। देर से चल रही ट्रेनों में 12397 प्रयागराज-नई दिल्ली सफर एक्सप्रेस, 12565 बिहार सम्पर्क क्रांति एक्सप्रेस, 14117 प्रयागराज-भिवानी मेमू, 15743 किशनगंज-भटिंडा मेमू, 12555 गोरखपुर-भटिंडा सफर एक्सप्रेस, 12303 हावड़ा-नई दिल्ली दूरंतो एक्सप्रेस, 22437 प्रयागराज-आनंद विहार सफर एक्सप्रेस, 12309 राजेंद्र नगर-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस, 12273 हावड़ा-नई दिल्ली दूरंतो एक्सप्रेस, 12559 बनारस-नई दिल्ली सफर एक्सप्रेस, 12417 प्रयागराज-नई दिल्ली सफर एक्सप्रेस, 12427 रीवा-आनंद विहार सफर एक्सप्रेस, 12423 डिब्रूगढ़-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस, 12313 सियालदाह-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस, 12259 सीताफल-बीकानेर दूरंतो एक्सप्रेस, 20801 इस्लामपुर-नई दिल्ली सफर एक्सप्रेस, 12877 रांची-नई दिल्ली गरीब रथ एक्सप्रेस, 22823 भुवनेश्वर-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस, 22361 राजेंद्र नगर-नई दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस, 12451 कानपुर सेंट्रल-नई दिल्ली सफर एक्सप्रेस आदि शामिल हैं।

अलविदा खालिदा... बांग्लादेश की पूर्व पीएम ने ली अंतिम सांस

एजेंसी, ढाका । बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया का 80 साल की उम्र में निधन हो गया है। वे लंबे समय से अस्पताल में भर्ती थी जहां उनका उपचार चल रहा था। जिया बीएनपी यानी एवं बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की प्रमुख भी थीं। बीएनपी मीडिया सेल के आधिकारिक फेसबुक पेज पर उनके निधन की जानकारी दी गई। खास बात है कि वह बांग्लादेश की पहली महिला पीएम थीं। बीएनपी की तरफ से बयान जारी किया गया है कि जिया ने मंगलवार सुबह 6 बजे अंतिम सांस ली। लिवर में परेशानी, डायबिटीज, सीने और हृदय में तकलीफ समेत कई स्वास्थ्य जटिलताओं से जूझ रहीं जिया का 23 नवंबर से ढाका के एवरकेयर अस्पताल में इलाज चल रहा था। उन्हें 11 दिसंबर को वेंटिलेटर पर रखा गया था। शनिवार को ही एवरकेयर अस्पताल के बाहर बिना पूर्व सूचना के एक प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई गई थी। तब डॉक्टर ए जेड एम जाहिद ने कहा था, ह नहीं कहा जा सकता कि उनकी हालत में सुधार हुआ है। फिलहाल उनकी हालत बेहद नाजुक बनी हुई है।

इंदौर में दूषित पानी से फैला संक्रमणः 35 से अधिक अस्पताल में भर्ती, 150 से ज्यादा बीमार

एजेंसी, इन्दौर : एक सनसनीखेज घटनाक्रम के चलते शहर में दूषित पानी सप्लाई के कारण उल्टी और पेट खराब जैसे लक्षणों का अनुभव करने के बाद 35 से अधिक लोगों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया। इस घटना से शहर में हड़कंप मच गया, स्थानीय प्रशासन ने संज्ञान लिया और मामले की जांच शुरू की। मुख्यमंत्री, मोहन यादव ने प्रशासन को निर्देश जारी किए, और स्थानीय मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने मरीजों की स्थिति जानने के लिए अस्पतालों का दौरा किया। निवासियों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में एक सप्ताह के भीतर लगभग 150 लोग बीमार पड़ गए थे। हालांकि स्थानीय प्रशासन ने प्रभावित लोगों के अस्पताल के खर्चों को वहन करने की घोषणा की है। घटना बाणगंगा इलाके के भागीरथपुरा की है, जिसने पूरे शहर को झकझोर दिया है। यहां बड़ी संख्या में लोग गंभीर बीमारी की चपेट में आ गए हैं । हालात इतने बिगड़ गए कि एक के बाद एक लोग उल्टी-दस्त, बुखार और तेज कमजोरी की शिकायत लेकर अस्पताल पहुंचने लगे हैं । अभी तक 50 से ज्यादा लोग अस्पताल में भर्ती हो गए हैं।

अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिरी बस, 7 यात्रियों की मौत, कई घायल

एजेंसी, अल्मोड़ा । अल्मोड़ा जिले के विनायक के पास सैलापानी के समीप मंगलवार तड़के एक यात्री बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस दर्दनाक दुर्घटना में अब तक 7 यात्रियों की मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। मिली जानकारी के मुताबिक दुर्घटनाग्रस्त बस रामनगर की ओर जा रही थी। बताया जा रहा है कि सैलापानी के पास अचानक बस अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। हादसा इतना भीषण था कि मौके पर ही कई यात्रियों की मौत हो गई। अब तक पांच शवों को बाहर निकाला जा चुका है, जबकि दो अन्य की मृतक की पुष्टि बाद में हुई है। मृतकों की पहचान और पते का पता लगाने का कार्य प्रशासन द्वारा किया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और आपदा प्रबंधन की टीमें मौके पर पहुंच गईं। लोगों ने भी राहत और बचाव कार्य में अहम भूमिका निभाई। पुलिस के मुताबिक खाई की गहराई अधिक होने से रेस्क्यू अभियान में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, हालांकि युद्धस्तर पर बचाव कार्य जारी है। घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए पास के स्वास्थ्य केंद्रों में भेजा गया है, जबकि गंभीर रूप से घायलों को उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर किया है। प्रशासन ने मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

डीआरडीओ ने किया पिनाका रॉकेट का पहला सफल परीक्षण राजनाथ सिंह ने दी बधाई

एजेंसी, नई दिल्ली

रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने सोमवार को ओडिशा की एकीकृत परीक्षण रेंज, चांदीपुर से लंबी दूरी के गाइडेड पिनाका रॉकेट (120 किलोमीटर रेंज) का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और डीआरडीओ अध्यक्ष डॉ. समीर.वी. कामत ने इसके लिए डीआरडीओ की समूची टीम को बधाई दी है।

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने बधाई संदेश में कहा, सफलता के साथ डिजाइन और निर्मित यह रॉकेट सशस्त्र सेनाओं की क्षमता में वृद्धि करेगा। उन्होंने इसे एक गेम चेंजर की संज्ञा भी दी है। वहीं, डॉ. कामत जो इस परीक्षण के साक्षात गवाह भी बने, उन्होंने संगठन

की पूरी टीम को परीक्षण यानी मिशन से जुड़े हुए सभी उद्देश्यों को सफलता के साथ प्राप्त करने के लिए बधाई दी। परीक्षण को डीआरडीओ द्वारा रेंज में लगाए गए विभिन्न उपकरणों की मदद से व्यापक रूप से जांचा गया। पिनाका रॉकेट का डिजाइन स्वदेशी रूप से एआरडीई ने एचईएमआरएल और इमारत प्रयोगशाला के साथ मिलकर तैयार किया है।

एयरपोर्ट पर यात्री से मारपीट करने वाला पायलट वीरेंद्र गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 पर एक यात्री के साथ बदसलूकी और मारपीट मामले में पुलिस ने कड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपी पायलट वीरेंद्र सेजवाल को गिरफ्तार किया है। वीरेंद्र एयर इंडिया एक्सप्रेस का कर्मचारी है और उस पर सुरक्षा जांच के दौरान एक यात्री पर जानलेवा हमला करने का आरोप है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक घटना 19 दिसंबर की है जब पीड़ित यात्री अंकित दीवान अपने परिवार के साथ यात्रा पर निकले थे। सिक्योरिटी चेकिंग के दौरान लाइन में लगने को लेकर पायलट वीरेंद्र और अंकित के बीच बहस हुई।

मुख्यमंत्री नीतीश ने डॉ एपीजे अब्दुल कलाम साइंस सिटी का किया निरीक्षण

एजेंसी, पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज पटना के राजेन्द्र नगर मे 21 एकड़ के भू-खण्ड पर नवनिर्मित डॉ एपी जे अब्दुल कलाम साईंस सिटी के विभिन्न भागों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पूरे परिसर एवं विभिन्न गैलरियों, वैज्ञानिक प्रदर्शों का सूक्ष्मता से अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री ने वहां उपस्थित बच्चों से मुलाकात की और उनका उत्साहवर्द्धन किया। निरीक्षण के क्रम में भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि ने मुख्यमंत्री को डॉ एपीजे अब्दुल कलाम साईंस सिटी में उपलब्ध सुविधाओं और

व्यवस्थाओं से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस साइंस सिटी में विज्ञान आधारित 5 गैलरी, 269 रोचक विज्ञान प्रदर्श, ऑडिटोरियम, 4 डी थियेटर तथा छात्रों एवं शिक्षकों के लिये डोरमेट्री की सुविधा प्रमुख आकर्षण केन्द्र हैं। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ एपीजे अब्दुल कलाम साइंस सिटी बहुत अच्छा बना है। इस साइंस सिटी को विशिष्ट आइडियाज के साथ बनाया गया है। यह साइंस सिटी विज्ञान और नवाचार का एक ऐसा आधुनिक केन्द्र है जो सभी आयु वर्ग के लोगों को आकर्षित कर रहा है।

अरावली के बाद अब सुप्रीम कोर्ट एनजीटी विषय पर भी करें हस्तक्षेप

एजेंसी, नई दिल्ली । कांग्रेस ने कहा है कि अरावली पहाड़ियों के मामले में आदेश के बाद अब सुप्रीम कोर्ट को एनजीटी के विषय पर भी हस्तक्षेप करना चाहिए। मंगलवार को पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि पिछले एक दशक में एनजीटी की शक्तियों को पूरी तरह से कमजोर कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट हस्तक्षेप करे ताकि यह संस्था बिना किसी भय या पक्षपात के कानून के अनुरूप स्वतंत्र रूप से काम कर सके। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि कल सुप्रीम कोर्ट ने अरावली की परिभाषा में बदलाव को लेकर 20 नवंबर, 2025 को दिए गए अपने ही फैसले को स्वतः संज्ञान लेते हुए वापस ले लिया, जबकि मोदी सरकार ने उस फैसले को पूरे उत्साह के साथ अपनाया था।

प्रियंका गांधी के बेटे रेहान की गर्लफ्रेंड संग होगी सगाई, वाड्रा परिवार में जल्द बजेंगी शहनाइयां

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस महासचिव और सांसद प्रियंका गांधी और उद्योगपति रॉबर्ट वाड्रा के घर जल्द ही एक मांगलिक उत्सव की रौनक देखने को मिलेगी। चर्चा है कि उनके बेटे रेहान वाड्रा जल्द ही अपनी लंबे समय की मित्र अवीवा बेग के साथ सगाई के बंधन में बंधने जा रहे हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, दोनों परिवारों ने इस रिश्ते को अपनी औपचारिक मंजूरी दे दी है और विवाह की दिशा में यह पहला कदम उठाने की तैयारी शुरू हो चुकी है। बताया जा रहा है कि रेहान वाड्रा और अवीवा बेग पिछले सात वर्षों से एक-दूसरे के मित्र हैं। हाल ही में रेहान ने अवीवा को प्रपोज किया, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार कर लिया।

अवीवा बेग का परिवार देश की राजधानी दिल्ली का ही रहने वाला है। हालांकि अभी तक सगाई की किसी निश्चित तारीख की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन माना जा रहा है कि जल्द ही एक निजी समारोह में दोनों अंगूठियों का आदान-प्रदान करेंगे। वाड्रा परिवार के चश्मचराग रेहान फिलहाल सक्रिय राजनीति की चकाचौंध से दूर अपनी एक अलग पहचान बनाने में जुटे हैं। 29 अगस्त 2000 को जन्मे 24 वर्षीय रेहान ने अपनी शुरुआती शिक्षा दिल्ली और देहरादून से पूरी करने के बाद लंदन की प्रतिष्ठित एसओएएस यूनिवर्सिटी से उच्च शिक्षा प्राप्त की है। राजनीतिक परिवार से ताल्लुक रखने के बावजूद रेहान की रुचि कला और सृजनात्मकता के क्षेत्र में अधिक रही है। वे सार्वजनिक कार्यक्रमों में कम ही नजर आते हैं, हालांकि कुछ महत्वपूर्ण राजनीतिक दौरों पर उन्हें अपनी मां प्रियंका गांधी के साथ देखा गया है।

तीन राज्यों के मुख्यमंत्री मिलकर कार्तिक उरांव का विश्वविद्यालय सपना पूरा करें : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

एजेंसी, गुमला

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि झारखंड, ओडिशा एवं छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री जनजातीय समुदाय से हैं। यदि तीनों सरकारें सकारात्मक पहल करें तो महान जनजातीय नेता स्वर्गीय कार्तिक उरांव का शंख नदी तट पर विश्वस्तरीय आदिवासी शक्ति स्वायत्तशासी विश्वविद्यालय का सपना साकार हो सकता है। राष्ट्रपति ने इसके लिए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को शंख नदी के बैरियर बगीचा में विश्वविद्यालय निर्माण समिति द्वारा आयोजित अंतरराज्यीय जन सांस्कृतिक समागम सह कार्तिक जतरा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि

उन्हें झारखंड आने पर तीर्थयात्रा जैसा अनुभव होता है। कार्यक्रम में उन्होंने देश के इतिहास में अपना महान योगदान देने वाले भगवान बिरसा मुंडा, जतरा टाना भगत, परमवीर अल्बर्ट एक्का, शहीद बख्तर साय, मुंडल सिंह और कार्तिक उरांव को नमन किया और जनजातीय समाज के प्रबुद्ध लोगों को भी उनके कर्तव्य का बोध कराया। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज अभी भी बेहद पिछड़ा हुआ है। किन्हीं के पास जमीन नहीं है, किसी का घर नहीं है। कई जगह लोग पेड़ पर मकान बना कर रहते हैं। वे सरकारी सुविधाओं और शिक्षा से वंचित हैं। सरकार इन्हें मिशन मोड पर हर सरकारी सुविधा प्रदान करने का प्रयास कर रही है। राष्ट्रपति ने कहा कि वास्तव में आदिवासी समाज को विकास का रास्ता दिखाने की जरूरत है। इसके लिए इस समाज के पढ़े लिखे लोग अपने गांवों से कट चुके हैं। वे पुनः अपने गांवों में जाएं और अपने लोगों की जरूरतों को समझें। वे अपने गांव को गोद लेकर विरासत और विकास को साथ लेकर आगें बढ़ें। राष्ट्रपति ने शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षा के प्रचार-प्रसार से ही समावेशी विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही सामाजिक न्याय और समग्र विकास का सबसे सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से यहां की महिलाएं सशक्त हो रही हैं।

हल्के हेलीकॉप्टर, ध्रुव-एनजी की पहली उड़ान को उड्डयन मंत्री ने दिखाई हरी झंडी

एजेंसी, बेंगलुरु

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने मंगलवार को बेंगलुरु स्थित हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) में अगली पीढ़ी के हेलीकॉप्टर ध्रुव-एनजी का उद्घाटन कर दिया। इस अवसर पर एचएएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. डीके सुनील भी मौजूद थे। नायडू ने उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर, ध्रुव-एनजी की पहली उड़ान को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जो स्वदेशी हेलीकॉप्टर का एक नागरिक संस्करण है जिसे एचएएल ने 2025 एयरो इंडिया शो में प्रदर्शित किया था। एचएएल के मुताबिक ध्रुव-एनजी 5.5 टन का हल्का, दो इंजन वाला, बहु-भूमिका वाला हेलीकॉप्टर है जिसे भारतीय भू-भाग की विविध और चुनौतीपूर्ण जरुरतों को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है। इसे विशेष रूप से वैश्विक नागरिक उड्डयन बाजार की कठोर मांगों को पूरा करने के लिए तैयार किया है। इसे बेहतर सुरक्षा, प्रदर्शन और यात्री आराम के लिए डिजाइन किया है। यह हेलीकॉप्टर स्वदेशी रोटरी-विंग क्षमता में एक मील का पत्थर है। ध्रुव-एनजी दो शक्ति 1एच1सी इंजनों से सुसज्जित है, जो उच्च शक्ति रेटिंग प्रदान करते हैं और भारत में आंतरिक रखरखाव को सक्षम बनाते हैं। एचएएल ने बताया कि इसमें एएस4 मानकों के अनुरूप नागरिक-प्रमाणित ग्लास कॉकपिट और बेहतर स्थितिजन्य जागरूकता के लिए आधुनिक एवियोनिक्स सूट लगा है। इसमें उन्नत कंपन नियंत्रण प्रणाली है जो वीआईपी और चिकित्सा परिवहन के लिए विशेष रूप से तैयार की गई है और सुगम उड़ान का अहसास कराती है। एचएएल के मुताबिक ध्रुव-एनजी का अधिकतम टेक-ऑफ भार 5,500 किलोग्राम है और यह 285 किमी प्रति घंटा की अधिकतम गति तक पहुंच सकता है। यह अधिकतम 14 यात्रियों को ले जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

आंगनबाड़ी एवं जनवितरण में व्याप्त भ्रष्टाचार के विरुद्ध जांच टीम गठित, 20सूत्री बैठक में 17 दिसम्बर को हुआ था हंगामा

कौआकोल। कौआकोल प्रखण्ड कार्यालय परिसर अवस्थित सभाकक्ष में विगत 17 दिसम्बर को संपन्न हुए 20 सूत्री कमेटी की बैठक में सदस्यों द्वारा बाल विकास परियोजना एवं जनवितरण में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर लगाए गए आरोपों के विरूद्ध जांच टीम का गठन किया गया है। बीडीओ सह 20सूत्री कमिटी के सचिव डॉ० अखिलेश कुमार ने दो अलग-अलग जांच टीम का गठन किया है। बता दें कि बाल विकास परियोजना पदाधिकारी अंजली कुमारी पर सभी आंगनबाड़ी केंद्रों से तीन से चार हजार मासिक नजराना वसूलने तथा अपने कार्यालय से फरार रहने का आरोप एवं जनवितरण में घटिया अनाज उपलब्ध कराने एवं पाँच किलो के बजाय महज चार किलो राशन देने का आरोप 20सूत्री उपाध्यक्ष अंकित विश्वकर्मा एवं अन्य सदस्यों द्वारा लगाया गया था। जिसके विरुद्ध बीडीओ द्वारा जांच कमेटी का गठन किया गया है। प्रखंड 20सूत्री कमेटी के सचिव सह कौआकोल के प्रखंड विकास पदाधिकारी के हस्ताक्षर से मंगलवार को जारी किए गए पत्र में बताया गया है कि 17 दिसंबर 2025 को आयोजित 20 सूत्री कमिटी की बैठक में 20सूत्री कमेटी के उपाध्यक्ष अंकित विश्वकर्मा ने प्रखंड बाल विकास परियोजना पदाधिकारी अंजली कुमारी पर बिना सूचना के अपने कार्यालय से लगातार फरार रहने तथा प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्रों से तीन से चार हजार रुपये की अवैध वसूली का आरोप लगाते हुए जांच कराने की मांग की थी। कमेटी के सदस्यों की मांग पर प्रखण्ड पंचायती राज पदाधिकारी शमा बानो के नेतृत्व में पांच सदस्यीय जांच कमेटी का गठन कर जांच के निर्देश दिए गए हैं। इस टीम में 20सूत्री सदस्य मुकुल सिंह,शिवबालक प्रसाद, बबलू चौधरी तथा माहो पासवान को शामिल किया गया है। वहीं जनवितरण की जांच के लिए प्रखण्ड कल्याण पदाधिकारी लोकेशनाथ चौधरी के नेतृत्व में चार सदस्यीय टीम का गठन किया गया है। इस टीम में 20सूत्री अध्यक्ष दिलीप कुमार,अजित कुमार वर्मा एवं ओमप्रकाश चौहान को सदस्य बनाया गया है।

जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने में लेट लतीफ से परेशानी

नरहट (नवादा)। प्रखण्ड में जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने में लेट लतीफ होने के कारण आम लोगों को भारी परेशानी हो रही है। जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र निर्गत करने वाले कर्मचारी एवं अधिकारी के लेट लतीफ के कारण लोगों को लंबे समय तक परेशान होना पड़ रहा है जिसको लेकर लोगों में भारी नाराजगी है। खनवां निवासी समाजसेवी गौतम कुमार एवं सीपीआई राज्य परिषद सदस्य के नेता राजेंद्र मांझी ने नाराजगी जताते हुए कहा कि जन्म एवं मृत्यु बनाने वाले कर्मचारी के लापरवाही के कारण लोगों को प्रमाण पत्र के लिए तीन से चार महीने तक प्रखण्ड कार्यालय का चक्कर लगाना पड़ रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रखण्ड आरटीपीएस काउंटर से एक भी आवेदन ऑनलाइन नही होता है। आमलोगों को आवेदन ऑनलाइन कराने के लिए प्राइवेट साइबर कैफे ने जाना पड़ता है जिससे गरीब व्यक्ति को आर्थिक परेशानी होती है। उन्होंने बताया कि पंचायत स्तर पर बने पंचायत भवन में भी पंचायत ऑपरेटर नही रहते हैं जिसके चलते लोगों को प्रमाण पत्र ऑनलाइन के लिए प्रखण्ड मुख्यालय आना पड़ता है। समय पर मृत्यु एवं जन्म एवं अन्य प्रमाण पत्र निर्गत नही होने से विधवा पेंशन एवं अन्य सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना एवं अन्य योजनाओ का लाभ के लिए आवेदन करने में भारी फजीहत होती है।

न्यू ईयर पर राजगीर में बदली रहेगी ट्रैफिक व्यवस्था

नालंदा। ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व के इस पर्यटन स्थल पर न्यू ईयर में देश-विदेश से हजारों की संख्या में सैलानी पहुंचते हैं। इस भीड़ को देखते हुए वाहनों के सुचारू संचालन और यातायात की समस्या से निपटने के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक ट्रैफिक रेगुलेशन प्लान तैयार किया है। राजगीर शहर में बड़े व्यावसायिक वाहनों के प्रवेश पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। वनगंगा से राजगीर की ओर आने वाले भारी वाहनों को शहर में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। इसके अलावा बस स्टैंड के पास स्थित छबिलापुर मोड़ से हरियाली की ओर जाने वाले मार्ग पर भी वाहनों का परिचालन प्रतिबंधित कर दिया गया है। यातायात व्यवस्था में किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए प्रशासन ने कई वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था की है। पटना और बिहारशरीफ से नवादा जाने वाले वाहनों को पंडितपुर गुमटी रेलवे क्रॉसिंग पार कर बाएं मुड़कर आयुध कारखाना बाईपास होते हुए गिरियक के रास्ते जाना होगा। राजगीर की ओर आने वाले वाहनों को पंडितपुर आरओबी से यू-टर्न लेकर नाहूब मोड़ से छबिलापुर बाईपास का रास्ता पकड़ना होगा। गया, हिसुआ और नवादा से आने वाली छोटी गाड़ियों को नारदीगंज से दाहिने मुड़कर ग्राम पकड़िया होते हुए खराट के रास्ते एनएच-31 पर जाना होगा। पर्यटकों की सुविधा के लिए शहर में 14 स्थानों पर ड्रॉप गेट की व्यवस्था की गई है। इनमें आयुध फैक्ट्री गेट नंबर 02, छबिलापुर मोड़, होटल महाराजा, अंबेडकर चौक, वीरायतन मोड़, पांडु पोखर पार्किंग स्थल, मार्क्सवादी नगर, इंडो हॉक होटल के पास रेलवे ओवरब्रिज, वनगंगा, जयप्रकाश उद्यान, पंडितपुर आरओबी, नाहूब मोड़, पिल्खी ग्राम बाईपास मोड़ और हरियाली मोड़ शामिल है। हॉकी मैदान ग्राउंड (P1), मेला मैदान (P2), पीटीजेएम कॉलेज मैदान (P3) और आरडीएच स्कूल मैदान (P4) में पार्किंग की व्यवस्था रहेगी।

गणतंत्र दिवस की तैयारी को लेकर डीएम ने किया समीक्षात्मक बैठक

निज संवाददाता। नवादा

जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश एवं पुलिस अधीक्षक अभिनव धीमान की संयुक्त अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में गणतंत्र दिवस समारोह 2026 के सफल आयोजन के लिए जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षात्मक बैठक हुई। बैठक में जिला स्थापना दिवस, गणतंत्र दिवस, आदि के संबंध में अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा की गई। गणतंत्र दिवस के अवसर पर झंडोत्तोलन कार्यक्रम हरिशचंद्र स्टेडियम नवादा में होगा।

जिलाधिकारी ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को निर्देश दिया कि गणतंत्र दिवस के अवसर पर ठंढ़ को देखते हुए नवमीं एवं दसवीं कक्षा के छात्रों को प्रभातफेरी में शामिल कर कार्यक्रम कराना सुनिश्चित करेंगे। कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद को नगर परिषद क्षेत्र में साफ-सफाई कराने हेतु निर्देश दिया गया। साथ ही उन्हें यह भी निर्देश दिया गया कि शहर में अवस्थित महानुभावों के प्रतिमाओं की साफ-सफाई करायेंगे। मुख्य समारोह स्थल हरिश्चन्द्र स्टेडियम, नवादा तथा नवादा के सभी सड़कों एवं नालियों की सफाई कराकर चूना छिड़काव की व्यवस्था कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद कराना सुनिश्चित करेंगे। कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद हिसुआ एवं वारिसलीगंज तथा कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत रजौली अपने-अपने क्षेत्रों के अंतर्गत सड़क तथा नालियों की साफ-सफाई कराना सुनिश्चित करेंगे।

हरिश्चन्द्र स्टेडियम में बैरिकेडिंग की व्यवस्था कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल नवादा अनुमंडल पदाधिकारी नवादा से समन्वय स्थापित कर करेंगे। सार्जेंट मेजर को राष्ट्रीय झंडा को विधि-सम्मत बांधने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिये। उन्होंने राजकीय समारोह जो हरिश्चन्द्र स्टेडियम में मनाया जायेगा वहां बैंड पार्टी की व्यवस्था भी करने का निर्देश दिया गया। गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर विभिन्न विभागों के द्वारा आकर्षक झांकी निकाली जायेगी। जिसमें जन कल्याणकारी योजनाओं का विस्तृत ढ़ंग से प्रचार-प्रसार होगी। झंडातोलन स्थलों पर राष्ट्रगान के लिए बालिकाओं की 04 टीम बनाने का निर्देश जिला शिक्षा पदाधिकारी को दिया गया जो चिन्हित स्थलों पर राष्ट्र गान की प्रस्तुति करेंगी। संयुक्त परेड की व्यवस्था सार्जेंट मेजर, पुलिस केन्द्र नवादा द्वारा की जायेगी एवं राजकीय समारोह स्थल हरिश्चन्द्र स्टेडियम में 08 प्लाटून सम्मिलित होंगे।

नगर परिषद क्षेत्र और प्रखंडों में स्थापित महापुरूषों की मुर्तियों की साफ-सफाई, माल्यार्पण करने का निर्देश सभी कार्यपालक पदाधिकारी और प्रखंड विकास पदाधिकारी को निर्देशित किया गया। उन्होंने कहा कि सभी विद्यालयों में भी साफ-सफाई कराते हुए झंडातोलन जिला शिक्षा पदाधिकारी अपने स्तर से करवायेंगे। स्थापना दिवस के अवसर पर सरकारी भवनों को लाईट से सुसज्जित किया जायेगा। विभिन्न विभागों के द्वारा सरकार की योजनाओं से संबंधित आकर्षक और यादगार झांकियां निकालने का निर्देश दिया गया। चयनित महादलित टोले में भी जिला स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति में वहां के वयोबृद्ध नागरिकों के द्वारा झंडोतोलन का कार्य किया जायेगा एवं स्थानीय नागरिकों को सरकार के विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के बारे में बतायेंगे। हरिश्चन्द्र स्टेडियम में सभी प्रकार की आधारभूत सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया गया।

जिला स्थापना दिवस के अवसर पर संध्या में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। कार्यक्रम का लाईव टेलीकास्ट किया जायेगा। बैठक में उप विकास आयुक्त नवादा, अपर समाहर्त्ता नवादा, अपर समाहर्त्ता-सह-जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी नवादा सदर, एसडीपीओ नवादा सदर, जिला भूअर्जन पदाधिकारी, गोपनीय शाखा प्रभारी, जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी, कार्यपालक नगर परिषद नवादा के साथ-साथ जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

जिला पदाधिकारी ने लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के तहत द्वितीय अपील की सुनवाई की

निज संवाददाता। नवादा

जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश ने अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के अंतर्गत द्वितीय अपील की सुनवाई की । सुनवाई में कुल 05 परिवादी उपस्थित हुए, जिनमें से 03 मामलों का ऑन-स्पॉट निवारण कर दिया गया।

प्रस्तुत द्वितीय अपील मामलों में संजय उर्फ संजीव रंजन द्वारा रास्ता को अवैध कब्जा से अतिक्रमण मुक्त कराने के संबंध में, कृष्णा कुमार द्वारा विद्युत विपत्र में पता सुधार कराने के संबंध में तथा धर्मेंद्र कुमार द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत राशि की फर्जी निकासी के संबंध में ऑनलाइन द्वितीय अपील दायर की गई थी। संबंधित पदाधिकारियों द्वारा उपलब्ध कराए गए जांच प्रतिवेदन के आधार पर शिकायतों का निष्पादन कर दिया गया।

उल्लेखनीय है कि बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम, 2015 के तहत किसी भी मामले का निवारण अधिकतम दो माह के भीतर किया जाता है। प्रखंड एवं पंचायत स्तर से संबंधित विवादों एवं समस्याओं के लिए अनुमंडलीय लोक शिकायत निवारण कार्यालय, नवादा सदर एवं रजौली में अपील दायर की जा सकती है। वहीं जिला स्तरीय समस्याओं एवं परिवादों के निवारण हेतु जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, नवादा का कार्यालय समाहरणालय के मुख्य प्रवेश द्वार के दाहिने ओर, लोक सेवाओं का अधिकार अधिनियम भवन में संचालित है। शिकायतों की सुनवाई एवं निवारण की प्रक्रिया में दोनों पक्षों को बुलाकर निष्पक्ष निर्णय लिया जाता है। इसके लिए किसी प्रकार का कोई शुल्क नहीं लिया जाता है। शिकायत दर्ज करना, निवारण कराना एवं आदेश से असंतुष्ट होने पर अपील दायर करना पूर्णतः निःशुल्क है। अब शिकायत दर्ज करना और भी सरल हो गया है, क्योंकि ऑनलाइन माध्यम से भी शिकायत एवं अपील की सुविधा उपलब्ध है। जिला प्रशासन, नवादा आम नागरिकों से अपील करता है कि वे बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के अंतर्गत अपनी शिकायत दर्ज कराएं और निर्धारित समय सीमा के भीतर समाधान प्राप्त करें।

रजौली में पशु बांझपन निवारण शिविर आयोजित, 106 पशुओं को मिला लाभ

निज संवाददाता। रजौली

फीता काटकर शिविर का उद्घाटन करते पशु चिकित्सक व अन्य

मुख्यालय स्थित प्रथम वर्गीय पशु चिकित्सालय रजौली के तत्वावधान में मंगलवार को एक दिवसीय पशु बांझपन निवारण शिविर का आयोजन रजौली पश्चिमी पंचायत अंतर्गत सिमरकोल गांव में किया गया।शिविर का उद्देश्य क्षेत्र के पशुपालकों को पशुओं में बांझपन की समस्या से राहत दिलाना तथा उन्हें वैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध कराना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पंचायत मुखिया प्रतिनिधि विनय कुमार सिंह उपस्थित रहे। उन्होंने शिविर की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम पशुपालकों की आय बढ़ाने और पशुधन स्वास्थ्य सुधारने में अत्यंत उपयोगी हैं।

शिविर के दौरान पशुपालकों को पशु बांझपन के कारण, उसकी रोकथाम एवं उपचार से संबंधित विस्तृत जानकारी दी गई तथा पशुओं की जांच कर आवश्यक परामर्श एवं निदान किया गया। मोबाइल वेटरनरी यूनिट (एमवीयू) की टीम भी डॉ. बिपिन बिहारी प्रसाद के नेतृत्व में शिविर में शामिल हुई, जिसमें सहायक विद्यासागर एवं पारावेट पप्पू कुमार ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

इस शिविर से कुल 53 पशुपालकों के 106 पशुओं को प्रत्यक्ष लाभ मिला। पशुपालकों ने विभाग द्वारा आयोजित इस पहल की सराहना करते हुए भविष्य में ऐसे और शिविर आयोजित करने की मांग की। इस अवसर पर पशु चिकित्सक डॉ. रेषु कुमार, डॉ. नीरज कुमार सिंह एवं डॉ. अभय कुमार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अलावा कार्यक्रम में उमेश चौधरी, धीरज कपूर, राजू कुमार व रामप्रवेश, मैत्री कर्मी संजय कुमार, अशोक प्रसाद सहित अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

दो गांवों से चोरी के बाइक पर लदे 269 लीटर शराब जब्त, एक विधि निरुद्ध बालक निरुद्ध

निज संवाददाता। रजौली

जब्त शराब और बाइक के साथ पुलिस बल

थाना क्षेत्र में शराबबंदी को सफल बनाए जाने को लेकर पुलिस बलों ने दो अलग अलग गांवों से चोरी के दो बाइकों और उसपर लदे कुल 269 लीटर शराब को जब्त किया है।साथ ही एक विधि निरुद्ध बालक को भी पुलिस बलों के द्वारा निरुद्ध किया गया है।थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर रंजीत कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र में पुलिस बलों के सहयोग से शराब के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है।बीते सोमवार की देर शाम गुप्त सूचना मिली कि सतगिर गांव स्थित नदी के किनारे एक चोरी की बाइक पर शराब लदी हुई है,जिसे शराब तस्करों द्वारा पुआल से ढक दिया गया है।सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कानूनी कार्रवाई को लेकर थाने में पदस्थापित एसआई संगीता कुमारी व पीएसआई सचिन कुमार को सशस्त्र बलों के साथ स्थल पर भेजा गया।छापेमारी के दौरान पुलिस ने चोरी के होंडा शाइन बाइक (बीआर30एबी0860) पर तीन तीन लीटर के पाउच में बंद कुल 159 लीटर शराब बरामद किया गया।

वहीं दूसरी ओर सोमवार को ही देर रात्रि को पीटीसी उपेंद्र कुमार ने महियारा गांव से होंडा शाइन (बीआर01डीडी2290) बाइक से शराब परिवहन में जुटे एक बाइक पर लदे 110 लीटर शराब को जब्त किया गया।जब्त शराब के साथ एक विधि निरुद्ध बालक,जो बाइक को सड़क पर पटककर भाग रहा था,उसे पुलिस बलों द्वारा निरुद्ध किया गया।निरुद्ध बालक द्वारा बताया गया कि जब्त बाइक चोरी की है,जिसका उपयोग शराब परिवहन के लिए किया जा रहा था।थानाध्यक्ष ने कहा कि उक्त दोनों मामलों को अलग अलग थाना कांडों में प्राथमिकी दर्ज की गई है।साथ ही बताया कि विधि निरुद्ध बालक को मंगलवार को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

नालंदा जिले में 74 लाख के घोटाले की आशंका, 15 शिक्षकों का वेतन रोका गया

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा जिले में शिक्षा विभाग में वित्तीय घोटाला सामने आया है। प्री-फैब स्ट्रक्चर निर्माण के नाम पर मिली 74 लाख 85 हजार रुपए की राशि का हिसाब न देने वाले 15 स्कूलों के प्रिंसिपल और प्रभारी प्रिंसिपल का वेतन तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया है। इतना ही नहीं, इन शिक्षकों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की भी अनुशंसा की गई है। योजना एवं लेखा के जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (डीपीओ) की ओर से स्थापना के डीपीओ को भेजे गए पत्र में इन शिक्षकों पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। पत्र में कहा गया है कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में प्री-फैब स्ट्रक्चर निर्माण के लिए प्रत्येक चयनित विद्यालय को पांच लाख रुपए की राशि उपलब्ध कराई गई थी।

दो साल बाद भी नहीं मिला उपयोगिता प्रमाण पत्रः चौंकाने वाली बात यह है कि दो साल बीत जाने के बावजूद इन 15 स्कूलों ने न तो किए गए कार्य का कोई ब्योरा दिया और न ही उपयोगिता प्रमाण पत्र जमा किया। विभाग द्वारा बार-बार पत्र भेजे गए, फोन किए गए और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में भी आदेश दिए गए, लेकिन संबंधित शिक्षकों ने इसे पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया। इन 15 स्कूलों में से 14 के पास पांच-पांच लाख रुपए यानी कुल 70 लाख का हिसाब बाकी है, जबकि एक स्कूल के प्रधानाध्यापक के पास चार लाख 85 हजार रुपए का लेखा-जोखा लंबित है। इस तरह कुल मिलाकर 74 लाख 85 हजार रुपए का मामला है।

एकंगरसराय में सबसे ज्यादा मामलेः जिले में सबसे अधिक पांच मामले एकंगरसराय प्रखंड के स्कूलों से जुड़े हैं, जहां कुल 25 लाख रुपए का हिसाब नहीं दिया गया है। इससे यह आशंका हो रही है कि कहीं यह राशि गबन तो नहीं कर ली गई। विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों का भी मानना है कि इतने लंबे समय तक उपयोगिता प्रमाण पत्र न देना वित्तीय घोटाले की ओर इशारा करता है।

गंभीर लापरवाही और अनुशासनहीनताः डीपीओ ने अपने पत्र में साफ तौर पर कहा है कि संबंधित विद्यालयों द्वारा उपयोगिता प्रमाण पत्र जमा न करना वित्तीय अनियमितता, स्वेच्छाचारिता, उच्च अधिकारियों के आदेश की अवहेलना और कर्तव्य के प्रति घोर लापरवाही को दर्शाता है। इसे गंभीरता से लेते हुए संबंधित शिक्षकों का वेतन तुरंत रोकने और उनके खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा की गई है। यह भी गौर करने वाली बात है कि विभाग ने भी इस मामले को उतनी गंभीरता से नहीं लिया, जितना लेना चाहिए था। दो साल तक लगातार उपयोगिता प्रमाण पत्र न मिलने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। अब जाकर मामला सामने आया है।

स्कूलों की लिस्टः जिन विद्यालयों ने उपयोगिता प्रमाण पत्र जमा नहीं किया है, उनमें दबई बिगहा मध्य विद्यालय, बेन उच्च विद्यालय, दयालपुर उत्क्रमित मध्य विद्यालय, चन्दापुर प्राथमिक विद्यालय, धुरगांव उत्क्रमित मध्य विद्यालय, बदराबाद उत्क्रमित मध्य विद्यालय, केशोपुर उत्क्रमित मध्य विद्यालय, जमुआवां उत्क्रमित मध्य विद्यालय, इसुआ उत्क्रमित मध्य विद्यालय, नवसृजित विद्यालय डॉ. इंग्लिश, केल्हुआ मध्य विद्यालय, कुंदी उच्च विद्यालय और हरिजन टोला प्यारेपुर प्राथमिक विद्यालय शामिल है।

♦ सबसे अधिक एकंगरसराय के 5 स्कूलों ने नहीं दिया हिसाब

जेपी की कर्मभूमि शेखोदेवरा आश्रम में आयोजित तीन दिवसीय साहित्य प्रेरणा उत्सव संपन्न

निज संवाददाता। नवादा

रत्नाकर स्मृति सम्मान लेकर विदा हुए देश विदेश कीसाहित्यकार

नवादा जिले के कौआकोल प्रखण्ड के सोखोदेवरा गांव में अवस्थित ऐतिहासिक लोकनायक जयप्रकाश नारायण आश्रम परिसर के राजेन्द्र भवन में तीन दिवसीय साहित्य समागम मगलवार को संपन्न हो गया। अशोक स्मृति संस्थान हिसुआ,नवादा के बैनर तले आयोजित मगध साहित्य प्रेरणा उत्सव में पहुंचे देश-विदेश के साहित्यकारों को आश्रम के प्रधानमंत्री अरविंद कुमार के द्वारा आश्रम में तैयार किए गए उन्नत किस्म के फल और फूलों के पौधा देकर विदा किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत 28 दिसंबर को की गई थी। लेकिन देश विदेश से कार्यक्रम में पहुंचे साहित्यकारों का जिले के वरिष्ठ साहित्यकार दिगंबत रामरतन प्रसाद सिंह रत्नाकर स्मृति सम्मान से 29 दिसंबर को सम्मानित किया गया। युवा कवि ओंकार शर्मा कश्यप के संयोजन और संचालन समिति अध्यक्ष देवेंद्र विश्वकर्मा के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन हिसुआ के विधायक अनिल सिंह,गोविंदपुर विधानसभा के निवर्तमान विधायक मोहम्मद कामरान,हिलसा के पूर्व विधायक डॉ० उषा सिन्हा,ग्राम निर्माण मण्डल के प्रधानमंत्री अविन्द कुमार, शिक्षाविद डॉ० आरपी साहू,डॉ० शशिभूषण प्रसाद,साहित्यकार नरेंद्र सिंह,वीणा मिश्रा आदि ने संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्वलित कर किया।

देश और विदेश के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे थे साहित्यकारः पटना से लघु कथाकार और संपादक विभा रानी श्रीवास्तव, पूर्व विधायक और साहित्यकार डॉ उषा सिंहा, डॉ. मीना कुमारी परिहार, शोध आधारित लेखन के प्रतिष्ठित साहित्यकार सूर्यगढ़ा के डॉ विजय विनीत, जापान के टोक्यो से आई हाइकु विधा की मर्मज्ञ साहित्यकार कंचन अपराजिता , मध्य प्रदेश के कटनी के अनिल कुमार मिश्र, डॉ कुशकेत सिंह परिहार,ठाकुर सुभाष सिंह,राकेश कुमार उरमलिया, असम के तेजपुर से आए केंद्रीय हिंदी संस्थान पूर्वोत्तर के संयोजक संतोष महतो, मध्य प्रदेश के रिटायर्ड चीफ इंजीनियर और वरिष्ठ साहित्यकार डॉ विनोद शुक्ल, चँदिया (उमरिया) मध्य प्रदेश के करकेली के आशीष तोमर , गुजरात के डॉ हंसा सिद्धपुरा, मुजफ्फरपुर की साहित्यकार डॉ शैल केजरीवाल, मुंगेर विश्वविद्यालयके डॉ वसीम रज्ञा, बांका कॉलेज के डॉ पुलकित मंडल, भागलपुर की डॉ रश्मि किरण, डॉ अनुपम कुमारी, प्रयाग राज की अर्पणा आर्या ध्रुव, समर बहादुर सरोज, आशा रघुदेव, प्रयागराज की प्रवीणा आर्या, कौशल किशोर, वैशाली के कवि डॉ प्रीतम कुमार झा, .मीरा प्रकाश,तनुजा सिन्हा , रांची की अंशिता सिन्हा, पटना की कथाकार प्रेमलता सिंह राजपूत, डॉ. सुधा सिन्हा, ,नीता सहाय, मुजफ्फरपुर की मुस्कान केशरी . सुमन लता अनमोल कुमारी, शंकर शौर्य ,कंचन पाठक सहित दर्जनों स्थानीय साहित्यकार को सम्मानित किया गया।

रत्नाकर जी द्वारा शुरू किए गए कार्यों को पूरा करने का आह्वानः कार्यक्रम में पहुंचे साहित्यकारों सहित नवादा के साहित्यकार राजेश मझेकर, नरेंद्र सिंह एवं ओमकार कश्यप ने स्वर्गीय रत्नाकर द्वारा शुरू किए गए कार्यों को पूरा करने का आह्वान किया। कहा कि रत्नाकर जी जीवन के अंतिम क्षण तक समाज के बेहतरी के लिए लेखनी के माध्यम से काम करते रहे। पत्रकारिता साहित्य और इतिहास की जानकारी रखने वाले रत्नाकर जी सिर्फ सामान्य कहानी कविता और आलेख नहीं लिखते थे। उन्होंने नवादा सहित पूरे मगध के ऐतिहासिक, पुरातात्विक, धार्मिक स्थलों को अपनी लेखनी में जगह दी। जिसके कारण नवादा में महत्वपूर्ण पर्यटक स्थल ककोलत, सीतामढ़ी, पार्वती, अपसढ सहित राजगीर, बोधगया,नालंदा में स्थित कई महत्वपूर्ण स्थानो पर प्रकाश डाला था। परिणाम स्वरुप सरकार का ध्यान उस ओर गया। इसी प्रकार समाज में व्याप्त कुरीतियों, सामाजिक परंपरा, संस्कृति आदि महत्वपूर्ण विषयों पर प्रकाश डालते हुए दो दर्जन से अधिक हिंदी मगही के पुस्तकों की रचना की है जो हम लोगों को आगे भी प्रेरणा देती रहेगी। साहित्यकारों को संबोधित करते हुए आश्रम के प्रधानमंत्री अरविंद कुमार ने जेपी द्वारा जनकल्याण के लिए शुरू किए गए आश्रम की कहानी बताई। बताया कि शुरुआत के समय में इस इलाके में आम लोगों का प्रवेश निषेध था।

संक्षिप्त समाचार

दो जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के परिचालन अवधि में विस्तार, यात्रियों को मिलेगी राहत

हाजीपुर। यात्रियों की बढ़ती भीड़ और लगातार मिल रही मांग को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन ने दो जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के परिचालन अवधि में विस्तार करने का निर्णय लिया है। इससे विभिन्न रूटों पर यात्रा करने वाले यात्रियों को आने वाले दिनों में बड़ी सुविधा मिलेगी। रेलवे द्वारा जारी जानकारी के अनुसार बोकारो स्टील सिटी–मुरी–रांची–राउरकेला मार्ग से संचालित की जा रही भुवनेश्वर–धनबाद स्पेशल ट्रेनों की अवधि बढ़ाई गई है। इसके तहत गाड़ी संख्या 02832 भुवनेश्वर–धनबाद स्पेशल अब 1 जनवरी, 2026 से 28 फरवरी, 2026 तक प्रतिदिन चलेगी। वहीं गाड़ी संख्या 02831 धनबाद–भुवनेश्वर स्पेशल को 2 जनवरी, 2026 से 1 मार्च, 2026 तक रोजाना संचालित किया जाएगा।

इसी तरह टाटा–रांची–लोहरदगा–लातेहार–डालटनगंज–चोपन–सिंगरौली मार्ग से चलने वाली संतरागाछी–अजमेर स्पेशल ट्रेनों के परिचालन अवधि में भी विस्तार किया गया है। गाड़ी संख्या 08611 संतरागाछी–अजमेर स्पेशल अब 5 जनवरी, 2026 से 23 फरवरी, 2026 तक सप्ताह के प्रत्येक सोमवार को चलेगी। वहीं गाड़ी संख्या 08612 अजमेर–संतरागाछी स्पेशल 8 जनवरी, 2026 से 26 फरवरी, 2026 तक हर सप्ताह गुरुवार को परिचालित की जाएगी। रेलवे प्रशासन का कहना है कि स्पेशल ट्रेनों के परिचालन अवधि में विस्तार से यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी और लोगों को सुगम व सुरक्षित यात्रा का विकल्प मिलेगा।

पुलिस ने छेड़खानी के आरोपी को दबोचा, दो महीने से था फरार भेजा गया जेल

मसौढ़ी। मसौढ़ी थाना पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के एक मामले में बड़ी सफलता हासिल करते हुए दो महीने से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को सोमवार देर रात पकड़ा गया और मंगलवार को कोर्ट में पेशी के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान जहानाबाद जिले के मख्दमपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत टेकहोरा गांव निवासी शिवशंकर यादव के पुत्र रंजन कुमार के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, यह मामला करीब दो माह पूर्व मसौढ़ी थाना क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की के साथ हुई छेड़खानी से जुड़ा है। इस संबंध में पीड़िता की मां ने मसौढ़ी थाना में आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। मामले के अनुसंधानकर्ता और थानाध्यक्ष ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज होने के बाद से ही आरोपी फरार चल रहा था। पुलिस लगातार उसकी तलाश में जुटी थी। गुप्त सूचना के आधार पर सोमवार को कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद उसका मेडिकल परीक्षण कराया गया और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि महिलाओं और नाबालिगों की सुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ऐसे मामलों में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

रेलवन ऐप से अनारक्षित टिकट पर 3% छूट, 14 जनवरी से 14 जुलाई 2026 तक विशेष सुविधा

हाजीपुर। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा और डिजिटल टिकटिंग को बढ़ावा देने के लिए रेलवन (RailOne) मोबाइल ऐप के जरिए अनारक्षित टिकट बुकिंग पर 3 प्रतिशत की छूट देने का निर्णय लिया है। यह विशेष सुविधा 14 जनवरी, 2026 से 14 जुलाई, 2026 तक लागू रहेगी। रेलवे की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, रेलवन ऐप पर आर-वालेट को छोड़कर सभी डिजिटल भुगतान माध्यमों से अनारक्षित टिकट बुक करने पर यात्रियों को 3 प्रतिशत की सीधी छूट मिलेगी। इसमें यूपीआई, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड और नेट बैंकिंग जैसे विकल्प शामिल हैं। वहीं रेलवन ऐप के आर-वालेट (R-Wallet) से अनारक्षित टिकट खरीदने पर पहले से ही 3 प्रतिशत कैशबैक बोनस की सुविधा दी जा रही है। इस तरह रेलवन ऐप के माध्यम से किसी भी डिजिटल भुगतान विकल्प का उपयोग करने पर यात्रियों को निश्चित रूप से लाभ मिलेगा—या तो सीधे छूट के रूप में या कैशबैक के तौर पर।

रेलवे प्रशासन का कहना है कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य यात्रियों को डिजिटल माध्यम से टिकट खरीदने के लिए प्रोत्साहित करना और नकद लेन-देन को कम करना है। इससे न केवल टिकट बुकिंग प्रक्रिया अधिक सरल और तेज होगी, बल्कि डिजिटल इंडिया की दिशा में भी यह एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। गौरतलब है कि रेलवन ऐप एक ही प्लेटफॉर्म पर कई सुविधाएं उपलब्ध कराता है। इसके जरिए यात्री आरक्षित और अनारक्षित टिकटों के साथ-साथ प्लेटफॉर्म टिकट की बुकिंग कर सकते हैं। इसके अलावा ट्रेन की लाइव लोकेशन, पीएनआर स्टेटस, कोच पोजिशन, भोजन बुकिंग, शिकायत और सुझाव दर्ज करने की सुविधा, साथ ही पार्सल ट्रैकिंग जैसी सेवाएं भी इस ऐप पर उपलब्ध हैं। रेलवे का मानना है कि इस योजना से डिजिटल टिकटिंग को व्यापक स्तर पर बढ़ावा मिलेगा और यात्रियों को यात्रा के दौरान अधिक सहूलियत प्राप्त होगी।

अवैध सूदखोरी मामले में महिला गिरफ्तार

हरसिद्धि। अवैध सूदखोरी के एक गंभीर मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक महिला को गिरफ्तार कर मंगलवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में सूद-ब्याज पर पैसा देने वालों के बीच हड़कंप मच गया है। थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने बताया कि हरसिद्धि थाना क्षेत्र के घोघरहां पंचायत, वार्ड संख्या–5 निवासी गुरुदीप कुमार (पिता—किशोर दास) द्वारा थाने में आवेदन दिया गया था। आवेदन में आरोप लगाया गया कि उनकी मां उषा देवी ने गांव की ही रीमा देवी (पति—उपेन्द्र सिंह) से सूद पर पैसा लिया था। मूलधन की राशि समय पर लौटा दी गई थी, लेकिन अत्यधिक ब्याज की मांग के कारण ब्याज की रकम नहीं चुकाई जा सकी।

ई-रिक्शा और ऑटो चालकों की मनमानी से मसौढ़ी में आमजन परेशान

निज संवाददाता। मसौढ़ी

नगर क्षेत्र में ई-रिक्शा और ऑटो चालकों की मनमानी आम लोगों के लिए बड़ी परेशानी बनती जा रही है। शहर के विभिन्न चौक-चौराहों और मुख्य सड़कों पर प्रतिदिन जाम की स्थिति उत्पन्न हो रही है, जिससे राहगीरों के साथ-साथ अन्य वाहन चालकों को भी भारी फजीहत झेलनी पड़ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ई-रिक्शा चालक जहां मन करता है वहीं स्टैंड बना लेते हैं।

सड़कों के बीचों-बीच या चौक के पास वाहन खड़ा कर सवारी उतारने-चढ़ाने से यातायात पूरी तरह बाधित हो जाता है। हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि पैदल चलने वालों और दोपहिया वाहनों को निकलने के लिए वैकल्पिक रास्ते तलाशने पड़ते हैं।

रोज बन रही जाम की स्थिति

बीते दिनों एक ई-रिक्शा चालक द्वारा एक वार्ड पार्षद की गाड़ी में टक्कर मारने का मामला भी सामने आया। विरोध करने पर चालक ने पार्षद से हाथापाई शुरू कर दी, जिससे लोगों में आक्रोश और भय का माहौल बन गया। लोगों का आरोप है कि ऑटो चालकों की मनमानी भी कम नहीं है। स्थानीय पुलिस द्वारा मना किए जाने के बावजूद चालक सड़क के किनारे और बीच में वाहन खड़ा कर सवारी भरते रहते हैं। इससे छोटे वाहनों को निकलने का रास्ता नहीं मिल पाता और जाम की समस्या बनी रहती है। जबकि शहर में बड़े वाहनों के प्रवेश को नियंत्रित करने के लिए नो-एंट्री लागू है, इसके बावजूद छोटे वाहनों की अव्यवस्था से यातायात चरमरा गया है।

स्टेशन रोड, मेन रोड, ब्लॉक रोड, थाना के पास और रेलवे गुमटी जाने वाले मार्ग पर दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है। बाजार क्षेत्र की मुख्य सड़कों पर बार-बार लगने वाले जाम से स्कूल जाने वाले छात्र-छात्राएं, एंबुलेंस से अस्पताल ले जाए जा रहे मरीज, कार्यालय जाने वाले कर्मचारी, ट्रेन, बैंक या ब्लॉक जाने वाले आम लोग सभी प्रभावित हो रहे हैं।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि ई-रिक्शा और ऑटो चालकों पर सख्ती की जाए, निर्धारित स्टैंड तय किए जाएं और यातायात नियमों का कड़ाई से पालन कराया जाए, ताकि शहरवासियों को जाम और अव्यवस्था से राहत मिल सके।

रेलकर्मियों ने महाप्रबंधक के समक्ष रखीं विभागीय समस्याएं

शीघ्र समाधान का मिला आश्वासन

निज संवाददाता। हाजीपुर

पूर्व मध्य रेल मुख्यालय, हाजीपुर में मंगलवार को तीन रेलकर्मियों ने महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह से भेंट कर अपनी-अपनी विभागीय समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। महाप्रबंधक ने रेलकर्मियों की बातों को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों को प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर मामलों के निष्पादन के निर्देश दिए। इस अवसर पर महाप्रबंधक ने कहा कि रेलकर्मियों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि लंबित मामलों को अनावश्यक रूप से टालने के बजाय शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि कर्मचारियों को राहत मिल सके। गौरतलब है कि रेलकर्मियों की विभागीय समस्याओं के समाधान के उद्देश्य से प्रत्येक मंगलवार को महाप्रबंधक से मुलाकात का दिन निर्धारित किया गया है। इसके तहत रेलकर्मी पहले से कार्मिक विभाग में अपना नाम पंजीकृत कराकर मंगलवार को महाप्रबंधक से मिल सकते हैं और सीधे तौर पर अपनी समस्याएं उनके समक्ष रख सकते हैं। इस व्यवस्था से रेलकर्मियों को अपनी बात उच्च स्तर तक पहुंचाने का अवसर मिल रहा है और समस्याओं के समाधान की प्रक्रिया में तेजी आने की उम्मीद जताई जा रही है।

दलित बस्ती में पुलिस का बड़ा अभियान, 1500 लीटर अवैध शराब नष्ट

निज संवाददाता। मसौढ़ी

लहसुना थाना पुलिस ने अवैध शराब कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए चपौर बांध और नियामतपुर महादलित बस्ती में सघन छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने करीब 1500 लीटर अर्धनिर्मित शराब, जावा और महुआ को मौके पर ही नष्ट कर दिया। इसके साथ ही शराब निर्माण में उपयोग किए जा रहे बर्तनों और उपकरणों को भी क्षतिग्रस्त किया गया।

पुलिस के अनुसार, महादलित बस्ती में लंबे समय से अवैध शराब निर्माण और बिक्री की सूचना मिल रही थी। इसी को लेकर विशेष अभियान चलाया गया। छापेमारी की भनक लगते ही शराब कारोबारी मौके से फरार हो गए, जिससे उनकी गिरफ्तारी नहीं हो सकी। हालांकि पुलिस ने संबंधित शराब कारोबारियों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कर ली है। इस कार्रवाई से इलाके में अवैध शराब कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस की सख्ती से क्षेत्र में लंबे समय से चल रहे अवैध धंधे पर लगाम लगने की उम्मीद जगी है। लहसुना थानाध्यक्ष खुशबू खातून ने बताया कि क्षेत्र में लगातार अभियान चलाया जा रहा है। अवैध शराब निर्माण और बिक्री करने वालों को कड़ी चेतावनी दी गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब शराब कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

पटना सिटी में शराब तस्करी का भंडाफोड़, न्यू ईयर के लिए विदेशी शराब ले जा रहे दो युवक गिरफ्तार

निज संवाददाता। पटना

मुगलपुरा टीओपी पुलिस ने सोमवार देर रात शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार किया है। दोनों युवक स्कूटी से भारी मात्रा में विदेशी शराब लेकर न्यू ईयर के जश्न की तैयारी में जुटे थे। पुलिस ने बर्गना के पास घेराबंदी कर उन्हें पकड़ा और शराब बरामद की। टीओपी प्रभारी चुन्नू कुमार ने बताया कि उच्च अधिकारियों के निर्देश पर क्षेत्र में लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। नए साल को लेकर शराब तस्करी की सूचना मिल रही थी, जिसके बाद एक विशेष टीम गठित की गई। इसी दौरान बर्गना के पास संदिग्ध स्कूटी को रोका गया, जिसकी तलाशी लेने पर भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद हुई।

गिरफ्तार युवकों की पहचान रॉकी कुमार (24) और विजय प्रभाकर (38) के रूप में हुई है। दोनों पटना सिटी के रहने वाले बताए जा रहे हैं। पूछताछ में खुलासा हुआ है कि वे उत्तर प्रदेश से ट्रेन के जरिए शराब की खेप पटना सिटी लाते थे और फिर स्कूटी की डिक्की में रखकर अलग-अलग इलाकों में ग्राहकों तक पहुंचाते थे।

पुलिस दोनों आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है। साथ ही इस तस्करी रैकेट से जुड़े अन्य लोगों की तलाश भी की जा रही है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि आरोपी कितने समय से शराब तस्करी में शामिल थे और किन-किन इलाकों में शराब की सप्लाई करते थे। पुलिस का दावा है कि जल्द ही पूरे गिरोह का खुलासा किया जाएगा।

बिक्रम बाजार की सुरक्षा को लेकर पुलिस-व्यवसायियों की बैठक, निर्भीक होकर व्यापार करने का आश्वासन

निज संवाददाता। बिक्रम

बाजार की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से मंगलवार को बिक्रम थाना परिसर में पुलिस और दुकानदारों के बीच सीधी संवाद बैठक आयोजित की गई। बैठक में एसडीपीओ पंकज कुमार शर्मा ने व्यवसायियों को भरोसा दिलाया कि वे बिना किसी भय के अपना व्यापार करें, पुलिस उनकी सुरक्षा के लिए पूरी तरह तत्पर है।

एसडीपीओ शर्मा ने दुकानदारों से अपील की कि किसी भी आपराधिक घटना या असामाजिक गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। वहीं थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि नशेड़ियों और अपराधी तत्वों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी और कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को किसी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

बैठक के दौरान बिक्रम व्यवसायिक एकता संघ के सदस्यों ने बाजार क्षेत्र में क्यूआरटी (क्विक रिस्पॉन्स टीम) की तैनाती और शाम के समय नियमित पुलिस गश्त की मांग रखी। इस पर थाना प्रभारी ने सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए बाजार में सीसीटीवी कैमरे लगाने, दुकानदारों के साथ नियमित मासिक बैठकें आयोजित करने समेत अन्य उपायों पर विस्तार से चर्चा की।

थाना प्रभारी ने दुकानदारों से आपसी सहयोग बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि पुलिस और व्यवसायियों के समन्वय से ही बाजार में शांति और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है। इस बैठक में दशरथ वर्मा, गोपाल सोनी, चंद्रशेखर स्वर्णकार, मनजीत कुमार, चंदन कुमार, मोंटी कुमार, अनिल सिंह, अभिजीत, गुड्डू गुप्ता, श्रीराम पप्पू, ओम प्रकाश सोनी, रवि कुमार, विनय सोनी, सुनील गुप्ता, विजय कुमार, जितेंद्र कुमार सहित कई अन्य दुकानदार मौजूद रहे।

पंचायत समिति की बैठक आयोजित, सदस्यों ने बैठक में रखे समस्या

निज संवाददाता। बखरी बेगूसराय

बखरी प्रखंड पंचायत समिति की बैठक पंचायत समिति सभागार में प्रखंड प्रमुख शिवचंद्र पासवान की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सदस्यों द्वारा दिए गए प्रस्तावों पर गंभीरता से विचार करते हुए सभी विभागों में सुधार और लापरवाह पदाधिकारियों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया गया।विधायक प्रतिनिधि के रूप मे पंकज पासवान ने रिक्त पदों पर जल्द बहाली, पीएससी बखरी में बेहतर इलाज व्यवस्था, सरकारी स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, लेबर इंस्पेक्टर कार्यालय खोलने और मजदूरों के लिए लेबर कार्ड शिविर लगाने की मांग की। उप प्रमुख रूबी देवी ने विभागीय कार्यशैली पर नाराजगी जताई।मुखिया योगेंद्र राय ने शिक्षक बहाली में गड़बड़ी की जांच की मांग की। पंचायत समिति सदस्य रीना देवी ने नीलगाय से फसल क्षति का मुद्दा उठाया। मुखिया जनार्दन यादव ने नल-जल योजना की विफलता बताई। मुखिया नंदकिशोर तांती ने जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र में अवैध वसूली की शिकायत की। सदस्य विद्यानंद ठाकुर ने अंचल कार्यालय में गड़बड़ी का आरोप लगाया। इधर प्रखंड प्रमुख और बीडीओ कुमार मुकेश ने सभी समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। बैठक में कई मुखिया और पंचायत समिति सदस्य उपस्थित थे।

दो दिवसीय विकसित भारत @2047 चित्र प्रदर्शनी का माननीय मंत्री संजय कुमार सिंह ने किया उद्घाटन

निज संवाददाता। भगवानपुर(हाजीपुर)

विकसित भारत @2047 विषय पर केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा दो दिवसीय फोटो प्रदर्शनी का आयोजन डॉ सी वी रमन विश्वविद्यालय में किया गया। प्रदर्शनी का विधिवत उद्घाटन माननीय मंत्री लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग श्री संजय कुमार सिंह ने दीप प्रज्वलन कर के किया।चित्र प्रदर्शनी में भारत सरकार के द्वारा चलाए जा रहे जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई है। इस अवसर पर माननीय मंत्री लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग श्री संजय कुमार सिंह ने कहा कि भारत आज अपने स्वर्णिम अमृत काल में प्रवेश कर चुका है आजादी के 100 वर्ष पूर्ण होने पर वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प ही विकसित भारत@2047 का मूल मंत्र है। यह केवल आर्थिक प्रगति का लक्ष्य नहीं है बल्कि समावेशी न्यायपूर्ण आत्मनिर्भर और सतत विकास की एक समग्र राष्ट्रीय दृष्टि है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते एक दशक में भारत ने संरचनात्मक सुधरो बुनियादी ढांचे के विस्तार डिजिटल परिवर्तन तथा सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में भूतपूर्व दिशा हासिल की हैं। बिहार में राष्ट्रीय मखाना बोर्ड की स्थापना राज्य के लिए एक ऐतिहासिक कदम है। मखाना के उत्पादन,प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और निर्यात को बढ़ावा दिया जा रहा है। किसान उत्पादक संगठन के माध्यम से किसानों को संगठित कर उन्हें बाजार से जोड़ने की दिशा में ठोस पहल की गई है। यह पल बिहार को वैश्विक सुपर फूड मानचित्र पर स्थापित करने का एक मजबूत आधार प्रदान करती है।

वही प्रति कुलपति डॉ बसंत सिंह ने कहा कि युवाओं की भागीदारी विकसित राष्ट्र के निर्माण में अहम है।देश के युवा हर क्षेत्र में अपनी सजगता से देश का नाम रोशन कर रहे हैं। सीबीसी के सर्वजीत सिंह ने कार्यक्रम के बारे में बताते हुए कहा कि विकसित भारत@ चित्र प्रदर्शनी कार्यक्रम के माध्यम से भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। जिससे लोगों को सही और सटीक जानकारी उपलब्ध हो रही है।विकसित भारत@2047 की अवधारणा पर यह प्रदर्शनी आधारित है। कार्यक्रम के दौरान जादू का शो और पंजीकृत सांस्कृतिक दल के द्वारा गीत एवं नाटक के कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई।वहीं छात्रों के बीच प्रश्न प्रतियोगिता का आयोजन किया गया सही जवाब देने वाले प्रतिभागियों को मंच से पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर पीआईबी के उत्पल कांत सीबीसी के अशोक कुमार,ऐश्वर्य कुमार सहित विश्वविद्यालय के धर्मेंद्र सिंह,डॉ. अमरीश कुमार सिंह(डीन छात्र कल्याण) आदि मौजूद रहे।

पटना नगर निगम की रिकॉर्ड वसूली, 1 अप्रैल से अब तक 63 करोड़ से अधिक का टैक्स कलेक्शन

निज संवाददाता। पटना

पटना नगर निगम ने वित्तीय वर्ष 2025–26 के तहत प्रॉपर्टी टैक्स और सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट शुल्क के मद में अब तक 63 करोड़ रुपए से अधिक की वसूली कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। निगम के इतिहास में इसे एक बड़ी कामयाबी के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि सभी सर्किलों से एकसाथ इतना बड़ा राजस्व संग्रह दर्ज किया गया है। नगर निगम से मिली जानकारी के अनुसार 1 अप्रैल 2025 से अब तक अजीमाबाद, बांकीपुर, कंकड़बाग, नूतन राजधानी, पाटलिपुत्र और पटना सिटी अंचलों से यह वसूली की गई है। इस अवधि में ऑफलाइन माध्यम से करीब 29.43 करोड़ रुपए, जबकि ऑनलाइन माध्यम से लगभग 33.88 करोड़ रुपए का टैक्स कलेक्शन हुआ है। ऑनलाइन भुगतान में लगातार हो रही बढ़ोतरी को निगम डिजिटल व्यवस्था की सफलता मान रहा है।

दिसंबर में OTS योजना से मिली बड़ी सफलताः प्रॉपर्टी टैक्स के लंबित बकाया की वसूली के लिए लागू की गई वन टाइम सेटलमेंट (OTS) योजना से भी निगम को अच्छी आय हुई है। वित्तीय वर्ष 2025 के दौरान 9 दिसंबर से 29 दिसंबर 2025 तक चली इस योजना के तहत 5.92 करोड़ रुपए से अधिक का राजस्व संग्रह किया गया। OTS योजना के अंतर्गत कुल 16,220 होल्डिंग्स से टैक्स भुगतान प्राप्त हुआ। इनमें से 9,267 होल्डिंग्स की ओर से ऑनलाइन भुगतान किया गया। आंकड़ों के अनुसार OTS स्कीम के तहत कुल 31.89 करोड़ रुपए की वसूली ऑफलाइन माध्यम से, जबकि 27.45 करोड़ रुपए की वसूली ऑनलाइन माध्यम से की गई है।

1.77 लाख से अधिक होल्डिंग्स ने किया टैक्स भुगतानः नगर निगम के मुताबिक प्रॉपर्टी टैक्स के तहत इस अवधि में कुल 1,77,503 होल्डिंग्स से टैक्स वसूला गया है।

पूर्व मध्य रेल

निविदा सूचना

सं. डी.एन.आर./एस. एण्ड टी./सिंग/2025/29 दानापुर, दि. 27.12.2025.

भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से मंडल रेल प्रबंधक (सिगनल एवं दूर संचार) पूर्व मध्य रेलवे, दानापुर मंडल, निम्नलिखित कार्य हेतु रेलवे के वेबसाइट पर निविदाएं आमंत्रित करते हैं :–

1. कार्य का नाम एवं स्थान : दानापुर डिवीजन के तहत JAJ-DDU सेक्शन में नए पुल के निर्माण और पुल के डायवर्जन के साथ–साथ ट्रैक नवीनीकरण कार्य से संबंधित S&T कार्य। 2. अनुमानित लागत : ₹34672747.48, 3. बयाना राशि : ₹323400.00, 4. निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय : दिनांक 20.01.2026 को 15.00 बजे तक। 5. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 20.01.2026 को 15.30 बजे। 6. वेबसाइट विवरण : www.ireps.gov.in. 7. कार्यालय का पता जहाँ से निविदा सम्बन्धी विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है : वरीय मंडल संकेत एवं दूर संचार अभियंता कार्यालय, दानापुर।

नोट : विवाद की स्थिति में अंग्रेजी नोटिस मान्य होगा। यदि जरूरत हुई तो शुद्धि पत्र उपरोक्त वेब साईट पर 14 दिन पहले अपलोड कर दिया जाएगा।

मंडल संकेत एवं दूर संचार अभि./ पूमरे/दानापुर

पीआर/1536/डीएनआर/सि./टी/24–25/36

पूर्व रेलवे

निविदा सं.: एसडीएसटीई–रिहैब–एएसटीई–केडब्ल्यूएई–26, दिनांकः 29.12.2025, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, नई डीआरएम बिल्डिंग, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा–711101 द्वारा निविदा सं. एसडीएसटीई–रिहैब–एएसटीई–केडब्ल्यूएई–26 के प्रतिपक्ष निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। बोलीदाता केवल अंतिम तिथि और समय तक अपनी मूल/संशोधित बोली जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है एवं मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। **कार्य का नामः** हावड़ा मंडल के एएसटीई–कटवा के कार्यक्षेत्र में सिग्नलिंग परिसंपत्तियों की विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए सिग्नलिंग गियरों का पुनर्वास एवं सुधार। **बोली प्रणाली** : एकल पैकेट। **विज्ञापित मूल्यः** रु. 1,99,56,989.15, **बयाना राशि/बोली प्रतिभूतिः** रु.2,49,800/– **निविदा कागजात का मूल्यः** रु. 0.00, **समापन अवधिः** 12 माह। **प्रस्ताव की वैधता :** 60 दिन। **बोली प्रारंभ होने की तिथिः** 06.01.2026, **निविदा की अंतिम तिथि और समयः** 20.01.2026 को 15.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट **www. ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

HWH-491/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

संक्षिप्त समाचार

काराकाट में अवैध महुआ शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाईः 65 लीटर शराब बरामद, 5 हजार लीटर नष्ट, 2 तस्कर गिरफ्तार

काराकाट (रोहतास)। रोहतास जिले के काराकाट थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ जोरदार छापेमारी की। गुप्त सूचना पर बेलवाई गांव में दबिश देकर 63 लीटर महुआ शराब बरामद की गई, जबकि तस्कर भागने में सफल रहा। थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि मौके पर बड़े स्तर पर महुआ शराब की तैयारी चल रही थी, जहां करीब 5,000 लीटर महुआ पास को नष्ट कर दिया गया। दूसरी कार्रवाई में रघुनाथपुर बाल गांव से दो शराब तस्कर दूधेसर पासी के पुत्र रामजी पासी और स्व. महेंद्र राम के पुत्र भभीछन राम को 2 लीटर महुआ शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। दोनों को पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि इलाके में अवैध शराब की तस्करी पर लगाम लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

रोहतास में शादी के नाम पर फर्जीवाड़ा करने वाले दो महिलाओं का पुलिस ने किया गिरफ्तार

रोहतास। रोहतास जिले के नौहट्टा थाना क्षेत्र में शादी के नाम पर फर्जीवाड़ा कर लाखों रुपये की ठगी करने वाले गिरोह का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। इस मामले में पुलिस ने दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है। नौहट्टा थाना कांड संख्या 277/25, दिनांक 28 दिसंबर 2025 को बीएनएस की धारा 303(2), 316(2), 318(4) और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि दो महिलाएं शादी कराने का झांसा देकर राज्य से बाहर के एक पुरुष की फर्जी शादी करवा चुकी हैं और शादी के नाम पर करीब तीन लाख रुपये लेकर फरार हो गई हैं। जांच में यह भी सामने आया कि इसी तरह की घटनाएं पहले सासाराम नगर और नोखा थाना क्षेत्र में भी हो चुकी हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने विशेष टीम का गठन किया, जिसमें नौहट्टा, नोखा और धर्मपुरा थाना के थानाध्यक्ष शामिल थे। गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए धर्मपुरा थाना क्षेत्र के सिसरित गांव से सरोज देवी को उनके घर से हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान सरोज देवी ने पूरे गिरोह का खुलासा किया। उसने बताया कि इस गिरोह में अंजली कुमारी समेत कुछ अन्य लोग भी शामिल हैं। यह गिरोह खास तौर पर उन पुरुषों को निशाना बनाता था, जिनकी उम्र अधिक हो चुकी है और जिनकी शादी नहीं हो पा रही है। ऐसे पुरुषों से गिरोह की सदस्य अंजली कुमारी की फर्जी शादी करवाई जाती थी और शादी के नाम पर मोटी रकम वसूलने के बाद किसी बहाने से फरार हो जाते थे। सरोज देवी की निशानदेही पर पुलिस ने करवंदिया थाना क्षेत्र से अंजली कुमारी को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने इनके पास से 10 हजार 800 रुपये नकद और दो एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद किए हैं। जांच में यह भी सामने आया कि गिरफ्तार महिलाएं पहले भी इसी तरह के कई मामलों में संलिप्त रही हैं। इनके खिलाफ सासाराम नगर, नोखा और नौहट्टा थानों में पहले से कई मामले दर्ज हैं। पुलिस ने बताया कि गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि इस तरह के ठगी करने वाले गिरोहों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और पूरे नेटवर्क को तोड़ने के लिए जांच को और आगे बढ़ाया जा रहा है।

तराढ़ गांव के पोखरे से मिला वृद्ध का शव,पुलिस जांच में जुटी

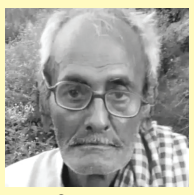
बबन सिंह, मृतक (फाइल-फोटो)

नोखा, रोहतास। रोहतास जिले के नोखा थाना क्षेत्र के तराढ़ गांव के पास मंगलवार को एक वृद्ध व्यक्ति का शव पोखरे से बरामद किया गया। मृतक की पहचान पेनार गांव निवासी बबन सिंह के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि बबन सिंह लगभग एक सप्ताह से लापता थे और परिजन उनकी तलाश कर रहे थे। स्थानीय ग्रामीणों ने पोखरे में शव तैरते हुए देखा और इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी। 112 नंबर की टीम और नोखा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से शव को पोखरे से बाहर निकाला। नोखा थाना प्रभारी दिनेश कुमार मालकार ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की गई और पोस्टमॉर्टम के लिए सासाराम सदर अस्पताल भेज दिया गया है। प्रारंभिक जांच में यह मामला पानी में डूबने का प्रतीत होता है, लेकिन मौत के असली कारण पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होंगे। पुलिस सभी संभावित पहलुओं की गंभीरता से जांच कर रही है और परिजनों एवं स्थानीय लोगों से पूछताछ की जा रही है।

अमरपुर मठ में धनुर्मास पर गोदा-रंगमन्नार विवाहोत्सव संपन्न, साधु-संतों को वस्त्र भेंट कर किया सम्मान

नोखा , रोहतास। राजपुर क्षेत्र के अमरपुर गांव स्थित भगवान जगन्नाथ जी मठ में धनुर्मास के पावन अवसर पर गोदा-रंगमन्नार विवाहोत्सव का आयोजन विधि-विधानपूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर मठ में उपस्थित साधु-संतों को अंगवस्त्र और गर्म वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। समाजसेवियों ने बढ़ती ठंड को देखते हुए यह पहल की, जो साधु-संतों के प्रति सम्मान और सेवा भावना का प्रतीक मानी गई। सेवानिवृत्त शिक्षक एवं समाजसेवी श्यामजी तिवारी, संतोष सोनी और बडन दुबे ने बताया कि धनुर्मास की शुरुआत 15 दिसंबर को हुई थी और विवाहोत्सव 14 जनवरी को समापन समारोह के साथ पूरा हुआ। उत्सव के दौरान प्रतिदिन प्रातःकाल श्रद्धालुओं के बीच पोंगल प्रसाद का वितरण किया गया। धार्मिक अनुष्ठानों, भजन-कीर्तन और पूजा-अर्चना से मठ परिसर भक्तिमय बना रहा। समाजसेवियों के अनुसार, गोदा देवी को माता लक्ष्मी का अवतार और भगवान रंगनाथ को भगवान विष्णु का स्वरूप माना जाता है। विवाहोत्सव गोदा देवी के भगवान को पति रूप में पाने और भगवान विष्णु द्वारा उनसे विवाह करने के व्रत की पूर्ति का प्रतीक है। इस अवसर पर डिहरी ऑन सोन मठ के संत त्रिदंडी रंगनाथाचार्य, पवना पवार के साधु विजय सिंह जी, संत बिलास उर्फ बंगाली डॉक्टर, बीरेन्द्र जी, मदनमोहन तिवारी, शनि वर्मा सहित अनेक साधु-संत, समाजसेवी और श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन से क्षेत्र में धार्मिक और सामाजिक समरसता का संदेश मिला।

सासाराम में जाम से निजात की पहल तेज

सड़क किनारे की सब्जी मंडियां व ठेले वेंडिंग जोन में शिफ्ट

निज संवाददाता। सासाराम

शहर में लंबे समय से चली आ रही सड़क जाम की समस्या के स्थायी समाधान को लेकर जिला प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी है। इसी क्रम में मंगलवार को नगर निगम और जिला प्रशासन की संयुक्त टीम ने सड़क किनारे अव्यवस्थित रूप से लगने वाली सब्जी मंडियों, ठेला और खोमचा गाड़ियों को पुराने बस स्टैंड परिसर में स्थानांतरित कराया। यह अभियान सदर एसडीएम नेहा कुमारी और डीएसपी दिलीप कुमार के नेतृत्व में चलाया गया। भारी संख्या में पुलिस बल की मौजूदगी में पुरानी जीटी रोड और रौजा रोड पर करीब तीन घंटे तक कार्रवाई की गई। प्रशासनिक टीम को देखते ही दुकानदारों ने अपने-अपने ठेले और खोमचे हटाने शुरू कर दिए, जिससे कुछ समय के लिए इलाके में हलचल बनी रही।

सड़कें हुईं खुली, बदला नजाराः प्रशासन की सख्ती के बाद सभी फुटपाथी दुकानदार वेंडिंग जोन में शिफ्ट हो गए। इसके बाद सड़कों पर यातायात सुचारू हुआ और सड़कें पहले की तुलना में कहीं अधिक चौड़ी नजर आने लगीं। स्थानीय लोगों ने भी राहत महसूस की।

पुराना बस स्टैंड बना वेंडिंग जोनः नगर आयुक्त विकास कुमार ने बताया कि सासाराम में जाम की सबसे बड़ी वजह सड़क किनारे अव्यवस्थित ढंग से लगने वाली सब्जी मंडियां और ठेला गाड़ियां हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए पुराने बस स्टैंड परिसर को व्यवस्थित वेंडिंग जोन के रूप में विकसित किया गया है, जहां सभी विक्रेताओं को पर्याप्त स्थान उपलब्ध कराया जा रहा है।

रौजा रोड किया गया वन-वेः भीषण जाम की समस्या से जूझ रहे रौजा रोड को प्रशासन ने वन-वे कर दिया है। नगर आयुक्त ने बताया कि वन-वे व्यवस्था लागू कर यातायात को सुचारू बनाने का प्रयास किया जा रहा है। ट्रैफिक पुलिस और नगर निगम की टीम लगातार निगरानी कर रही है और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना समेत कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सहयोग की अपीलः प्रशासन ने दुकानदारों और ठेला चालकों से अपील की है कि वे स्वेच्छा से निर्धारित वेंडिंग जोन में शिफ्ट हो जाएं, ताकि सख्ती की जरूरत न पड़े।

गायन में ऐश्वर्या, मेहंदी में प्रिय व चित्रकला में प्रथम विजेता बनी

सर्द रात में भी पंडाल में दिखा दर्शकों की खचाखच भीड़

निज संवाददाता। डेहरी। रोहतास

डालमियानगर स्थित मॉडल स्कूल में चल रहे 32 वां अखिल भारतीय बहुभाषीय नाटक प्रतियोगिता के चौथे दिन 11 नाटकों का मंचन किया गया। वहीं गायन, चित्रकला, मेहंदी प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। सर्द रात में भी नाट्य ग्राम में दर्शकों की भारी भीड़ दिखी।दो दिन पूर्व नाट्य ग्राम परिसर में हुए गायन, चित्रकला, मेहंदी प्रतियोगिता में शामिल विजेताओं को मंच से पुरस्कृत किया गया। अपने संबोधन में संस्था के अध्यक्ष ने बताया कि साहित्य, संगीत व कला के बिना स्वच्छ देश समाज की कल्पना नहीं की जा सकती। मेहंदी प्रतियोगिता में प्रिया प्रजापति प्रथम, गायन प्रतियोगिता सीनियर वर्ग में ऐश्वर्या कुमारी प्रथम विजेता बनी। चित्रकला जूनियर वर्ग में आरना सिंह प्रथम विजेता बनी। वहीं चित्रकला सीनियर वर्ग में प्रथम स्थान आशी कुमारी को प्राप्त हुआ। विजेता प्रतिभागियों को अध्यक्ष कमलेश कुमार, संरक्षक सीमल सिंह, खुश अध्यक्ष शिवजी गुप्ता उपाध्यक्ष ओम जी यादव, संजय यादव, इंद्र कुमार बाघा, मनोज कुमार, संस्थापक सदस्य रमेश चंद्र गुप्ता, रामकृष्ण शर्मा, जीवन प्रकाश, स्वयं प्रकाश मिश्रा, आशुतोष श्रीवास्तव, विनय कुशवाहा, विशाल सिंह, अभिषेक शर्मा समेत अन्य के द्वारा विजेता प्रतिभागियों को प्रतीक चिन्ह व प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया।

छात्र छात्राओं को सम्मानित को लेकर सीनियर सिटीजन ने की बैठक, लिए गए कई निर्णय

निज संवाददाता। कोचस (रोहतास)

नगर पंचायत के डाकबांग्ला परिसर स्थित सोमवार को बिहार पेंशनर समाज कार्यालय में बिहार पेंशनर समाज एवं कार्यरत शिक्षकों की संयुक्त बैठक आहुति की गई। बैठक की अध्यक्षता रामेश्वर सिंह एवं संचालन हीरालाल राम ने किया। बैठक में सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया कि इस क्षेत्र के इंटरमीडिएट एवं मैट्रिक बोर्ड परीक्षा में टॉपर छात्र छात्राओं को पुरस्कृत करने का निर्णय लिया गया। साथ हीं पुस्तकालय में पुस्तकों की संख्या बढ़ाने एवं इस क्षेत्र के युवाओं को शिक्षण से सम्बंधित अन्य सुविधा प्रदान करने को लेकर जनप्रतिनिधि एवं प्रशासन से भी बात करने पर सहमति बनी।

ताकि पुस्तकालय एवं वचनालय का विकास किया जा सकें। बैठक में बबन प्रसाद सिंह,डॉ बबन सिंह, बीरेंद्र सिंह,समाजसेवी रामकुमार राय ,रासबिहारी सिंह, कपिल सिंह संतोष राय, मंजयलाल, केदार शर्मा, कृष्ण बिहारी सिंह समेत अन्य लोग शामिल थे।

अवैध शराब की बिक्री, भंडारण एवं सेवन पर कड़ी नजर रखी जाए : जिलाधिकारी

निज संवाददाता। सासाराम / रोहतास

जिलाधिकारी, रोहतास ने जिले में नववर्ष (01 जनवरी) के अवसर पर शांति, सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से सभी अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी एवं प्रखंड विकास पदाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी महोदया ने निर्देश दिया कि नववर्ष के दिन जिले के सभी प्रमुख पिकनिक स्थलों, पर्यटन स्थलों, जलप्रपातों, पार्कों एवं भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों पर पर्याप्त संख्या में दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित की जाए। विशेषकर दुर्गावती डैम, इंद्रपुरी डैम, मां तुतला भवानी धाम, मां ताराचण्डी धाम, मांझर कुंड, रोहतासगढ़ किला, महादेव खोह, शेरशाह सूरी मकबरा में विशेष निगरानी की बात कही गई। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में लोगों के पिकनिक स्थलों पर पहुंचने की संभावना रहती है, ऐसे में सतत निगरानी अत्यंत आवश्यक है।

जिलाधिकारी महोदया ने सभी पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि पिकनिक स्थलों पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया जाए। वाहनों की सघन जांच, संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर, भीड़ नियंत्रण तथा यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित रखने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या हुड़दंग की स्थिति में तत्काल सख्त कार्रवाई की जाए।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जिलाधिकारी ने पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती व नियमित गश्ती के माध्यम से सतत निगरानी रखने पर विशेष बल दिया। बैठक में राज्य में लागू पूर्ण शराबबंदी कानून को लेकर भी विशेष चर्चा की गई। जिलाधिकारी महोदया ने सभी पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि अवैध शराब की बिक्री, भंडारण एवं सेवन पर कड़ी नजर रखी जाए। शराबबंदी कानून का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सघन छापेमारी अभियान चलाकर कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहकर स्थिति पर लगातार नजर रखें और समय-समय पर स्थिति की जानकारी वरीय अधिकारियों को उपलब्ध कराएं।

अरणी मंथन के साथ श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ हुआ आरंभ

निज संवाददाता। कोचस (रोहतास)

सूर्यपुरा प्रखंड के अगरेड़ गांव में श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ में मंगलवार को 51 कुंडीय महायज्ञ में अरणी मंथन के साथ पूजा प्रारंभ हुआ। अरणी मंथन के अवसर पर यज्ञशाला में अग्नि देव को वैदिक मंत्रों के साथ प्रकट किया गया। श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ में अरणी मंथन के बाद सभी भक्त श्रद्धालु यज्ञ भगवान की परिक्रमा करते हैं। आज से श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ की परिक्रमा भी लोग सुबह से कर पाएंगे। वहीं दोपहर 12:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक निरंतर अलग-अलग जगह से आए हुए जगतगुरु आचार्य के द्वारा श्रीमद् भागवत कथा श्रीराम कथा भी श्रवण कराया जा रहा है। वहीं झारखंड की धरती से पधारे योग गुरु के द्वारा योग भी सुबह में आरती के बाद सिखाया जा रहा है। जिससे व्यक्ति योग सिख करके अपने आप को फिट रख सकते हैं।

प्रवचन पंडाल में भक्त श्रद्धालु सुबह में मंगल आरती के बाद निरंतर कथा श्रवण कर रहे हैं। जिसमें सूर्यपुरा प्रखंड के आसपास के जितने भी गांव हैं, उन सभी गांव के सभी लोग बहुत श्रद्धा भाव के साथ यज्ञ में कथा का श्रवण एवं बाहर से आने वाले लोगों के सेवा में भी तत्परता दिखा रहे हैं।

वहीं 1 जनवरी 2026 को अगरेड़ गांव में बिहार सहित अलग-अलग राज्यों से भी भक्त श्रद्धालुओं का आगमन होने वाला है। जिसको लेकर के भी सभी प्रकार की तैयारी हो रही है। वहीं भारत के महान मनीषी संत श्री लक्ष्मी प्रपन्न जीयर स्वामी जी महाराज ने प्रवचन करते हुए कहा कि हमें अनेकता में भी एकता रखना चाहिए।

हम भले ही अलग-अलग लोगों के पुत्र भाई बहन या रिश्तेदार हो सकते हैं, लेकिन हमें एकता के साथ आगे बढ़ना चाहिए। क्योंकि हम सभी लोग उन परमात्मा के ही अंश हैं। परमात्मा एक है, हमारा धर्म एक है, हमारा ईश्वर एक है, इसीलिए हम सभी को भी एकता के साथ अपने जीवन को जीना चाहिए।

फेसबुक फेक आईडी से 50 हजार रुपये की ठगी, साइबर शिकायत दर्ज

निज संवाददाता। बिक्रमगंज, रोहतास

बिक्रमगंज थाना क्षेत्र में फेसबुक की फेक आईडी के जरिए 50 हजार रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। सूर्यपुरा थाना क्षेत्र के पंवरा निवासी अंशु कुमार, जो वर्तमान में बिक्रमगंज कॉलेज रोड में रहते हैं, ने मंगलवार को इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कराई।

प्राथमिकी के अनुसार, अंशु कुमार की फेसबुक आईडी पर उनके रिश्तेदार की फेक आईडी से संदेश आया। इसमें कहा गया कि उनका रिश्तेदार अबू धाबी में हैं और उनका वीजा समाप्त हो रहा है। इसलिए उन्हें एजेंट के खाते में 1 लाख 80 हजार रुपये डालने का अनुरोध किया गया।

ठग ने अंशु कुमार को व्हाट्सएप पर खाता नंबर, आईएफएससी कोड और फोनपे नंबर भी भेजा। विश्वास में आकर अंशु कुमार ने 15 दिसंबर को 50 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। बाद में, जब दूसरी बार पैसों की मांग आई, तो उन्हें शंका हुई। जांच-पड़ताल करने पर पता चला कि वे ठगी का शिकार हुए हैं।

पीड़ित ने तुरंत साइबर टोल फ्री नंबर 1930 और एसबीआई के टोल फ्री नंबर पर शिकायत दर्ज कराई और फिर स्थानीय थाना में भी प्राथमिकी दर्ज कराई। थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि मामले की जांच और ठगों की पहचान के लिए आवश्यक कार्रवाई जारी है।

बिजली चोरी रोकने के लिए विभाग ने चलाया सघन अभियान, 4 लोगों पर 1.83 लाख रुपये का जुर्माना

निज संवाददाता। बिक्रमगंज, रोहतास

- मीटर बाईपास के कारण वास्तविक विद्युत खपत का पठन बाधित हो रहा था, जिससे विभाग को राजस्व का गंभीर नुकसान हो रहा था

विद्युत विभाग ने बिक्रमगंज में बिजली चोरी रोकने के लिए मंगलवार को सघन छापेमारी अभियान चलाया। इस कार्रवाई में चार उपभोक्ताओं को बिजली चोरी करते हुए पकड़ा गया। विभाग ने इन सभी पर कुल 1,83,050 रुपये का जुर्माना लगाया और संबंधित थानों में प्राथमिकी दर्ज कराई। सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज, राज कुमार ने बताया कि सरना मठिया निवासी कामेश्वर गिरी पर 47,617 रुपये और रिंकी देवी पर 19,694 रुपये का जुर्माना लगाया गया। वहीं, गंगाजल मठ निवासी रंजन कुमार पर 1,03,878 रुपये और लक्ष्मीपुर निवासी राम प्रवेश चौधरी पर 11,861 रुपये का जुर्माना अधिरोपित किया गया। इन उपभोक्ताओं पर आरोप है कि उन्होंने मीटर से पहले सर्विस तार में कटिंग की, अतिरिक्त तार जोड़ा और मीटर बाईपास करके बिजली का अवैध उपभोग किया। अधिकारियों के अनुसार, मीटर बाईपास के कारण वास्तविक विद्युत खपत का पठन बाधित हो रहा था, जिससे विभाग को राजस्व का गंभीर नुकसान हो रहा था। बिजली चोरी रोकने के लिए विभाग लगातार विशेष अभियान चला रहा है। इस अभियान के तहत उपभोक्ताओं के परिसर में लगे सर्विस तार, मीटर और बिलिंग के समय पर भुगतान की सघन जांच की जाती है। यदि मीटर की सील टूटी हुई हो, टेम्परिंग या बाईपास पाया जाए, तो तत्काल प्राथमिकी दर्ज की जाती है। विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल बिक्रमगंज के अनुसार चालू माह में अब तक 48 लोगों पर बिजली चोरी के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी है और इन सभी पर कुल 14.63 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

नोखा प्रखंड में रबी फसल के लिए खाद की किल्लत, किसान परेशान

निज संवाददाता। रोहतास

नोखा प्रखंड के किसानों को रबी फसल की बुआई के दौरान खाद की भारी किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। समय पर खाद न मिलने के कारण किसान गंभीर परेशानी में हैं और बाजार समिति मैदान स्थित बिस्कोमान केंद्र पर सुबह-सुबह लाइन में लगकर भी कई बार खाली हाथ लौट रहे हैं। कड़ाके की ठंड और शीतलहरी के बावजूद किसान सुबह चार बजे से ही खाद लेने के लिए लाइन में लग जाते हैं। लेकिन दोपहर तक खाद का वितरण समाप्त हो जाता है, जिससे कई किसानों को कोई खाद नहीं मिल पाती। इस स्थिति को लेकर किसानों में गहरा आक्रोश है। किसान सतेंद्र सिंह, बाबू धन सिंह और बृजेश सिंह ने बताया कि सरकारी दर 266 रुपए प्रति बोरी यूरिया के मुकाबले खुले बाजार में इसकी कीमत 450 से 500 रुपए तक पहुँच गई है। वहीं, बिस्कोमान केंद्र पर उन्हें जबरन नैनो यूरिया और सल्फर दिया जा रहा है, जबकि उनकी फसल के लिए इसकी आवश्यकता नहीं है, जिससे लागत और बढ़ रही है। किसानों ने यह भी चिंता जताई कि धान की फसल के लिए खरीदार नहीं मिल रहे हैं और उन्हें उचित समर्थन मूल्य भी नहीं मिल पा रहा है।

जिला कृषि पदाधिकारी ने दिया भरोसाः इस मामले पर जिला कृषि पदाधिकारी प्रभात कुमार ने मंगलवार को बताया कि बिस्कोमान केंद्र में एक-दो दिन के भीतर नई खाद की खेप पहुंच जाएगी और जिले में खाद की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि मिट्टी की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए नैनो यूरिया और सल्फर का उपयोग अनिवार्य है। साथ ही किसानों से अपील की कि खाद की कालाबाजारी की सूचना तुरंत दें, ताकि जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सके।

नालंदा में धान खरीद की धीमी गति पर डीएम नाराज, पदाधिकारियों से स्पष्टीकरण की मांग

बिचौलियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी

निज संवाददाता। नालंदा

जिलाधिकारी कुंदन कुमार ने धान अधिप्राप्ति कार्य की धीमी प्रगति पर गंभीर नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि जिन प्रखंडों में लक्ष्य के अनुपात में प्रगति संतोषजनक नहीं है, वहां के प्रखंड सहकारिता प्रसार पदाधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगा जाए। जिला मुख्यालय पर आयोजित समीक्षा बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने बताया कि नालंदा जिले में चालू खरीफ सीजन 2025-26 के लिए 122085 मीट्रिक टन धान खरीद का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। लेकिन अब तक केवल 3350 किसानों से मात्र 25976 मीट्रिक टन धान ही खरीदा जा सका है, जो कुल लक्ष्य का महज 21 प्रतिशत है।

बिचौलियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनीः डीएम ने धान खरीद में बिचौलियों की भूमिका को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए चेतावनी दी कि ऐसे किसी भी मामले में कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिले के सभी योग्य एवं निबंधित किसानों से सीधे धान क्रय सुनिश्चित किया जाना चाहिए। जिलाधिकारी ने सहकारिता बैंक के प्रबंध निदेशक को निर्देश दिया कि किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि किसानों के साथ किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

46 हजार से अधिक किसान पंजीकृतः जिले में धान अधिप्राप्ति के लिए कुल 46884 किसान पंजीकृत हैं, जिनमें 23035 रैयत और 23809 गैर रैयत किसान शामिल हैं। धान खरीद की अवधि 15 नवंबर 2025 से 28 फरवरी 2026 तक निर्धारित की गई है। इस वर्ष साधारण धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2369 रुपए प्रति क्विंटल और ए ग्रेड धान का 2389 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है। नालंदा जिले में इस सीजन में धान का अनुमानित उत्पादन 752497.22 मीट्रिक टन रहने का आकलन है।

जिले में कुल 214 समितियां एक्टिव हैंः जिले में कुल 270 समितियां हैं, जिनमें 230 पैक्स, 21 नगर पैक्स और 19 व्यापार मंडल शामिल हैं। इनमें से 221 समितियों को धान खरीद के लिए चयनित किया गया है, और वर्तमान में 214 समितियां सक्रिय रूप से कार्य कर रही हैं। डीएम ने रूट ऑप्टिमाइजेशन और पैक्स से मिलों की टैगिंग संबंधी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा उपलब्ध कराई गई फसल क्षति लाभार्थियों की सूची का भी उल्लेख किया। बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी, वरीय उप समाहर्ता अधिप्राप्ति, जिला कृषि पदाधिकारी, डीएमएस एफसी और सभी प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए।

संक्षिप्त समाचार

फतेहपुर में जलजमाव से 7 बीघा धान की फसल बर्बाद, नकूरा खंधा में सालों से पानी निकासी की व्यवस्था नहीं

बिंद, नालंदा। नालंदा जिले के रहुई नगर पंचायत के वार्ड संख्या 8 स्थित फतेहपुर गांव के नकूरा खंधा में वर्षों से जलजमाव की गंभीर समस्या बनी हुई है। उचित जल निकासी के अभाव में इस वर्ष करीब 7 बीघा धान की फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई है, जिसकी कटाई अब तक नहीं हो पाई है। पीड़ित किसानों, जिनमें सत्येंद्र प्रसाद, बंगाली प्रसाद, धुरी पासवान और मनोज पासवान शामिल हैं, ने बताया कि पहले खंधा में पानी की निकासी के लिए पईन (छोटी नहर) बनी हुई थी। हालांकि, कुछ लोगों ने इसमें मिट्टी भरकर अतिक्रमण कर लिया है, जिससे पानी का निकास पूरी तरह बाधित हो गया है और खेतों में जलजमाव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। किसानों के अनुसार धान की फसल पानी में डूबी रहने से खराब हो गई है। इसके अतिरिक्त, गेहूं की बुआई का समय नजदीक होने के बावजूद खेतों से पानी नहीं निकल पाने के कारण अगली फसल की तैयारी भी संभव नहीं हो पा रही है। इससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। किसानों ने प्रशासन से जल्द हस्तक्षेप कर जल निकासी की व्यवस्था बहाल करने की मांग की है। इस संबंध में कार्यपालक पदाधिकारी नवीन कुमार ने बताया कि किसानों की ओर से आवेदन प्राप्त हुआ है, जिसे आवश्यक कार्रवाई के लिए लघु सिंचाई विभाग को भेज दिया गया है।

नूरसराय में कड़ाके की ठंड में राहत कार्य तेज, 245 जरूरतमंदों को कंबल दिए गए, योजनाओं की जानकारी भी दी गई

नूरसराय, नालंदा। नालंदा जिले के नूरसराय प्रखंड में कड़ाके की ठंड और घने कोहरे के कारण जिला प्रशासन ने राहत कार्य तेज कर दिए हैं। इसी क्रम में मंगलवार को जरूरतमंदों के बीच 245 कंबल वितरित किए गए। नूरसराय प्रखंड के अंचलाधिकारी दीपक कुमार ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रखंड क्षेत्र की विभिन्न पंचायतों में गरीब, असहाय और कमजोर वर्ग के लोगों को कंबल उपलब्ध कराए गए। अंचलाधिकारी दीपक कुमार ने स्वयं अंधना, दरुआरा, जगदीशपुर तियारी, नदिऔना, बारा खुर्द और अजयपुर सहित कई पंचायतों में पहुंचकर कंबल बांटे। इन कंबलों का वितरण दिव्यांगों, वृद्धों, विधवाओं, असहायों और गरीब परिवारों के बीच किया गया। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन से कुल 245 कंबल प्राप्त हुए थे। बढ़ती ठंड और घने कोहरे के कारण खासकर गरीब और बुजुर्ग लोगों को काफी परेशानी हो रही है, ऐसे में ठंड से बचाव के लिए कंबल वितरण आवश्यक था। कंबल वितरण के दौरान लाभार्थियों को सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की भी जानकारी दी गई, ताकि वे इनका लाभ उठा सकें। प्रशासन ने यह भी बताया कि जरूरतमंदों की सहायता आगे भी जारी रहेगी।

हिलसा में एसडीओ ने की समीक्षा बैठक, अनुसूचित जाति अत्याचार निवारण के लंबित मामलों पर दिए निर्देश

हिलसा, नालंदा। नालंदा में अनुमंडल पदाधिकारी अमित कुमार पटेल की अध्यक्षता में मंगलवार शाम हिलसा में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। यह बैठक अनुसूचित जाति/जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर बुलाई गई थी। बैठक में सभी थाना प्रभारियों, प्रखंड विकास पदाधिकारियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इस दौरान विभिन्न थाना क्षेत्रों में अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार से जुड़े लंबित मामलों की स्थिति की गहन समीक्षा की गई। एसडीओ ने संबंधित थाना प्रभारियों को निर्देश दिया कि ऐसे मामलों में त्वरित पहल करते हुए शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि पीड़ितों को समय पर न्याय मिल सके। उन्होंने जोर दिया कि अधिनियम का मुख्य उद्देश्य समाज के वंचित वर्गों के अधिकारों और उनकी गरिमा की रक्षा करना है। उन्होंने कहा कि दबे-कुचले और असहाय लोगों की पहचान कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। एसडीओ ने स्पष्ट चेतावनी दी कि अधिकारियों अथवा कर्मियों द्वारा बरती जा रही किसी भी तरह की कोताही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बैठक में त्वरित एवं कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने, पीड़ितों को राहत पहुंचाने तथा मामलों की अनदेखी न होने देने पर भी विस्तार से चर्चा हुई। इस अवसर पर अरुण चौधरी, अधिवक्ता स्वामी सहजानंद सहित सभी बीडीओ, थाना प्रभारी, कल्याण पदाधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

नई ईयर पर राजगीर में जू-नेचर सफारी बंद रहेगा, भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा कारणों से वन विभाग ने लिया फैसला

नालंदा। न्यू ईयर पर राजगीर आने वाले पर्यटकों को निराशा का सामना करना पड़ेगा। वन विभाग ने प्रशासनिक और सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए एक जनवरी को जू सफारी और नेचर सफारी को पूरी तरह बंद रखने का निर्णय लिया है। यह निर्णय ऐसे समय में लिया गया है जब हजारों पर्यटक जश्न मनाने के लिए इस ऐतिहासिक नगरी की ओर रुख कर रहे हैं। वन विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि न्यू ईयर पर इन पर्यटन स्थलों पर असामान्य रूप से भारी भीड़ एकत्र होने की प्रबल संभावना रहती है। पिछले वर्षों के अनुभव को देखते हुए यह कदम भीड़ नियंत्रण और पर्यटकों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर उठाया गया है। अधिकारियों का मानना है कि सीमित क्षमता वाले इन स्थलों पर अनियंत्रित भीड़ से दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। हालांकि, राजगीर के अन्य प्रमुख पर्यटन स्थल सामान्य रूप से खुले रहेंगे। पर्यटक विश्व प्रसिद्ध विश्व शांति स्तूप, ऐतिहासिक वेणु वन, पांडु पोखर, राजगीर कुंड और यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल नालंदा के प्राचीन खंडहरों का भ्रमण कर सकेंगे। ये स्थल बौद्ध धर्म और भारतीय इतिहास से जुड़े होने के कारण घरेलू और विदेशी पर्यटकों के बीच समान रूप से लोकप्रिय हैं। राजगीर बिहार के प्रमुख पर्यटन केंद्रों में से एक है और विशेषकर सर्दियों के महीनों में यहां पर्यटकों का तांता लगा रहता है। नव वर्ष के अवसर पर यहां आने वाले पर्यटकों को सलाह दी गई है कि वे अन्य उपलब्ध पर्यटन स्थलों की यात्रा की योजना बनाएं और स्थानीय प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करें। दो जनवरी से जू सफारी और नेचर सफारी सामान्य समय पर खुल जाएंगे।

घर लौट रहे दो युवकों की बाइक दुर्घटनाग्रस्त, एक की मौत, दूसरा घायल

निज संवाददाता। बाराचट्टी, गयाजी

धनगाई थाना क्षेत्र के पड़रिया गांव के दो युवक सोमवार शाम घर लौटते समय सड़क हादसे का शिकार हो गए। चौपारण थाना क्षेत्र के हथियाबाबा के पास नेशनल हाईवे-2 पर उनकी बाइक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस भीषण हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान पड़रिया गांव निवासी संजय चंद्रवंशी के 30 वर्षीय पुत्र सुमित कुमार के रूप में की गई है। वहीं, हादसे में घायल 18 वर्षीय आर्यन कुमार, जो स्वर्गीय उपेंद्र चंद्रवंशी के पुत्र हैं, का पैर टूट गया है। गंभीर हालत में आर्यन को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बाराचट्टी में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। बताया गया कि दोनों युवक चौपारण से अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान हथियाबाबा के समीप उनकी बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसा इतना जबरदस्त था कि सुमित कुमार ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि आर्यन गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। भाजपा मंडल अध्यक्ष अजय चंद्रवंशी ने मंगलवार को घटना की जानकारी देते हुए बताया कि दोनों युवक उनके ही गांव के भतीजे थे। उन्होंने बताया कि हादसे की खबर मिलते ही गांव में मातम पसर गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इधर, मृतक का शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना को लेकर चौपारण थाना में लिखित आवेदन देने की प्रक्रिया चल रही है। चौपारण थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि यह हादसा सोमवार शाम हथियाबाबा के पास हुआ, जब चौपारण की ओर से बिहार की तरफ जा रहे बाइक सवार युवक दुर्घटनाग्रस्त हो गए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है, हालांकि अब तक परिजनों की ओर से कोई लिखित आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है।

डीईओ की कार्यशैली के खिलाफ शिक्षकों का सांकेतिक हड़ताल, प्रोन्नति में देरी से आक्रोश

निज संवाददाता। गयाजी

बिहार राज्य प्रारंभिक शिक्षा शिक्षक संघ की जिला इकाई ने मंगलवार को एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल कर जिला शिक्षा पदाधिकारी की कार्यशैली और रवैये के खिलाफ जोरदार विरोध दर्ज कराया। हड़ताल के दौरान शिक्षकों ने अपनी लंबित मांगों, खासकर प्रोन्नति प्रक्रिया में हो रही देरी को लेकर नाराजगी जाहिर की। संघ के जिला महासचिव रमेश कुमार ने कहा कि शिक्षकों से जुड़ी कई मांगों को सरकार और न्यायालय पहले ही स्वीकृति दे चुके हैं। इसके बावजूद गया के डीईओ की उदासीनता और टालमटोल की नीति के कारण प्रोन्नति की प्रक्रिया लंबे समय से लंबित पड़ी है। उन्होंने बताया कि शिक्षक बार-बार लिखित और मौखिक रूप से शिकायत करते रहे, लेकिन जिला शिक्षा कार्यालय स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

21-22 साल की सेवा के बाद भी प्रोन्नति अधर मेंः शिक्षकों ने बताया कि कई योग्य शिक्षक 21 से 22 वर्षों की सेवा पूरी कर चुके हैं। शिक्षक नियोजन नियमावली 2020 में स्पष्ट प्रावधान है कि प्रशिक्षण अवधि के बाद 12 साल की सेवा पूरी करने पर स्नातक पद पर प्रोन्नति दी जानी चाहिए। इसके बावजूद सभी आवश्यक कागजात और नियमावली पूरी होने के बाद भी फाइलें जिला शिक्षा कार्यालय में लंबित रखी जा रही हैं। संघ का कहना है कि इस अनावश्यक देरी के कारण सैकड़ों योग्य शिक्षक मानसिक तनाव से गुजर रहे हैं और उनका भविष्य अनिश्चित बना हुआ है। इससे शिक्षा व्यवस्था पर भी नकारात्मक असर पड़ रहा है।

निरंकुश रवैये का आरोप, चरणबद्ध आंदोलन की चेतावनीः शिक्षक संघ ने डीईओ पर शिक्षकों के प्रति असहयोगात्मक और निरंकुश रवैया अपनाने का आरोप लगाया। सांकेतिक हड़ताल के दौरान शिक्षकों ने सरकार समर्थक नारे लगाए और स्पष्ट किया कि उनका विरोध सरकार के खिलाफ नहीं, बल्कि जिला स्तर पर हो रही लापरवाही और मनमानी के विरुद्ध है। संघ के जिला अध्यक्ष शत्रुघ्न प्रसाद और जिला उपाध्यक्ष सुरेश पासवान ने संयुक्त रूप से चेतावनी दी कि यदि समय रहते प्रोन्नति सहित अन्य लंबित मामलों का निष्पादन नहीं किया गया, तो संघ चरणबद्ध आंदोलन शुरू करेगा। इसकी पूरी जिम्मेदारी जिला शिक्षा प्रशासन की होगी।

संघ ने राज्य सरकार से गया जिला शिक्षा कार्यालय की कार्यप्रणाली की जांच कराने और शीघ्र प्रोन्नति प्रक्रिया पूरी कर शिक्षकों को न्याय देने की मांग की है। सांकेतिक हड़ताल शांतिपूर्ण रही, लेकिन इससे शिक्षा विभाग में व्याप्त असंतोष खुलकर सामने आ गया। शिक्षक संघ ने उम्मीद जताई है कि प्रशासन जल्द सकारात्मक कदम उठाएगा, अन्यथा आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

गुरुआ बाजार में जाम की समस्या पर प्रशासन सख्त, एसडीओ की अध्यक्षता में हुई अहम बैठक

निज संवाददाता। गुरुआ, गयाजी

गुरुआ बाजार क्षेत्र में लगातार लग रहे सड़क जाम को लेकर प्रशासन गंभीर हो गया है। इसी कड़ी में मंगलवार को गुरुआ प्रखंड कार्यालय में एसडीओ मनीष कुमार की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें जाम की समस्या के कारणों और उसके स्थायी समाधान पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक से पूर्व एसडीओ ने गुरुआ बाजार का स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आम लोगों, व्यवसायियों और राहगीरों से बातचीत कर जाम की वास्तविक स्थिति और उसके कारणों की जानकारी ली। लोगों ने बताया कि बड़े वाहनों का अनियंत्रित आवागमन, बाजार क्षेत्र में टेंपो और अन्य छोटे वाहनों को मनमाने ढंग से खड़ा करना, सड़क किनारे झुग्गी-झोपड़ी लगाकर सब्जी बेचना तथा सड़क पर कचरा गिराकर अतिक्रमण करना जाम की प्रमुख वजहें हैं।

इन सभी बिंदुओं पर प्रखंड कार्यालय में हुई बैठक में गहन विचार-विमर्श किया गया। एसडीओ मनीष कुमार ने संबंधित विभागों और अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सड़क किनारे अतिक्रमण हटाया जाए, यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित किया जाए और नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए, ताकि बाजार क्षेत्र में जाम की समस्या से आम जनता को स्थायी राहत मिल सके।

बैठक में बीडीओ सद्दाम हुसैन, सीओ मो. अतहर जमील, सांसद प्रतिनिधि उदय कुमार सिंह, मुखिया पति सुरेंद्र कुमार यादव, व्यवसायी मनोज कुमार, मुखिया परमेश्वर चौधरी, राजद प्रखंड अध्यक्ष जुम्मन खां, इंजीनियर पवन कुमार, युवा नेता सतीश कुमार दीपक, उप सरपंच संजय चौधरी सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

डाक चौपाल का आयोजन, ग्रामीणों को बचत योजनाओं, आधार सेवाओं की जानकारी दी गई

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा जिले के परवलपुर प्रखंड स्थित शंकरडीह शाखा डाकघर में मंगलवार दोपहर डाक विभाग ने एक 'डाक चौपाल' का आयोजन किया। इसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण जनता को डाकघर की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और सेवाओं के प्रति जागरूक करना था। इस चौपाल के दौरान डाक विभाग की प्रमुख सेवाओं पर विशेष शिविर लगाया गया। इसमें स्पीड पोस्ट, पार्सल सेवा, आधार केंद्र, खाता खोलो अभियान, सुकन्या समृद्धि योजना और इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक (आईपीपीबी) (इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक) खाता सहित अन्य बचत योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। मौके पर ही कई लोगों को इन सेवाओं का लाभ भी प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में डाक अधीक्षक कुंदन कुमार, डाक निरीक्षक (केंद्रीय) विकास राय, डाक निरीक्षक (दक्षिणी) रामाशीष प्रसाद, पोस्टमास्टर संतोष कुमार और स्थानीय वार्ड पार्षद उपस्थित रहे। डाक चौपाल में कुल 1600 बचत खाते, 58 सुकन्या समृद्धि खाते और 29 आईपीपीबी खाते खोले गए। इसके अतिरिक्त, 15 नए आधार कार्ड बनाए गए, 20 आधार कार्ड अपडेट किए गए और 30 बाल आधार कार्ड भी तैयार किए गए।

डाक अधीक्षक कुंदन कुमार ने बताया कि डाक विभाग ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने जोर दिया कि अब डाकघर केवल पत्र वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बैंकिंग, डिजिटल सेवाओं और सरकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम बन गया है।

राजगीर में नए साल को लेकर पर्यटकों की रिकॉर्ड भीड़

निज संवाददाता। नालंदा

अंतरराष्ट्रीय पर्यटन नगरी राजगीर इन दिनों सैलानियों से खचाखच भरी हुई है। साल 2025 के अंतिम सप्ताह में देश-विदेश से हजारों पर्यटक यहां पहुंच रहे हैं। बिहार के अलावा पश्चिम बंगाल, झारखंड, महाराष्ट्र, पंजाब समेत विभिन्न राज्यों और थाईलैंड, भूटान व म्यांमार से आए सैलानियों ने शहर को पूरी तरह गुलजार कर दिया है। शहर के सभी होटल, लॉज, गेस्ट हाउस और धर्मशालाएं पूरी तरह बुक हैं। होटल संचालकों का कहना है कि लंबे समय बाद इतनी बंपर बुकिंग देखने को मिली है।

शांति स्तूप और रोपवे पर उमड़ी भीड़ः सबसे ज्यादा भीड़ विश्व शांति स्तूप और रोपवे पर देखी जा रही है। पहाड़ की चोटी पर जाने के लिए सैलानियों को लंबी कतारों में घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। शांति स्तूप पहुंचकर पर्यटक मनोरम घाटियों और हरे-भरे पहाड़ों का नजारा देख मंत्रमुग्ध हो रहे हैं।

ग्लास ब्रिज और सफारी बने आकर्षण का केंद्रः बच्चों और युवाओं के लिए ग्लास ब्रिज, नेचर सफारी और जू सफारी मुख्य आकर्षण बने हुए हैं। इन स्थानों पर भी लंबी कतारें लगी हैं। इसके अलावा वेणुवन, सोन भंडार, घोड़ा कटोरा झील, ब्रह्मकुंड और सूर्य कुंड जैसे धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों पर भी श्रद्धालुओं और पर्यटकों का तांता लगा हुआ है।

नालंदा विश्वविद्यालय भी देख रहे सैलानीः कई पर्यटक प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय और खेल अकादमी का भ्रमण भी कर रहे हैं। सुबह से लेकर देर शाम तक इन प्रमुख पर्यटन स्थलों पर मेले जैसा माहौल बना हुआ है।

पुख्ता सुरक्षा इंतजामः भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस विभाग पूरी तरह अलर्ट है। ट्रैफिक जाम से निपटने के लिए प्रमुख मार्गों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। नगर परिषद ने स्वच्छता और पेयजल की विशेष व्यवस्था सुनिश्चित की है। थानाध्यक्ष रमन कुमार ने बताया कि बीएमपी की 3 कम्पनी राजगीर की सुरक्षा में लगी हुई है।इसके अलावा राजगीर थाना की पुलिस टीम भी 24 घंटे मुस्तैद है। पर्यटन विभाग के अधिकारी संजय कुमार ने बताया कि सामान्य दिनों की तुलना में पर्यटकों की संख्या कई गुना बढ़ गई है। नववर्ष के लिए विशेष तैयारियां की जा रही हैं। रोपवे प्रबंधक दीपक कुमार ने भी कहा कि आम दिनों की अपेक्षा नए साल को लेकर भीड़ ज्यादा बढ़ी हुई है। फिलहाल प्रतिदिन 5 हजार से ज्यादा शैलानी रोपवे का लुफ्त उठा रहे हैं। गार्ड की संख्या बढ़ा दी गई है। तो वहीं सीसीटीवी कैमरे से नजर रखी जा रही है।

पर्यटन स्थल पर्यटकों से भरे, रोपवे के लिए पहुंच रहे 5 हजार सैलानी

1.17 लाख विदेशी पर्यटक राजगीर पहुंचेः पर्यटन विभाग के आकडों के अनुसार राजगीर के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर वर्ष 2024 में 24 लाख 52 हजार 766 देशी पर्यटक, जबकि 1 लाख 2 हजार 42 विदेशी पर्यटक राजगीर पहुंचे थे। वहीं सफारी के लिए 7 लाख 20 हजार पर्यटक नेचर और जु सफारी के लिए पहुंचे थे। राजगीर के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर वर्ष 2025 में जनवरी से नबंवर तक 23 लाख 37 हजार 383 देसी पर्यटक, जबकि 1 लाख 17 हजार 872 विदेशी पर्यटक राजगीर पहुंचे। वहीं, सफारी के लिए 7 लाख 15 हजार पर्यटक नेचर और जू सफारी के लिए पहुंचे हैं। राजगीर में पिछले साल 2024 में दिसम्बर महीने 6 लाख 50 हजार 109 देशी एवं विदेशी पर्यटक पहुंचे थे। जबकि जनवरी 2025 में 3 लाख 15 हजार 820 देसी एवं विदेशी पर्यटक विभिन्न पर्यटन स्थलों पर पहुंचे थें।

संक्षिप्त समाचार

न्यू ईयर 2026, बांका का मंदार पर्वत पर्यटकों की पसंद

बांका। नए साल 2026 के स्वागत और साल 2025 की विदाई को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। हर कोई चाहता है कि नए साल की शुरुआत कुछ खास और यादगार हो। ऐसे में अगर आप भीड़-भाड़ और शोरगुल से दूर, प्राकृतिक शांति, धार्मिक आस्था और आधुनिक पर्यटन सुविधाओं के साथ नए साल का जश्न मनाना चाहते हैं, तो बिहार के बांका जिले में स्थित मंदार पर्वत और ओढ़नी डैम आपके लिए बेहतरीन विकल्प साबित हो सकते हैं। ये दोनों स्थल न सिर्फ अपनी खूबसूरती के लिए जाने जाते हैं, बल्कि यहां पिकनिक, घूमने-फिरने और रोमांचक गतिविधियों की भरपूर सुविधाएं भी मौजूद हैं।

आस्था और इतिहास का केंद्र है मंदार पर्वत: बांका जिले का मंदार पर्वत धार्मिक, ऐतिहासिक और पौराणिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। मान्यता है कि देवताओं और दानवों के बीच हुए समुद्र मंथन में मंदार पर्वत को मथानी के रूप में प्रयोग किया गया था। इसी कारण इसे विश्व-सृष्टि का मूक साक्षी भी कहा जाता है। पुराणों और महाभारत में मंदार पर्वत से जुड़ी कई कथाओं का उल्लेख मिलता है, जो इसकी महत्ता को और बढ़ा देती हैं।

पुरातात्विक धरोहरों से समृद्ध स्थल: इतिहासकारों के अनुसार, समुद्र मंथन का उद्देश्य आर्य और अनार्य समाज के बीच सौहार्द स्थापित करना था, जिसमें मंदार पर्वत की अहम भूमिका रही। समुद्र मंथन के दौरान 14 रत्नों के साथ कालकूट विष भी निकला था। आज भी मंदार पर्वत पर कई पुरातात्विक अवशेष मौजूद हैं, जो इसके गौरवशाली अतीत की कहानी बयां करते हैं। लगभग 700 फीट ऊंचा यह पर्वत श्रद्धालुओं के साथ-साथ प्रकृति प्रेमियों को भी आकर्षित करता है।

तीन धर्मों का संगम: एक अन्य पौराणिक कथा के अनुसार, भगवान विष्णु ने एक राक्षस का वध कर उसे मंदार पर्वत के नीचे दबा दिया था। कहा जाता है कि यह युद्ध हजारों वर्षों तक चला था। इन्हीं धार्मिक मान्यताओं के कारण मंदार पर्वत को सनातन, जैन और सफा—तीनों धर्मों का संगम स्थल माना जाता है। नए साल के मौके पर यहां हर साल हजारों श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं।

बौसी मेला और रोपवे बने आकर्षण: मंदार पर्वत क्षेत्र में लगने वाला बौसी मेला बिहार का दूसरा सबसे बड़ा मेला माना जाता है। इसका सीधा संबंध पापहरणी सरोवर और मंदार पर्वत से है। हाल के वर्षों में यहां रोपवे सेवा शुरू होने से पर्यटकों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। रोपवे के जरिए पर्वत की ऊंचाई से प्राकृतिक नजारों का आनंद लेना लोगों के लिए यादगार अनुभव बन रहा है।

रात के अंधेरे में अलाव और व्यवस्था का जायजा लेने डीएम निकले सड़क पर

अररिया। अररिया में पछुवा हवा के साथ तेज सर्द शीतलहर है, जिसके कारण आम जनजीवन काफी प्रभावित है। मौसम के पूर्वानुमान में 2 जनवरी तक मौसम के हालात और अधिक बिगड़ने के आसार हैं। जिला प्रशासन ने सर्द शीतलहर को लेकर नगर निकाय क्षेत्रों के साथ ग्रामीण इलाकों में ठंड से बचाव को लेकर अधिकारियों को निर्देश दिया है। जिसके फलस्वरूप शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में अलाव की व्यवस्था की गई है और लोग अलाव के आग की तपिश से अपने शरीर को गर्म रखने की कवायद में लगे रहते हैं। इसके अलावा जिला प्रशासन के निर्देश पर जरूरतमंदों को कंबल का वितरण भी लगातार किया जा रहा है। जिला प्रशासन के निर्देशों का कितना पालन हो रहा है,इसको लेकर नव पदस्थापित डीएम विनोद दूहन अचानक सोमवार रात को सड़क पर निकल पड़े।डीएम विनोद दूहन ने अररिया एवं फारबिसगंज अनुमंडल क्षेत्र के विभिन्न चौक–चौराहों पर जिला प्रशासन द्वारा की गई अलाव व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया। जिला पदाधिकारी स्वयं रात के अंधेरे में सड़कों पर निकलकर अलाव स्थलों पर पहुंचे और वहां मौजूद लोगों से व्यवस्थाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान उन्होंने फारबिसगंज पटेल चौक, फारबिसगंज जंक्शन, पोस्ट ऑफिस चौक तथा बस स्टैंड रोड, अररिया अनुमंडल अंतर्गत बस स्टैंड, सदर अस्पताल रोड सहित आदि स्थलों पर अलाव व्यवस्था का जायजा लिया।स्थानीय लोगों से प्रतिदिन अलाव जलने की स्थिति पूछी गई।डीएम की इस मानवीय पहल से जरूरतमंदों में राहत और भरोसे का भाव देखा गया। मौके पर डीएम विनोद दूहन ने कहा कि शीतलहर से बचाव के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सजग है। किसी भी जरूरतमंद को सहायता की आवश्यकता होने पर तत्काल प्रशासन को सूचना देने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही नगर परिषद एवं संबंधित विभागों को रात्रि में भी प्रमुख स्थानों पर अलाव की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा बेसहारा लोगों की नियमित निगरानी करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि ठंड के पूरे मौसम में अलाव, कम्बल वितरण सहित सभी राहत कार्य लगातार जारी रहेंगे, ताकि कोई भी व्यक्ति ठंड से प्रभावित न हो।

शीतलहर और मौसम के पूर्वानुमान को लेकर 2 जनवरी तक वर्ग आठ तक के संचालन पर रोक

अररिया। जिले में लगातार बढ़ती ठंड और सर्द शीतलहर के साथ अत्यधिक कम तापमान को देखते हुए जिला प्रशासन ने बच्चों के स्वास्थ्य एवं जीवन सुरक्षा के मद्देनजर बड़ा फैसला लिया है। जिला दंडाधिकारी सह डीएम विनोद दूहन के आदेश के अनुसार जिले के सभी निजी एवं सरकारी विद्यालयों (प्री-स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्रों सहित) में कक्षा 8 तक की शैक्षणिक गतिविधियों पर 30 दिसंबर 2025 से 2 जनवरी 2026 तक पूर्णतः रोक लगा दी गई है।जिला दंडाधिकारी द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत यह आदेश जारी किया गया है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि अत्यधिक ठंड के कारण बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका को देखते हुए यह निर्णय आवश्यक था।जिला प्रशासन की ओर से इससे पूर्व 21 दिसम्बर को भी ठंड के मद्देनजर 24 दिसम्बर तक कक्षा संचालन पर रोक का आदेश दिया था।प्रशासन ने यह भी निर्देश दिया है कि उक्त आदेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए और इसकी सूचना सभी संबंधित विभागों, विद्यालय प्रबंधन, आंगनबाड़ी कर्मियों तथा प्रशासनिक अधिकारियों को दी जाए।आदेश 29 दिसंबर 2025 को जिला दंडाधिकारी के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से निर्गत किया गया है और यह 30 दिसंबर 2025 से 2 जनवरी 2026 तक प्रभावी रहेगा। अपने आदेश में डीएम ने कक्षा आठ से ऊपर क्लास के शैक्षणिक गतिविधियों के लिए पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न तीन बजे तक संचालन का आदेश दिया है।साथ ही आंगनबाड़ी केन्द्रों को बच्चों को गर्म भोजन देने के लिए दोपहर 12 बजे से दो बजे तक खुले रखने का आदेश दिया है। जिला प्रशासन ने अभिभावकों से अपील की है कि वे बच्चों को ठंड से बचाने के लिए विशेष सतर्कता बरतें और आवश्यक सावधानियां अपनाएं।

अब कुत्तों का होगा बर्थ कंट्रोल, 15 से 20 लोगों की टीम करेगी काम

भागलपुर। शहर में आवारा कुत्तों के आतंक से निजात दिलाने की कवायद शुरू हो गयी है। सोमवार को नगर निगम में जयपुर व हिसार से आई दो एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने प्रजेंटेशन दिखाया। उन्होंने अपने संसाधनों का भी जिक्र अफसरों के पास किया है। 1 जनवरी को इसे लेकर बिडिंग होनी है ओर 2 को टेक्निकल बिड खुलेगा। इसके लिए सरकार से रेट तय है 1650 रुपए। लेकिन इससे कम में जो एजेंसी ज्यादा संसाधनों के साथ काम करने को तैयार होगी, उन्हें काम दिया जाएगा। इसमें तीन डॉक्टरों के अलावा 15 से 20 लोगों की टीम और कुत्ता पकड़ने के लिए एक गाड़ी का होना अनिवार्य है। कुत्ते को पकड़ कर रखने के लिए जो जगह तय होगी, उसका खर्च निगम खुद उठाएगा। अगर यह व्यवस्था बन गयी तो सरकारी व निजी अस्पतालों में डॉग बाइट के केस भी कम होंगे, लोगों को राहत भी मिलेगी और सरकार का भी राजस्व बचेगा। लोग हॉस्पिटेलिटी के दौरान होनेवाले खर्च व परेशानी से भी बचेंगे।

दिल्ली पुलिस भर्ती परीक्षा रद्द, छात्रों का हंगामा

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में दिल्ली पुलिस भर्ती परीक्षा देने पहुंचे सैकड़ों अभ्यर्थियों को मंगलवार को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। तय समय पर परीक्षा केंद्र पहुंचने के बाद उन्हें ऑनलाइन एग्जाम सेंटर पर ताला लटका मिला, जिसके बाद अभ्यर्थियों ने जमकर हंगामा किया। दरअसल, पिछले शुक्रवार को ऑनलाइन एग्जाम सेंटर पर फर्जीवाड़े के खुलासे के बाद पुलिस ने एग्जाम सेंटर को सील कर दिया था। मामला हबीबपुर थाना क्षेत्र के लाजपतनगर स्थित ऑनलाइन एग्जाम सेंटर अंग इंस्टीट्यूट से जुड़ा है। जानकारी के मुताबिक, ऑनलाइन एग्जाम सेंटर को सील किए जाने की जानकारी छात्रों को नहीं थी। इसके बाद, आज यानी 30 दिसंबर को बिहार, झारखंड और अन्य राज्यों से सैकड़ों परीक्षार्थी दिल्ली पुलिस की परीक्षा देने के लिए एडमिट कार्ड और निर्धारित शेड्यूल के अनुसार यहां पहुंचे थे।

छात्र बोले- एग्जाम सेंटर बदलने या सील होने की नहीं थी जानकारी: अभ्यर्थियों का आरोप है कि उन्हें परीक्षा रद्द होने, एग्जाम सेंटर के सील होने या फिर एग्जाम के किसी अन्य सेंटर पर ट्रांसफर किए जाने की पहले से कोई सूचना नहीं दी गई थी। छात्रों ने बताया कि जब हम लोग एग्जाम सेंटर के बाहर पहुंचे, तो वहां न कोई अधिकारी मौजूद था और न ही कोई गार्ड। ऑनलाइन एग्जाम सेंटर पूरी तरह बंद था और बाहर केवल एक सूचना चिपकाई गई थी, जिसमें 'टेक्निकल इश्यू' के कारण परीक्षा रद्द होने की बात लिखी थी। इस स्थिति से परीक्षार्थी आक्रोशित हो गए और विरोध प्रदर्शन करने लगे। छात्रों ने बताया कि कई परीक्षार्थी सैकड़ों किलोमीटर दूर से महंगे किराए पर यात्रा कर भागलपुर पहुंचे थे। कुछ ने होटल में ठहरने की व्यवस्था की थी, जबकि कुछ ने रिश्तेदारों के यहां रुकने का इंतजाम किया था। ऐन वक्त पर परीक्षा रद्द होने को उन्होंने सरासर अन्याय बताया। परीक्षार्थियों ने बोर्ड की लापरवाही के खिलाफ नारेबाजी की और इसे अपने भविष्य के साथ खिलवाड़ करार दिया। परीक्षार्थियों ने मांग की कि बोर्ड जल्द से जल्द आधिकारिक बयान जारी करे, परीक्षा की नई तिथि घोषित करे और बाहर से आए छात्रों को हुए आर्थिक नुकसान की भरपाई की व्यवस्था करे।

ऑनलाइन एग्जाम सेंटर को क्यों और कब किया गया था सील: पिछले शुक्रवार को ऑनलाइन एग्जाम के बाद एक छात्र के अपहरण की सूचना पर पड़ताल कर रही पुलिस ने छात्र को बरामद करते हुए एग्जाम सेंटर में फर्जीवाड़े का खुलासा किया था। पुलिस की जांच के दौरान एक संगठित अंतर-राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश हुआ था, जो प्रतियोगी परीक्षाओं में ऑनलाइन फर्जीवाड़ा कर रहा था।

टेंट हाउस गोदाम में लगी आग

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर के सुल्तानगंज नगर परिषद के वार्ड संख्या 19 स्थित सीतारामपुर गांव में सोमवार देर रात एक टेंट हाउस के गोदाम में आग लग गई। इस घटना में गोदाम में रखा करीब 15 से 20 लाख रुपए का सामान जलकर राख हो गया। घटना के बाद टेंट हाउस के मालिक ने गांव के ही पांच लोगों पर आग लगाने का आरोप लगाया है और उनके खिलाफ मामला दर्ज कराया है। टेंट हाउस के मालिक पंकज कुमार साह के मुताबिक, गांव के ही रहने वाले बंटी चौधरी, गोल्डन चौधरी, अभिषेक चौधरी, बद्री यादव और लक्की यादव ने इस घटना को अंजाम दिया है। पहले से आरोपियों से विवाद चल रहा है। उन्होंने मुझे धमकी भी दी थी। साह ने बताया कि पुराने विवाद में ही आरोपियों ने रविवार रात करीब 11 बजकर 30 मिनट पर मेरे गोदाम में पेट्रोल छिड़कर आग लगा दी।

आग से गोदाम में रखा लाखों का सामान जलकर राख: पीड़ित पंकज साह ने बताया कि गोदाम में लगी आग इतनी भीषण थी कि अंदर रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। उन्होंने बताया कि गोदाम में शादी-विवाह में इस्तेमाल होने वाली कुर्सियां, टेबल, सोफा, डीजे फ्लोर, फाइबर की कुर्सियां और कंबल समेत अन्य कीमती सामान रखे हुए थे, जो पूरी तरह जलकर राख हो गए।

दमकल की 3 गाड़ियों ने एक घंटे की मशक्कत के बाद पाया काबू: आग की लपटें देखकर आसपास के ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। घटना की सूचना तुरंत पुलिस और अग्निशमन विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही 3 दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाया गया। हालांकि, तब तक गोदाम का अधिकांश सामान जल चुका था। पीड़ित परिवार इस घटना के बाद सदमे में है। पंकज कुमार साह ने अपनी और परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की। पीड़ित की ओर से शिकायत कर मामला दर्ज कराया गया है।

कुख्यात अपराधी को ताबड़तोड़ मारी 4 गोलियां

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर के घोघा इलाके में मंगलवार सुबह एक ईंट भट्ठा के मालिक ने एक कुख्यात अपराधी को ताबड़तोड़ चार गोलियां मार दी। हमले में घायल कुख्यात अपराधी को पहले मायागंज अस्पताल ले जाया गया, जिसके बाद उसकी हालत गंभीर देखते हुए पटना रेफर कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक, आरोपी के पिता से कुख्यात ने दो दिन पहले ही 2 लाख रुपए की रंगदारी मांगी थी। फिलहाल, घटना के बाद घोघा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल में जुट गई। फिलहाल, फायरिंग का आरोपी फरार बताया जा रहा है, पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। वारदात पन्नूचक गांव की बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, घायल की पहचान 30 साल के टिभा मंडल के रूप में हुई है, जो इलाके का कुख्यात अपराधी है। माना जाता है कि टिभा मंडल नवगछिया इलाके में एक्टिव सुपारी किलर गैंग का सदस्य भी है।

रंगदारी की रकम लेने पहुंचा था ईंट भट्ठा, तभी मारी गई गोली: जानकारी के मुताबिक, टिभा मंडल मंगलवार सुबह करीब 11 बजे ईंट भट्ठा पर रंगदारी की रकम लेने पहुंचा था। इसी दौरान ईंट भट्ठा मालिक विजय यादव से कहासुनी हो गई। इसी दौरान विजय यादव ने ताबड़तोड़ चार गोलियां टिभा मंडल को मार दी। एक गोली टिभा मंडल के पेट को चीरती हुई पीठ से बाहर हो गई, जबकि तीन गोलियां उसके शरीर के अलग-अलग हिस्सों में लगी है। टिभा मंडल दो दिन पहले ईट भट्ठा मालिक विजय यादव के पिता शशि यादव से 2 लाख की रंगदारी मांगी थी। शशि ने अपने रंगदारी मांगे जाने की जानकारी अपने बेटे को दी थी। इसी के बाद वारदात को अंजाम दिया गया है। उधर, वारदात की जानकारी के बाद मौके पर घोघा थाना की पुलिस, कहलगांव डीएसपी समेत अन्य अधिकारी पहुंचे और जांच पड़ताल शुरू कर दी।

थाना अध्यक्ष बोले- आरोपी विजय की तलाश जारी: घोघा थानाध्यक्ष अजीत कुमार ने बताया कि गोली लगने की सूचना पर पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और घायल को अस्पताल भेजा गया। पुलिस आरोपी विजय की तलाश में जुटी है।

घायल के खिलाफ अलग-अलग थानों में 5 से ज्यादा केस दर्ज: घायल टिभा मंडल के खिलाफ भागलपुर के अलग-अलग थानों में फिरौती, हत्या जैसे 5 से ज्यादा केस दर्ज हैं। जानकारी के मुताबिक, टिभा मंडल ने 12 साल पहले अपने चचेरे भाई की गोली मारकर हत्या कर अपराध की दुनिया में कदम रखा था। चचेरे भाई की हत्या के बाद इलाके में दहशत फैलाने के लिए टिभा मंडल ने फिरौती और मर्डर जैसी वारदातों को अंजाम दिया।

मुजफ्फरपुर के अधेड़ की भागलपुर में लटकी मिली लाश

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में मुजफ्फरपुर के युवक का एक बागीचा में फंदे से लटकी लाश मिली है। मृतक की पहचान मुजफ्फरपुर के रहने वाले 50 साल के शिवकुमार राम के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, शिवकुमार राम का काम के सिलसिले में नागालैंड आना जाना लगा रहता था। रविवार को वो घर से नागालैंड जाने की बात कहकर निकला था। एक दिन बाद भागलपुर के झंडापुर थाना क्षेत्र के जमालपुर गांव स्थित मोहम्मद जहांगीर के बगीचे में उसकी पेड़ से लटकी लाश मिली। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि खेत में काम करने गए किसानों ने आम के पेड़ से शव को लटकता हुआ देखा, जिसके बाद गांव के लोगों को इसकी जानकारी दी गई। इसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और एफएसएल टीम को बुलाकर साक्ष्य एकत्र किए गए। मृतक ने हाफ पैंट और इनर पहन रखा है। प्रारंभिक जांच में मामला, आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि जांच पूरी होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

सोशल मीडिया के जरिए हुई मृतक की पहचान: झंडापुर थाना अध्यक्ष प्रशांत कुमार ने बताया कि सुबह सूचना मिली थी कि एक अधेड़ व्यक्ति का शव पेड़ से लटका हुआ है। सूचना के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मौजूदगी में शव को फंदे से नीचे उतारा गया। इसके बाद शव की तस्वीरें लेकर विभिन्न ग्रुपों में साझा की गईं। प्रारंभिक जांच में मृतक की पहचान मुजफ्फरपुर निवासी के रूप में हुई है, जिसका नागालैंड आना-जाना रहता था। आशंका जताई जा रही है कि वह बिहपुर स्टेशन पर उतरा होगा। थाना अध्यक्ष ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है। एफएसएल टीम मौके पर पहुंचकर जांच कर चुकी है। शव को 24 घंटे तक सुरक्षित रखा गया है। परिजनों को सूचना दे दी गई है और उनके पहुंचने का पुलिस इंतजार कर रही है।

उद्यमी संवाद, औद्योगिक विकास पर चर्चा

निज संवाददाता। बांका

बांका जिला समाहरणालय सभागार में जिला पदाधिकारी नवदीप शुक्ला की अध्यक्षता में एक उद्यमी संवाद-सह-उद्यमी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जिले में औद्योगिक वातावरण को सुदृढ़ करना और औद्योगिक विकास को गति देना था। कार्यशाला में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए उद्यमियों ने भाग लिया। उन्होंने प्रशासन के समक्ष अपनी समस्याओं और सुझावों को रखा, ताकि उनका त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

BIIPP की विस्तृत जानकारी उद्यमियों को दी: कार्यशाला की शुरुआत जिला पदाधिकारी के निर्देश पर जिला उद्योग केंद्र, बांका के महाप्रबंधक प्रदीप कुमार ने की। उन्होंने बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन पैकेज (BIIPP) की विस्तृत जानकारी उद्यमियों को दी।

1000 करोड़ रुपए के निवेश पर 25 एकड़ भूमि का प्रावधान: प्रदीप कुमार ने बताया कि 100 करोड़ रुपए का निवेश कर 1000 लोगों को रोजगार देने वाले उद्यमी को उद्योग स्थापना के लिए 10 एकड़ भूमि उपलब्ध कराई जाएगी। वहीं, 1000 करोड़ रुपए के निवेश पर 25 एकड़ भूमि का प्रावधान है।

10 एकड़ भूमि केवल एक रुपए की टोकन राशि पर: उन्होंने यह भी बताया कि फॉर्च्यून 500 कंपनियों को मात्र 200 करोड़ रुपए के निवेश पर 10 एकड़ भूमि केवल एक रुपए की टोकन राशि पर दी जाएगी। बियाडा की भूमि पर स्थापित होने वाले अन्य उद्योगों को 50 प्रतिशत तक की छूट भी प्रदान की जाएगी। वित्तीय प्रोत्साहन के संबंध में उद्यमियों को तीन विकल्प दिए गए हैं, जिनमें से वे किसी एक का चयन कर सकते हैं। पहले विकल्प में 40 करोड़ रुपए तक ब्याज अनुदान और 100 प्रतिशत SGST प्रतिपूर्ति का लाभ मिलेगा।

14 वर्षों तक नेट SGST लाभ दिया जाएगा: दूसरे विकल्प के तहत स्वीकृत लागत का 300 प्रतिशत तक प्रोत्साहन और 14 वर्षों तक नेट SGST लाभ दिया जाएगा। तीसरे विकल्प के अंतर्गत, स्वीकृत परियोजना लागत का 30 प्रतिशत तक पूंजी अनुदान के रूप में वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान, जिले में संचालित चावल मिलों के स्वामियों ने बिजली आपूर्ति की समस्या को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने बताया कि बार-बार बिजली ट्रिप होने या लंबे समय तक बिजली बाधित रहने से उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ता है। एक बेकरी उत्पादक ने भी बताया कि बिजली ट्रिप होते ही उनका तैयार माल खराब हो जाता है।

हरसंभव समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया: इस पर जिला पदाधिकारी ने बिजली विभाग के अधिकारियों को हरसंभव समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने जानकारी दी कि अमरपुर में नया पावर ग्रिड निर्माणाधीन है, जो वर्ष 2026 तक पूर्ण हो जाएगा। इसके बाद जिले में बिजली से जुड़ी अधिकांश समस्याओं का समाधान हो जाएगा।

उद्यमी संवाद आयोजन के लिए जिला पदाधिकारी के प्रति आभार व्यक्त किया: चैम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष सच्चिदानंद तिवारी ने इस तरह के उद्यमी संवाद आयोजन के लिए जिला पदाधिकारी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जिले में पहली बार किसी जिला पदाधिकारी ने उद्यमियों की समस्याओं के समाधान के लिए इस प्रकार का संवाद आयोजित किया है।

थाने में सुपारी देने वाले को शूटर ने मारा थप्पड़

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर के नाथनगर के अभिषेक हत्याकांड मामले में मुख्य आरोपी मामा संतोष समेत चारों आरोपियों को पुलिस ने सोमवार को जेल भेज दिया। जेल भेजे जाने वालो में राधे मंडल, ऋतिक कुमार और आयुष कुमार भी शामिल हैं। पुलिस अब इस हत्याकांड में महिला कनेक्शन की कड़ी को जोड़ने में जुट गई है। इसके अलावा, संतोष की गर्लफ्रेंड रही लड़की से पूछताछ की भी तैयारी चल रही है। जानकारी के मुताबिक, पुलिस को आशंका है कि कहीं हत्या की साजिश संतोष की गर्लफ्रेंड के कहने पर तो नहीं रची गई। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, मेघा पहले संतोष की गर्लफ्रेंड थी। संतोष के कहने पर अभिषेक उससे लगातार पैसे ट्रांसफर करता था। इसी लेन-देन के दौरान अभिषेक का भी लड़की से संपर्क बढ़ गया, जिससे मामा-भांजे के रिश्ते और अधिक खराब हो गए। पुलिस इस पूरे एंगल को गंभीरता से जांच रही है। पुलिस की जांच पड़ताल में ये भी सामने आया था कि संतोष को डर था कि कहीं उसके अफेयर की जानकारी अभिषेक अपनी मामी यानी संतोष की पत्नी को न दे दे। आशंका है कि अपने अफेयर को बचाने के चक्कर में भी लड़की ने अपने बॉयफ्रेंड यानी संतोष की ओर से रची गई इस साजिश में साथ दिया हो। फिलहाल, इस एंगल पर जांच पड़ताल जारी है।

संतोष को डर था कि कहीं उसका नाम सामने न आ जाए: जांच में यह भी सामने आया है कि हत्या से पहले और बाद में मामा संतोष की गतिविधियां बेहद संदिग्ध रहीं। 24 दिसंबर को अभिषेक को जांघ में गोली मारने के बाद आरोपियों ने उसे मिर्जापुर स्थित एक दूसरे मकान में ले जाकर रखा था। उसी दौरान संतोष भी राधे से मिलने मौके पर पहुंचा था। संतोष मोबाइल पर बातचीत करने से डर रहा था, उसे डर था कि कहीं वारदात के बाद पुलिस कॉल डिटेल खंगालेगी तो उसका नाम आ जाएगा। जानकारी के मुताबिक, जब राधे ने अभिषेक की जांच में गोली मारी थी, तब संतोष घटनास्थल पर खुद गया और आगे क्या कुछ करना है, ये तीनों आरोपियों को समझाकर लौट गया। बाद में जब पुलिस ने राधे और ऋतिक को पकड़ा, तो उसी रात संतोष भी थाना पहुंचा था। उसे डर था कि कहीं उसका नाम न खुल जाए।

आखिर शूटर ने मृतक अभिषेक के मामा मास्टरमाइंड संतोष को थप्पड़ क्यों मारा: सूत्रों के मुताबिक, वारदात के बाद जब तक राधे पकड़ा नहीं गया था, संतोष ने राधे का पैर पकड़कर रोते हुए कहा था कि तुम बस पुलिस के सामने मेरा नाम मत लेना, मैं तुम तीनों को बचा लूंगा। हालांकि, पुलिस ने सख्ती की तो राधे ने पुलिस को पूरी कहानी बता दी और संतोष की गिरफ्तारी हो गई। रविवार को जब पुलिस ने राधे और संतोष को आमने-सामने बैठाकर पूछताछ शुरू की तो राधे ने पुलिस के सामने ही संतोष के मुंह पर जोरदार तमाचा जड़ दिया। राधे इस बात से नाराज था कि इतने जघन्य अपराध के बाद भी संतोष ने तय की गई पूरी रकम अब तक नहीं दी थी। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं की गहराई से जांच कर रही है।

7 दिन पहले अगवा मोबाइल दुकानदार की हत्या

निज संवाददाता। बेगूसराय

बेगूसराय में एक हफ्ते पहले किडनैप मोबाइल दुकानदार की बूढ़ी गंडक नदी किनारे लाश मिली है। पानी में रहने की वजह से लाश फूल गई है। परिजन ने हत्या के बाद लाश को पानी में फेंके जाने का दावा किया है। लाश मिलने की जानकारी के बाद स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर जांच पड़ताल में जुट गई। मामला चेरिया बरियारपुर थाना क्षेत्र के बसही गांव के पास की है। मृतक की जहां लाश मिली है, वो जगह उसके घर से मात्र 25 किलोमीटर दूर है। मृतक की पहचान 23 साल के सुमित कुमार सिंह के रूप में हुई है। सुमित कुमार पन्हास का रहने वाला था, जो मुफस्सिल थाना चौक पर एक मोबाइल दुकान चलाता था। परिजन की ओर से पुलिस को दिए गए आवेदन के मुताबिक, सुमित को 23 दिसंबर की रात लोहिया नगर थाना क्षेत्र में पन्हास गांव के पास से किडनैप किया गया था। परिजन ने आवेदन में ये भी जानकारी दी थी कि सुमित 23 दिसंबर की रात करीब 10:40 बजे दुकान बंद कर घर के लिए निकला था, लेकिन वो देर रात तक घर नहीं पहुंचा था।

कार सवार तीन बदमाशों ने किया था अपहरण: सुमित के पिता मनोज कुमार सिंह के मुताबिक, घर से थोड़ी दूर पहले SH-55 पर उजले रंग के कार पर सवार बदमाशों ने उसे अगवा कर लिया था। लेकिन रात में परिजनों को कुछ पता नहीं चला, काफी खोजबीन के बाद अगले दिन थाना में आवेदन दिया गया। इसके बाद से सदर-वन डीएसपी के नेतृत्व में पुलिस मामले की छानबीन कर रही थी। सीसीटीवी फुटेज एवं स्थानीय लोगों से पूछताछ में पता चला कि उजले रंग के टोयोटा कर पर सवार तीन बदमाशों ने मारपीट का सुमित को कार में बैठकर अपहरण कर लिया और मंझौल की ओर लेकर चले गए।

टेक्निकल सर्विलांस में कोरिया चौक मिला था सुमित का लास्ट लोकेशन: टेक्निकल सर्विलांस में सुमित के मोबाइल का लास्ट लोकेशन कोरिया चौक बताया गया था। उसी दिन से पुलिस एवं परिजन लगातार खोजबीन कर रहे थे। पुलिस जांच में कार ड्राइवर की पहचान नगर थाना क्षेत्र के मुंगेरीगंज के रहने वाले छोटू सिंह के बेटे प्रकाश कुमार के रूप में हुई तो पुलिस ने 27 दिसंबर को प्रकाश कुमार को हिरासत में ले लिया।

27 को पूछताछ में हत्या की बात सामने आई, दो दिन बाद मिली लाश: पूछताछ में उसने बताया था कि सुमित का अपहरण करके चेरिया बारियापुर थाना क्षेत्र के रामपुर घाट ले जाया गया और मारकर बूढ़ी गंडक नदी में फेंक दिया गया है। उसने घटना में दो अन्य के शामिल होने की बात कही, लेकिन कारण का स्पष्ट खुलासा नहीं हो सका। 27 दिसंबर को यह इनपुट मिलने के बाद पुलिस की टीम गंडक नदी में दोनों किनारे खोदाबंदपुर से लेकर नावकोठी तक तलाश कर रही थी। लेकिन कुछ पता नहीं चल रहा था। आज दोपहर में सूचना मिली कि बसही गांव के समीप बूढ़ी गंडक किनारे एक युवक की लाश पड़ी हुई है। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची तो उसकी पहचान सुमित कुमार के रूप में की गई। फिलहाल हत्या कैसे हुई, यह स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

अपहरण के बाद हत्या के दो एंगल पर पड़ताल: परिजन या पुलिस अपहरण एवं हत्या के कारणों के संबंध में अभी स्पष्ट रूप से कुछ नहीं बता पा रहे हैं। लेकिन दो तरह की बातें सामने आ रही है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

विचार-मंथन

संपादकीय

दिल्ली-एनसीआर में सांसों का संकट

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में हर साल सर्दियां आते ही यहां के बाशिंदों की सांसों पर संकट मंडराने लगता है। सरकार के तमाम दावों के बावजूद यहां की वायु स्वच्छ नहीं हो पा रही है। हवा में घुलता प्रदूषण का जहर आमजन की सेहत पर भारी पड़ रहा है। हालत यह है कि मंगलवार को दिल्ली का वायु गणवत्ता सूचकांक चार सौ अंक पार कर गया, जो गंभीर श्रेणी में आता है। दिल्ली से सटे नोएडा की पहचान तो देश के सबसे प्रदूषित शहर के रूप में की गई।दिल्ली हाई कोर्ट ने भी बुधवार को इस पर चिंता जताई और कहा कि ऐसी 'आपात स्थिति' में सरकार को वायु साफ करने वाले उपकरणों (एअर प्यूरीफायर) पर कर में छूट देने को लेकर विचार करना चाहिए। इसके लिए जीएसटी परिषद को जल्द से जल्द बैठक बुलाने का निर्देश दिया गया। ऐसे में सवाल है कि आखिर शासन एवं प्रशासन प्रदूषण से निजात दिलाने के लिए कोई स्थायी एवं प्रभावी योजना लागू क्यों नहीं कर पा रहे हैं? इस बात पर गौर करना भी जरूरी है कि जो उपाय लागू किए गए हैं, क्या उन पर व्यावहारिक रूप से अमल हो पा रहा है या नहीं।यह लंबे समय से बहस का विषय रहा है कि आखिर दिल्ली में प्रदूषण क्यों बढ़ रहा है। इसके लिए कभी पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने की घटनाओं को जिम्मेदार ठहराया जाता है, तो कभी दिल्ली-एनसीआर में बढ़ती वाहनों की संख्या तथा उद्योग और निर्माण एवं ध्वस्तीकरण कार्यों को वजह बताया जाता है। मगर इन दिनों तो पराली जलाने की घटनाएं भी बहुत कम सामने आ रही है, फिर दिल्ली की वायु गुणवत्ता का स्तर गंभीर श्रेणी तक कैसे पहुंच रहा है!जाहिर है कि इसके पीछे कोई एक वजह नहीं हो सकती, इसलिए प्रदूषण के सभी स्रोतों का ईमानदारी से आकलन करने की जरूरत है। दूसरा, यह सवाल भी महत्त्वपूर्ण है कि दिल्ली उच्च न्यायालय के सुझाव पर अगर वायु साफ करने वाले उपकरणों पर सरकार जीएसटी में छूट दे देती है, तो इसका लाभ भी आर्थिक रूप से सक्षम तबके तक ही सीमित रहेगा।बाकी आम लोगों को तो जहरीली हवा में ही सांस लेना पड़ेगा, उनके स्वास्थ्य की चिंता कौन करेगा। जबकि इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय अपने एक आदेश में कह चुका है कि स्वच्छ हवा पर सभी नागरिकों का अधिकार है।

मोबाइल से दूरी, अखबार से दोस्ती,यूपी सरकार का सेहत के लिए जरूरी कदम

यूपी के सरकारी स्कूलों में बच्चे अब अखबार भी पढ़ेंगे। उनमें पढ़ने की आदत विकसित करने और स्क्रीन टाइम घटाने के लिए यह आदेश दिया गया है। अखबार केवल सूचनाएं नहीं पहुंचाते, समझ, संवेदनशीलता और सामाजिकता भी पैदा करते हैं। इस तरह के आदेश की नौबत आना ही बताता है कि बच्चों में स्क्रीन की लत किस कदर गंभीर हो चुकी है।बस 10 मिनट । आदेश के मुताबिक, मॉर्निंग असेंबली के दौरान हर दिन 10 मिनट न्यूज रीडिंग होगी। इंग्लिश और हिंदी के अखबार बच्चों को दिए जाएंगे। सभी सरकारी सेकेंडरी और बेसिक स्कूलों पर आदेश लागू होगा, लेकिन प्राइवेट और दूसरे स्कूल भी चाहें तो इसका पालन कर सकते हैं। भरोसेमंद सूचना माध्यम । पढ़ने का मतलब केवल कोर्स की किताबें नहीं होतीं। डिजिटल दौर में सूचनाएं हर तरफ से आ रही हैं, लेकिन उसमें कौन-सी सही हैं और कौन गलत - यह समझना चुनौती है। अखबार आज भी सबसे भरोसेमंद माध्यम हैं। इनको पढ़ने से बच्चों को विश्वसनीय जानकारी मिलेगी, विभिन्न घटनाओं को लेकर उनका अपना नजरिया बनेगा और भाषा में सुधार होगा। चिंता बढ़ाते सर्वे - यह आदेश सबसे बड़ी समस्या की ओर भी ध्यान खींचता है - बच्चों का टीवी, मोबाइल से चिपके रहना। इस साल जुलाई के एक सर्वे के मुताबिक, भारत में 5 साल की उम्र तक के बच्चे हर दिन औसतन 2.2 घंटे स्क्रीन पर बिताते हैं। यहां तक कि दो साल से कम उम्र के बच्चे भी हर दिन औसतन 1.2 घंटे स्क्रीन देखते हैं, जबकि उन्हें बिल्कुल ही दूर रहना चाहिए। एक चौथाई से ज्यादा की पहुंच इंटरनेट तक है और 10 से कम उम्र वालों के भी सोशल मीडिया अकाउंट हैं।ऑस्ट्रेलिया का उदाहरण - स्क्रीन मासूमियत ही नहीं छीन रही - बेचैनी, ध्यान की कमी, नींद से जुड़ी समस्याएं, चिड़चिड़ापन भी दे रही है। स्क्रॉल से फोकस घट रहा है। यही वजह है कि हाल में ऑस्ट्रेलिया ने 16 साल से कम उम्र के किशोर-बच्चों के लिए सोशल मीडिया बैन कर दिया। मद्रास हाईकोर्ट ने भी एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र को ऑस्ट्रेलिया जैसा कानून बनाने का सुझाव दिया है।

कट्टर इस्लामिक तत्वों ने बेल्जियम और स्वीडन जैसे शांतिप्रिय देशों में माहौल खराब कर दिया है। मुसलमानों ने इन देशों में अतिरिक्त अधिकारों की मांग की, सड़कें जाम की, सड़कों पर नमाज पढ़ कर शक्ति प्रदर्शन किया। वहीं दूसरी और ऐसी घटनाओं से स्थानीय यूरोपीय नागरिकों के मन में असुरक्षा की भावना घर कर गयी। यह निश्चित है कि सिडनी में हुई आतंकी घटना के दूरगामी परिणाम भी बेकसूर मुसलमानों को भुगतने पड़ेंगे।

सिडनी हमले से विश्व में और बढ़ेंगी मुसलमानों की मुसीबतें

(योगेंद्र योगी)

इसी तरह फरवरी 22, 2025 को मुलहौज (फ्रांस) एक व्यक्ति ने बाजार में चाकू और पेचकस से हमला किया, जिसमें 1 व्यक्ति मारा गया और कई घायल हुए। फ्रांसीसी अधिकारियों ने इसे इस्लामिक चरमपंथ से प्रेरित बताया था। भारत के पहलगाम में हुआ हमला भी इस्लामिक चरमपंथी आतंकवाद का ही उदाहरण था। मुस्लिम आतंकियों के हमलों और कट्टरपंथ सोच के कारण विश्व के कई देशों में भारी विरोध का सामना कर रहे मुस्लिमों की मुसीबतें आस्ट्रेलिया के सिडनी में हुए आतंकी हमले के बाद और बढ़ेंगी। ऑस्ट्रेलिया में जिस तरह से हनुक्का का त्यौहार मना रहे यहूदियों पर चरमपंथी आतंकवाद के नाम पर गोलियां चलाई गईं। ऐसे हमले पूर्व में युरोपीय और दूसरे देशों में हो चुके हैं। न्यू ऑरलियन्स (यूएसए) में जनवरी 1, 2025 को एक व्यक्ति ने ट्रक को पैदल चल रहे लोगों पर चढ़ा दिया और फिर पुलिस से गोलीबारी की। अमरीकी संघीय जांच एजेंसी के मुताबिक यह हमला वैश्विक इस्लामिक आतंकी संगठन आईएसआईएस की प्रेरणा से हुआ था। इसी तरह फरवरी 22, 2025 को मुलहौज (फ्रांस) एक व्यक्ति ने बाजार में चाकू और पेचकस से हमला किया, जिसमें 1 व्यक्ति मारा गया और कई घायल हुए। फ्रांसीसी अधिकारियों ने इसे इस्लामिक चरमपंथ से प्रेरित बताया था। भारत के पहलगाम में हुआ हमला भी इस्लामिक चरमपंथी आतंकवाद का ही उदाहरण था। यहां 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने लोगों से उनके धर्म पूछ-पूछकर उन्हें गोली मारी और सीधा प्रधानमंत्री का नाम लेकर चुनौती दे रहे थे। इस समय यूरोप और पश्चिमी देशों ने निंदा तो की थी लेकिन इस्लामिक आतंकवाद का नाम नहीं लिया था। हालांकि अब यूरोप और अन्य पश्चिमी देशों लोन वुल्फ हमले बढ़ रहे हैं, तो उन्हें ये दर्द समझ आ रहा है। यूरोप में (रूस को छोड़कर), 1979 से अब तक 209 हमले हुए हैं और 802 लोगों की मौत हुई है। इसी अवधि में सबसे बुरी तरह प्रभावित यूरोपीय देश फ्रांस में 85 इस्लामी आतंकवादी हमले हुए हैं, जिनमें 334 लोगों की मौत हुई है। फ्रांस के अलावा, ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, बोस्निया-हर्जेगोविना, बुल्गारिया, क्रोएशिया, साइप्रस, डेनमार्क, फिनलैंड, जर्मनी, ग्रीस, इटली, नीदरलैंड, नॉर्वे, स्पेन, स्वीडन, स्विट्जरलैंड और यूनाइटेड किंगडम भी प्रभावित हुए हैं। ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स 2025 रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिमी देशों में घातक हमलों की संख्या 2017 के बाद सबसे अधिक दर्ज की गई। इनमें ज्यादातर लोन वुल्फ (अकेले) हमलावर ही थे। 7 अक्टूबर, 2024 का हमला और बॉन्डी बीच का हमला विशुद्ध तौर पर यहूदियों को निशाना बनाकर किया गया। ऐसे में यूरोप को समझ में आ गया है कि ये किसी एक-दो देश की नहीं बल्कि एक विचारधारा से निपटने की लड़ाई है, जिसके लिए साथ आना ही होगा। फ्रांस, जर्मनी, बेल्जियम जैसे देशों में इस्लामिक तत्व हर दूसरे दिन किसी ना किसी बात पर प्रतिकार या दंगे करने लगे हैं। फुटबॉल वर्ल्ड कप मोरक्को जीता तो दंगा हुआ पेरिस में, मोरक्को हारा तो पेरिस जला, जब फ्रांस फाइनल में हारा तब भी पेरिस में दंगे हुए। इंग्लैंड में भारत पाकिस्तान के क्रिकेट मैच के बाद प्रवासी भारतीयों पर स्थानीय मुस्लिमों ने हमले किये थे। जांच में यह भी सामने आया था कि अधिकाँश हमलावर और दंगाई इस्लामिक शरणार्थी थे। ऐसे में मेलबर्न से लेकर लंदन और सिडनी से लेकर पेरिस तक में प्रवासियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के कारण वहां की सरकारों को अब इन पर एक्शन लेने पर मजबूर होना पड़ रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार इन देशों हाई माइग्रेशन रेट के कारण स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। लंदन की सड़कों पर लाखों की संख्या में प्रदर्शनकारियों ने एंटी-इमिग्रेशन मार्च निकाला और इस्लाम और ब्रिटेन में बढ़ती प्रवासन समस्या का मुद्दा उठाया। ब्रिटेन में पिछले साल 29 जुलाई को एक्सेल ने साउथपोर्ट में चल रही एक डांस क्लास में घुस कर कई बच्चियों को बेरहमी से चाकू मार दिया था। हमलावर ने तीन बच्चियों की हत्या कर दी थी और 10 अन्य को घायल कर दिया था। इनमें ज्यादातर बच्चे थे। हमलावर मुस्लिम था। आरोपी एक्सेल के मां-बाप रवांडा से आए थे। घटना के बाद ब्रिटेन में बहुत बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन हुए थे। ब्रिटेन में बढ़ती मुस्लिम आबादी भी एक बड़ा मुद्दा है। अनुमान है कि साल 2035 तक ब्रिटेन की कुल आबादी में 25त मुस्लिम हो सकते हैं। ऐसे आतंकी हमलों और मुस्लिमों की बढ़ती आबादी के खिलाफ प्रदर्शनकारी ब्रिटेन में अवैध अप्रवासन के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। इनकी मांग है कि अवैध अप्रवासियों को देश से बाहर किया जाए। इस साल 28 हजार से ज्यादा प्रवासी इंग्लिश चैनल के रास्ते नावों से ब्रिटेन पहुंचे हैं। प्रदर्शन में शामिल लोग अवैध अप्रवासियों को शरण दिए जाने के खिलाफ हैं। हाल ही में एक इथियोपियाई अप्रवासी ने 14 साल की लड़की का यौन उत्पीड़न किया था, जिसने लोगों के गुस्से को और बढ़ावा दिया है। सरकार और पुलिस पर आरोप कि वे अवैध आव्रजन पर नकेल कसने में असफल हैं। मुस्लिम शरणार्थी युरोपीय देशों के लिए सिरदर्द बन गए हैं। गिड़गिड़ाते हुए लाचार हालत में शरण लेने आए शरणार्थी अब इस्लाम और शरिया लागू करने के लिए धरने-प्रदर्शन कर रहे हैं। जर्मनी के हैम्बर्ग में 2000 से अधिक मुसलमानों ने रैली निकाली। इस दौरान उन्होंने इस्लामवादी खिलाफत और शरिया कानून लागू करने की मांग की। रैली में शामिल भीड़ ने अल्लाहू अकबर का नारा भी लगाया। जर्मनी में बहुसंख्यक आबादी ईसाई है, जबकि मुसलमान अल्पसंख्यक हैं। इन मुसलमानों में सबसे ज्यादा वो थे, जो अफ्रीकी और एशियाई देशों से शरण मांगने के लिए जर्मनी पहुंचे थे। हालांकि, नागरिकता मिलते ही उनके तेवर बदल गए और अब मूल आबादी को दबाने की कोशिश कर रहे हैं। इसी इस्लामिक आतंकवाद के दंश से व्यथित हो लगभग 13 लाख लोग यूरोप में शरण लेने को विवश हुए थे, यह दूसरे विश्व युद्ध के पश्चात सबसे बड़ी शरणार्थी समस्या थी। शुरुआत में शरण लेने वाले अधिकाँश सीरियाई थे, लेकिन बाद में बड़ी संख्या में अफगान, नाइजीरियाई, पाकिस्तानी, इराकी और इरिट्रिया, और बाल्कन के आर्थिक प्रवासी भी इस यूरोप में शरण लेने को विवश हुए थे। यूरोप में अब तक 78,000 शरणार्थी और आप्रवासी आए हैं। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार उनमें से आधे से ज्यादा ग्रीस पहुंचे हैं। उनमें 40 प्रतिशत परिवार अफगानिस्तान से हैं जबकि 20 प्रतिशत सीरिया से हैं। यही वजह है कि इन देशों में चरमपंथी मुस्लिमों की हरकतों की वजह से पाबंदी लगाई जा रही हैं। दक्षिण-पूर्वी स्पेन के मर्सिया क्षेत्र के शहर जुमिला में लोकल काउंसिल ने ईद-उल-फितर और ईद-उल-अजहा जैसे मुस्लिम त्योहारों को सिविक सेंटर्स और स्पोर्ट्स हॉल जैसी सार्वजनिक जगहों में मनाए जाने पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव पारित किया।

आवश्यक हो गया है समानता का शंखनाद

(डॉ. रवीन्द्र अरजरिया)

वर्तमान वर्ष की विदाई का समय नजदीक आ चुका है। गुजरे अतीत के तीखे अनुभवों और निराशाजनक परिणामों को नम आंखों से स्वीकारने वाले लोग भी नूतन वर्ष की पहली किरण के साथ उम्मीदों के हिंडोले पर बैठेंगे। सरकार की दोगली नीतियों वाले पाटों में फंसे ज्यादातर मध्यम वर्गीय परिवार ही है जिनके पास न तो गरीबी की रेखा के नीचे वाला कार्ड है और न ही जीवन की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु संसाधन। आत्म सम्मान के चीथलों में लिपटा यह समुदाय तो स्वाधीनता के बाद से निरंतर उपेक्षा, शोषण और तानाशाही का शिकार होता रहा। वास्तविकता तो यह है कि कार्यपालिका में मौजूद स्थाई कर्मचारियों-अधिकारियों के संगठनात्मक स्वरूप से सामने अब विधायिका को स्वयं का सम्मान बचाये रखने की जद्दोजेहद करना पड रही है। देश की आन्तरिक नीतियों को तय करने का मसौदा तैयार करने वाले विशेषज्ञों की जमात अधिकारों के गलीचों से होकर गुजरती है। विभागीय जटिलताओं से पूरी तरह अनभिग्य जनप्रतिनिधियों के सामने स्वयं के अस्तित्व को बचाये रखने का संकट हमेशा मौजूद रहता है। ऐसे में इसी जमात को प्रसन्न रखने के हर सम्भव प्रयास सरकारें करती रहतीं हैं। आगामी 31 दिसंबर को सातवां वेतन आयोग खत्म हो रहा है। आठवें वेतन आयोग को लागू होने की संभावना 1 जनवरी 2026 से है। सरकार ने विगत जनवरी 2025 में 8वें केंद्रीय वेतन आयोग का गठन करके आख्या प्रस्तुत करने हेतु 18 महीने की समय सीमा निर्धारित कर दी थी। आठवें वेतन आयोग में लगभग 20 से 30 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की संभावना है। आंकडे गवाह हैं कि 6वें वेतन आयोग में लगभग 40 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई थी जबकि 7वें वेतन आयोग में लगभग 23 से 25 प्रतिशत का इजाफा हुआ था। तब फिटमेंट फैक्टर 2.57 रहा जबकि अब 8वें वेतन आयोग में फिटमेंट फैक्टर 2.15 से 3.0 के बीच रहने की संभावना है। वेतन वृद्धि पूरी तरह से फिटमेंट फैक्टर पर निर्भर है। अगर प्रस्तावित 2.15 का फॉर्मूला लागू होता है तो बेसिक वेतन में भारी बढोत्तरी होगी। लेवल-1 यानी चपरासी या शुरुआती स्तर के कर्मचारियों का बेसिक वेतन यदि 18 हजार रुपये है तो यह सीधे दोगुने से अधिक होकर 38 हजार 700 रुपये हो जायेगा। वहीं लेवल-18 यानी उच्च अधिकारियों का बेसिक वेतन यदि ढाई लाख रुपये हैं तो यह बढोत्तरी 5 लाख 37 हजार 500 रुपये हो जायेगी। यह केवल बेसिक वेतन है। इसमें अन्य बढोत्तरियां अभी शामिल होना बाकी हैं। पूरी पगार जादूई आंकडों को छूने के लिए तैयार है। यदि इसे लागू होने में विलम्ब भी होता है तो भी एरियर के रूप में भुगतान की व्यवस्था पहले से ही मौजूद है। यह लाभ केवल वर्तमान सेवाकर्मियों को ही नहीं बल्कि पेंशनधारियों को भी प्राप्त होगा। गोरी सरकार ने गुलामों की जमातें पैदा करने के लिए यह व्यवस्था लागू की थी जिसे स्वाधीनता के बाद भी यथावत स्वीकार लिया गया था। केन्द्र सरकार के अधीन आने वाले स्थाई कामगारों के लिए वेतन बढोत्तरी का वरदान उनके संगठनात्मक स्वरूप को मिलने वाला है जबकि राज्य सरकारों के लिए यह एक नया सिरदर्द पैदा करेगा। राज्य कर्मचारियों द्वारा बनाये गये संगठन भी अपने लिए इसी वेतन की मांग को लेकर विद्रोहात्मक रूख अख्तियार कर सकते हैं। देश के अनेक राज्यों में चुनावी बिगुल बजने की तैयारियां की जाने लगीं हैं।

आज का राशिफल

मेष

आज आर्थिक मामलों में दिन का भाग्य का साथ मिलने वाला है। स्थापित कारोबार का विस्तार होगा। त्रिपक्षीय साझेदारी करने की स्थिति बनेगी, लेकिन निजी संबंधों के मामले में त्रिपक्षीय रिश्ते अनुकूल साबित नहीं होंगे। एक नया दोस्त आपके प्रति आकर्षित होगा, लेकिन वह अपनी भावनाओं की अभिव्यक्ति नहीं कर सकेगा।

वृष

आज का दिन बेहद ही शुभ रहने वाला है। आपने जिस प्रकार की पृष्ठभूमि लोगों के बीच बनाई है उसके बल पर आज का दिन व्यतीत होगा। दोपहर तक आर्थिक संकोच भी खत्म होगा। हालांकि, कार्यक्षेत्र की धीमी गति से मानसिक तनाव पैदा हो सकता है। आज लोग आपके लिए अच्छा सोचेंगे और आपकी मदद करने को तैयार रहेंगे।

मिथुन

आज का दिन जातकों के लिए मिलाजुला रहने वाला है। अपनी प्रतिभा पर भरोसा रखें और यह याद रखे कि कुछ कर दिखाने के लिए ज्यादा तामझाम की जरूरत नहीं होती। हालांकि, आज न चाहते हुए भी आपको कुछ ऐसा काम करना पड़ सकता है जो दूसरों के लिए असुविधाजनक हो।

कर्क

आज का दिन थोड़ा संभलकर रहने वाला दिख रहा है। आज सुबह से ही कुछ प्रतिकूल समय आपके लिए चल रहा है। हो सकता है आज ही आपको स्वास्थ्य संबंधी प्रॉब्लम भी हो। दिन की शुरुआत में ही किसी अच्छे डॉक्टर आदि से मिलना बेहतर रहेगा। उसके बाद आप अपने रोजमर्रा के काम निपटा सकते हैं।

सिंह

आज आपके भाग्य में शुभ लक्षण दिखाई दे रहे है। आपका सब कुछ ठीक-ठीक ही चलता नजर आ रहा है। कारोबार की स्थिति भी सुधरती जाएगी। किसी बड़े अधिकारी का सर पर हाथ होने से नौकरी में भी आपकी स्थिति मजबूत रहेगी। विरोधियों और आलोचना करने वालों के दिल में अभी आपके लिए गुस्सा भरा हुआ है।

कन्या

आज आपका स्वास्थ्य ठीक नहीं दिख रहा है। दिन के पहले हिस्से में बहुत सारे काम एक साथ आपके सामने लटके रहेंगे। जहां तक हो सके इनमें महत्वपूर्ण कार्य पूरे कर लेना। दोपहर बाद फिर समय ठीक नहीं है। बनते काम में रुकावट पैदा होगी।

तुला

आज मददगार स्वभाव का कुछ लोग गलत फायदा उठा सकते हैं। आप जब अच्छे मूड में रहते है तो अपने चहेतों का भला करने में पीछे नहीं रहते हैं। इसका लाभ वे चापलूस भी उठा लेते हैं जो वास्तव में पीछे जाकर आपकी बुराई करते हैं। ऐसे ही लोगों में आज आपका समय व्यतीत होगा। जो सही पात्र हो उसका ही कल्याण करें।

वृश्चिक

आज का दिन अपने पेंडिंग पड़े कामों को निपटाने का दिन है। किसी परीक्षा या प्रतियोगिता के लिए आपको तैयार रहना होगा। अगर आप अपने व्यवसाय या कारोबार से संबंधित कोई अनुबन्ध या लिखा पढ़ी करना चाहते हैं तो दिन के समय ही कर डालें। बाकी और कामों के लिए भी अपराह्न तक अच्छा गोचर चल रहा है। मित्रों से चर्चा होगी।

मकर

आज कई दिनों से जिस काम के बिगड़ जाने से परेशान थे, उस काम में आज से सुधार हो सकता है। फिर भी किसी व्यर्थ की डर या आशंक से आपका मन आज के दिन अशांत रह सकता है। दोपहर बाद कुछ भागदौड़ करने से छिटपुट लाभ हो सकते हैं। ऐसे में धैर्य बनाए रखें और अपनी कोशिश करते रहें। परिजनों की तरफ से भी अच्छी खबरें मिल सकती है।

कुंभ

आज का दिन कुछ जानकारीपूर्ण और आपकी बौद्धिक क्षमता को बढ़ाने वाला होगा। अच्छे गणमान्य व्यक्तियों से मेल मुलाकात होगी और किसी बड़े लाभ की आशा में दिन सार्थक नजर आएगा। परिजनों की तरफ से भी अच्छी खबरें मिल सकती है। किसी धार्मिक कार्य के लिए योजना बनाते वक्त आपकी सलाह ली जाएगी। और उसका मानसिक अवसाद शाम तक बना रहेगा। मित्रों का सहयोग लेना जरूरी होगा।

धनु

आपका कभी कभी कोई काम सोच के विपरीत भी हो जाते हैं। जिस व्यक्ति को आप सज्जन समझते हैं वही धोखा दे जाता है। कुछ ऐसी ही घटना आज भी होती दिख रही है। बाकी का दिन मिश्रित फलदायक रहने वाला है। एकाध काम अच्छा हो जाने से मानसिक स्थिति ठीक रहेगी और किसी अच्छे समाचार मिलने से निराशा भी खत्म होगी।

मीन

आज का इस समय अपने कार्यक्षेत्र में आने जाने और सभी कार्यों को समय पर निबटाने का दौर चल रहा है। इस बीच कुछ अपने ही लोग आपकी चिन्ता भी बढ़ा सकते हैं। यदि आप किसी प्रेम प्रणय के जाल में उलझे हैं तो उसका फैसला भी जल्दी करें। नहीं तो आने वाले समय में आपको परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5959

		7				9		8
	3		1	7				4
					6			
6	9	8	7	4		3		
		3		1		4		
		1		3	9	7	6	2
			4					
9				5	1		4	
4		5				1		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5958

2	9	6	1	4	5	8	3	7
3	5	7	8	2	6	1	4	9
1	4	8	9	3	7	5	2	6
6	3	9	5	1	2	4	7	8
5	8	1	7	6	4	3	9	2
4	7	2	3	9	8	6	1	5
9	6	4	2	8	3	7	5	1
8	1	5	4	7	9	2	6	3
7	2	3	6	5	1	9	8	4

वर्ग पहेली 5959

संकेत: बाएं से दाएं

1. 06 1861 को हमारे प्रथम प्रधानमंत्री के पिता ने जन्म लिया इनका निधन 6 फरवरी 1931 को हुआ था (7)
6. उपकार, कल्याण, भलाई (2)
7. घात, अवसर की प्रतीक्षा (2)
8. अधिक, अनेक (2)
10. शब्दरहित, शब्द न करने वाला (3)
12. जो सही न हो, यथार्थता से परे (3)
13. नैतिक आचरण और व्यवहार वाला (4)
17. शपथ, हलफ, सौगंध (2)
19. गाय (2)
21. कारावास, बंदीगृह (4)
23. अनुचर वर्ग, दूत, समूह (2)
24. हैसियत, औकात, परत (2)
25. यह पश्चिमी अफ्रीका का ऐसा देश है जिसका कोई भी भाग समुद्र से नहीं मिला है, बाग-बगीचे की देखभाल करने वाला (3)
26. तुच्छ और हीन (3)

ऊपर से नीचे

1. भगवान विष्णु का एक स्त्री रूप जो अमृत बांटते समय उन्होंने धारण किया था (3)
2. मुर्गे की जाति का एक प्रसिद्ध पक्षी (3)
3. कोमल कांड, सुंदर स्त्री (2)
4. भला, उम्दा, उत्तम (2)
5. यह मुद्रा रूस देश में प्रचलित है (3)
9. आहुति के रूप में दिया हुआ, पूर्ण समर्पण किया हुआ (2)
11. किसी को वश में लाने की क्रिया (5)
12. बंदूक (अंग्रेजी)(2)
14. चिपकने के गुण, चिपकाने वाली चीज (2)
15. बायां हाथ (4)
16. बडी बहन या जीजी को उर्दू में यह कहते है (2)
18. उत्तर भारत में बहने वाली एक सदानीरा नदी इसका पौराणिक नाम शतदु है (4)
20. क्रिकेट में गेंदबाजी की एक तकनीक (3)
22. उत्सर्ग करना, न्यौछावर करना (3)

वर्ग पहेली 5958 का हल

ज्ञा	नी	जै	ल	सिं	ह		बा
त	म		ग	ह	रा		रू
	न	य	न		र	सी	द
सा		हू		व	त	न	
म		दी	वा	र			
वे	श		म	दा	र		अ
द		वि	न	य		प	ट
	अ	श्व		क		द	ल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी कार्यालय, जय हिन्द कॉलोनी नाला पर, आरा, जिला भोजपुर (बिहार) से प्रकाशित संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, स्थानीय संपादक- साकेत अम्बष्ट, -9934957121, 7766886433, E-mail : svvaara@gmail.com, RNI-BIHHIN/2017/72765

संक्षिप्त समाचार

प्रदेश में इस साल फरवरी-मार्च तक रहेगी ठंड, मौसम वैज्ञानिक ने बताए कारण

रांची, एजेंसी। अबकी बार ठंड का असर पहले शुरू हुआ है और फरवरी के अंत और मार्च के प्रथम सप्ताह तक जारी रहेगा। आमतौर पर ऐसा नहीं होता है, लेकिन पर्यावरणीय बदलाव ने मौसम में उतार-चढ़ाव कर दिया है। यह चक्र चलता रहता है और पांच से छह वर्ष में दोहराता है। यही कारण है कि इस वर्ष सक्रिय मानसून के कारण उम्मीद से कहीं अधिक वर्षा हुई और इसका असर यह हुआ कि ठंड ने समय से पूर्व दस्तक दे दी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष मौसम में हुए बदलाव ने पूर्व में ही संकेत दे दिए थे, क्योंकि बंगाल की खाड़ी में पश्चिमी विक्षोभ के पांच बार से अधिक बार सक्रिय होने का लाभ यह हुआ कि जमकर वर्षापात हुए।

जनवरी से मार्च तक की चार नियुक्ति परीक्षाओं के केंद्र तय

रांची, एजेंसी। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) द्वारा 2026 के पहले तीन महीनों में चार नियुक्ति प्रतियोगी परीक्षाओं का आयोजन किया जाएगा। इनमें राज्य प्रशासन, वन विभाग और स्वास्थ्य सेवा में भर्ती से संबंधित परीक्षाएं शामिल हैं। इन परीक्षाओं के माध्यम से कुल 413 सरकारी पदों पर नियुक्तियां की जानी हैं। जेपीएससी द्वारा इन परीक्षाओं के लिए शेड्यूल के अनुसार एग्जाम सेंटर का निर्धारण कर दिया गया है। ये परीक्षाएं जनवरी से लेकर मार्च तक आयोजित की जानी है। यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन दो परीक्षाओं का आयोजन नए साल के जनवरी- फरवरी माह में करेगा। इन दोनों परीक्षाओं के लिए राजधानी रांची में केंद्र निर्धारित कर लिए गए हैं।

मंईयां सम्मान योजना का हाल :50 वर्ष उम्र पूरा कर चुकी 1.34 लाख लाभुक हटी

रांची, एजेंसी। मंईयां सम्मान योजना में एंट्री का गेट पिछले 11 महीनों से बंद है, लेकिन एग्जिट का दरवाजा पूरी तरह खुला हुआ है। स्थिति यह है कि जैसे ही किसी लाभुक महिला की उम्र 50 वर्ष पूरी हो रही है, उसका नाम स्वतः पोर्टल से हट रहा है, जबकि 18 वर्ष की नई पात्र महिलाएं योजना में जुड़ ही नहीं पा रही हैं। आंकड़े बताते हैं कि हर महीने न्यूनतम 8 हजार से लेकर अधिकतम 20 हजार तक नाम कट रहे हैं। बीते 11 महीनों में सिर्फ उम्र पूरी होने के कारण 1 लाख 33 हजार 776 लाभुकों के नाम हट चुके हैं। वहीं, राज्यभर में अब भी करीब ढाई लाख नए आवेदन लंबित हैं, जिन्हें पोर्टल पर जोड़ा ही नहीं जा रहा। स्थानीय स्तर पर अधिकारियों का जवाब है कि पोर्टल खराब है, लेकिन जानकारों का दावा है कि नए लाभुकों को जोड़ने पर अघोषित रोक लगा दी गई है। नियम के अनुसार 18 से 50 वर्ष की महिलाएं इस योजना की पात्र हैं, लेकिन हकीकत में केवल बाहर का रास्ता खुला है। मुख्यमंत्री ने 6 जनवरी 2025 को योजना की बढ़ी हुई राशि जारी की थी। उस दिन 56 लाख 61 हजार 791 लाभुकों के खाते में 2500 रुपए यानी कुल 1415 करोड़ 44 लाख रुपये ट्रांसफर किए गए थे। अब तक कई कारणों से 5 लाख 63 हजार 791 नाम हट चुके हैं।

लातेहार में सामाजिक कार्यकर्ता रूबी कुमारी की मौत

लातेहार, एजेंसी। लातेहार जिले के बरवाडीह थाना क्षेत्र के मंगरा गांव में एक हादसे में सामाजिक कार्यकर्ता रूबी कुमारी की मौत हो गई। सोमवार शाम धान कुटाई के दौरान वह मशीन की चपेट में आ गईं, जिससे घटनास्थल पर ही उनकी जान चली गई। रूबी कुमारी बाल विवाह रोकने, दहेज प्रथा के खिलाफ और अंधविश्वासों के विरुद्ध जागरूकता अभियान चलाने के लिए क्षेत्र में जानी जाती थीं। उनकी असमय मौत से पूरे प्रखंड में शोक की लहर फैल गई है।

मशीन के नजदीक जाने पर हुआ हादसा

जानकारी के अनुसार, सोमवार शाम रूबी कुमारी अपने घर के पास धान की कुटाई कर रही थीं। मशीन के नजदीक जाने पर वह अचानक उसकी चपेट में आ गईं। घटना के बाद ग्रामीणों में अफरातफरी मच गई। सूचना मिलने पर विधायक प्रतिनिधि प्रेम सिंह पिंटू सहित अन्य ग्रामीण मौके पर पहुंचे और उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरवाडीह ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई, जिसने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

इधर, घटना की जानकारी मिलने पर मंगलवार को मनिका विधायक रामचंद्र सिंह सदर अस्पताल पहुंचे। उन्होंने मृतका के परिजनों से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली और शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया, साथ ही हर संभव मदद का आश्वासन दिया। विधायक रामचंद्र सिंह ने कहा कि रूबी कुमारी समाज के लिए प्रेरणास्रोत थीं और उनकी कमी लंबे समय तक महसूस की जाएगी। उन्होंने इस घटना के लिए मशीन संचालक की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया। विधायक के अनुसार, धान कुटाई के समय मशीन संचालक को मौके पर मौजूद रहना चाहिए था। इस दौरान विधायक प्रतिनिधि हरिशंकर यादव, मंडल अध्यक्ष फूलचंद यादव समेत कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

झारखंड में बरही-रजौली फोरलेन का नया रूट

11 किमी घट जाएगी बिहार पहुंचने की दूरी, कोडरमा घाटी रहेगी सेफ

कोडरमा, एजेंसी। एनएच-20 (बरही से रजौली) के फोरलेन कार्य के लिए प्रस्तावित नए रूट से कोडरमा से रजौली की दूरी करीब 11 किलोमीटर तक कम हो जाएगी। इससे कोडरमा घाटी जैसे दुर्घटना संभावित क्षेत्र से राहत मिलेगी।

वहीं, वन्य प्राणी आश्रयणी क्षेत्र भी सुरक्षित रहेगा। नए रोड रूट को लेकर सोमवार को उपायुक्त ऋतुराज, डीएफओ सौमित्र शुक्ला, डीएलओ ओमप्रकाश मंडल सहित एनएचएआइ के अधिकारियों ने स्थलीय निरीक्षण किया।

इस दौरान सतपुलिया और पार्वती क्लिनिक के बीच नए रूट को डायवर्ट करने को लेकर स्थल का जायजा लिया गया और उसका नक्शा तैयार किया गया। नए मैप में इस बात का विशेष ध्यान रखा गया है कि कम से कम घरों को क्षति पहुंचे।

खासतौर पर पक्के मकानों को बचाने का प्रयास किया गया है। उपायुक्त ने पूरे प्रस्तावित रूट का भौतिक निरीक्षण कर एनएचएआई के अधिकारियों से आवश्यक जानकारी ली।

प्रस्तावित मैप के अनुसार गुमो सतपुलिया के पास नया रूट क्रास करते हुए बिसनपुर आश्रम के बीच से गुजरेगा। इसमें आश्रम की चारदीवारी के समीप लगभग 11 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा। साथ ही आश्रम में आवागमन बाधित न हो, इसके लिए अंडरपास भी दिया जाएगा।

इसके बाद सड़क का करीब 11 किलोमीटर हिस्सा वन क्षेत्र से होकर गुजरते हुए गझंडी के चनाको गांव के पास फोरलेन सड़क रेलवे लाइन को क्रास करेगी। नया रोड रूट आबादी से दूर रखा गया है, ताकि भूमि अधिग्रहण में किसी प्रकार की समस्या न आए। यदि सब कुछ योजना के अनुसार रहा, तो सड़क निर्माण की स्वीकृति भी शीघ्र मिलने की संभावना है।

नए फोरलेन रूट को लेकर स्थलीय निरीक्षण किया गया है।

इस रूट से कम से कम घरों को नुकसान होगा और रजौली की दूरी भी 11 किलोमीटर घट जाएगी।

सतपुलिया के पास से होकर यह मार्ग आश्रम होते हुए चनाको गांव तक जाएगा, जहां से रेलवे लाइन पार कर वन क्षेत्र से होते हुए बिहार के रजौली पहुंचेगा। बिहार में टनल निर्माण का भी प्रस्ताव है। वन्य प्राणी आश्रयणी क्षेत्र होने के कारण कोडरमा घाटी रूट में बाधा आ रही थी, जबकि नया रूट इस क्षेत्र से मुक्त रखा गया है। संबंधित विभागों को बैठक कर आगे की प्रक्रिया अपनाने का निर्देश दिया गया है। -ऋतुराज, डीसी कोडरमा।

सतपुलिया के पास बनेगा गोलंबर

वाहनों के सुगम आवागमन को लेकर सतपुलिया और पार्वती क्लिनिक के पास गोलंबर निर्माण की तैयारी की जा रही है। इससे तिलैया की ओर आने-जाने वाले वाहन आसानी से फोरलेन में प्रवेश कर सकेंगे। जहां फोरलेन सड़क क्रॉस करेगी, वहां करीब 200 मीटर के दायरे में गोलंबर का निर्माण किया जाएगा।

भूमि अधिग्रहण और घरों की क्षतिः नए रोड निर्माण में जमीन और मकानों का अधिग्रहण भी किया जाएगा। इसका ध्यान रखा जाएगा कि कम से कम घर तोड़े जाएं। अनुमान है कि गुमो मौजा में 20-25, नवादा में 4-5, विसनपुर में 5-6, रतनसोत में 3-4, कौवावर में 5-6 और चनाको में 5-6 मकानों को अधिग्रहित किया जा सकता है।

आरओबी और टनल

नए रोड में दो आरओबी और तीन टनल का प्रस्ताव भी तैयार किया गया है। सतपुलिया के पास से गझंडी की ओर 11.7 किलोमीटर और 12.3 किलोमीटर पर आरओबी बनाए जाएंगे। बिहार क्षेत्र में तीन टनल निर्माण का प्रस्ताव है।

धनबाद से गुजरने वाली 4 ट्रेनों में जोड़े जाएंगे एक्स्ट्रा कोच, कैंसिलेशन के चलते हुई परेशानी से मिलेगी राहत

धनबाद, एजेंसी। कोहरे में रद नियमित ट्रेनों के बाद धनबाद से दिल्ली और चंडीगढ़ तक चलने वाली स्पेशल ट्रेनों के रद हो जाने से यात्रियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। अधिकतर ट्रेनों में लंबी वेटिंगलिस्ट या नो रूम की स्थिति है। धनबाद होकर विंटर स्पेशल ट्रेन चलने की भी संभावना नहीं है। यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने अलग-अलग रूटों की नियमित ट्रेनों में अतिरिक्त कोच जोड़ने की घोषणा की है।

धनबाद होकर चलने वाली सियालदह-अजमेर, कोलकाता-मदार और कोलकाता-बीकानेर प्रताप एक्सप्रेस में पूरे जनवरी अतिरिक्त कोच जोड़े जाएंगे। सिमुलतला के पास रेल ब्रिज पर शनिवार की रात हुई मालगाड़ी दुर्घटना के कारण सोमवार को भी मेन लाइन की ट्रेनें धनबाद होकर चलाई गईं। सुबह 13331 धनबाद-पटना इंटरसिटी जसीडीह-झाझा के बदले गोमो, कोडरमा व गया होकर पटना गई। वापसी में 13332 पटना-धनबाद इंटरसिटी भी गया, कोडरमा व गोमो होकर धनबाद आई। दिन में 12303 हावड़ा-नई दिल्ली पूर्वा एक्सप्रेस, 12273 हावड़ा-नई दिल्ली दुरंतो एक्सप्रेस, 22348 पटना-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस, 12304 नई दिल्ली-हावड़ा पूर्वा एक्सप्रेस एवं 18184 बक्सर-टाटा एक्सप्रेस बख्तियारपुर, राजगीर, तिलैया, कोडरमा, गोमो व धनबाद होकर चली। दिन में चलने वाली ट्रेनों के मार्ग बदलने की पहले ही सूचना जारी कर दी गई थी। इस बीच सोमवार की रात जसीडीह- झाझा होकर चलने वाली ट्रेनों क मार्ग एकाएक बदल दिया गया।

रांची शहर में पानी की सप्लाई हो सकती है ठप, कर्मचारियों ने दी है आंदोलन की चेतावनी

रांची, एजेंसी। शहरवासियों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने वाले लगभग 200 आउटसोर्सिंग कर्मचारी आज खुद आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के शहरी जल वितरण की जिम्मेदारी संभाल रही आउटसोर्सिंग कंपनी के कर्मचारियों को बीते तीन महीनों से वेतन नहीं मिला है।

इससे कर्मचारियों में भारी रोष है और उन्होंने विभाग व संवेदक के खिलाफ आंदोलन की चेतावनी दी है। जानकारी के अनुसार, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग में शहरी जलापूर्ति का पूरा सिस्टम आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के भरोसे चल रहा है। जल वितरण, पाइपलाइन मरम्मत, लीकेज सुधार और अन्य तकनीकी कार्य इन्हीं कर्मचारियों के माध्यम से होते हैं।

ऐसे में यदि कर्मचारियों ने आंदोलन किया तो शहर की जल आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह ठप हो सकती है। आउटसोर्सिंग कंपनी के कर्मचारियों का कहना है कि उन्हें सितंबर महीने का वेतन मिला था, लेकिन इसके बाद अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर का वेतन अब तक लंबित है।

तीन महीनों से वेतन नहीं मिलने के कारण कई कर्मचारी कर्ज लेकर अपने परिवार का भरण-पोषण करने को मजबूर हैं। नए साल के आगमन से पहले कर्मचारियों को चिंता सता रही है कि कहीं उनका नया साल भी बिना वेतन के फीका न पड़ जाए।

कर्मचारियों ने बताया कि वेतन भुगतान को लेकर वे अब तक चार बार आउटसोर्सिंग कंपनी के अधिकारियों से मांग कर चुके हैं, लेकिन हर बार आश्वासन के अलावा कुछ नहीं मिला।

कर्मचारियों का साफ कहना है कि यदि 30 दिसंबर तक वेतन का भुगतान नहीं हुआ तो वे काम बंद कर उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे। ऐसे में जल वितरण और मरम्मत व्यवस्था पूरी तरह ठप हो जाएगी।

दुमका के पौधा संरक्षण कार्यालय में लगी भीषण आग,

महत्वपूर्ण फाइलें और कंप्यूटर जलकर राख

दुमका, एजेंसी। दुमका शहर के टाटा शोरूम चौक के निकट स्थित कनीय पौधा संरक्षण पदाधिकारी कार्यालय के कंप्यूटर सह योजना कक्ष में शनिवार की देर रात कथित तौर पर शॉर्ट सर्किट से आग लगने से कई महत्वपूर्ण फाइल व सामग्रियां जल कर नष्ट हो गई है। आग के कारण बिजली का बोर्ड, पंखा, कंप्यूटर और टेबल पर रखी सात महत्वपूर्ण फाइलें व रजिस्टर के जलने की खबर है। हालांकि, आगलगी में अलमारी में रखे दस्तावेज बच गए हैं। घटना रात करीब 11.15 बजे की बतायी जा रही है।

रात्रि प्रहरी ने कनीय पौधा संरक्षण पदाधिकारी शुभंकर गुप्ता को धुआं उठते देख सूचना दी। घटना के बाद वह तत्काल वहां पहुंचे और मुख्य बिजली कनेक्शन काटकर क्लर्क की मदद से बाल्टी के पानी से आग बुझाने की पहल की। इसके बाद कार्यालय सहायक पीयूष पांडेय व कर्मी निरंजन दे भी पहुंचे।

काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया लेकिन नुकसान का पूरा आकलन जांच के बाद ही संभव होगा। शुभंकर गुप्ता ने बताया कि प्रारंभिक तौर पर मामला शॉर्ट सर्किट का प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि हालांकि नुकसान का आकलन फिलहाल नहीं किया जा सका है लेकिन कंप्यूटर समेत कई योजनाओं से जुड़े रजिस्टर व फाइलें जली हैं।

जांच के बाद ही क्षति की विवरणी तैयार करना संभव है। उन्होंने बताया कि मामले को लेकर नगर थाना दुमका में सनहा दर्ज करा दी गई है।

जानकारी के अनुसार आगलगी की यह घटना कंप्यूटर ऑपरेटर के कक्ष में हुई है। जहां कई महत्वपूर्ण फाइलें रखी थी। उस कमरे में आलमीरा में महत्वपूर्ण फाइलें थी लेकिन वह आग की चपेट में नहीं आई है।

सूत्रों के अनुसार टेबल में रखी सात फाइलें जलकर राख हो गई हैं। साथ ही कंप्यूटर भी जलकर खाक हो गया है जिसमें कार्यालय की महत्वपूर्ण व गोपनीय सूचनाएं थी। जानकारी के अनुसार कार्यालय का हाल में रंग रोगन हुआ था।

भवन की मरम्मति और रंग रोगन लाखों रुपये खर्च कर किया गया है लेकिन जर्जर हो चुके इलेक्ट्रिक तार को बदलने की कवायद नहीं की गई । इससे विभाग के जिम्मेदार पर कई सवाल उठ रहे हैं। दुमका जिला में सरकारी कार्यालयों में पिछले दो सालों के भीतर आग लगने की कई घटनाएं हुई है। इसी वर्ष 23 अक्टूबर को दुमका हवाई अड्डे परिसर में लगे सोलर प्लांट में भीषण आग लग गई थी। वहां भी आग लगने का प्रारंभिक कारण शॉर्ट सर्किट बताया गया था। वहीं, 22 अप्रैल 2023 को जरमुंडी के पुराने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्टोर रूम में आग लग गई थी। इस मामले में सिविल सर्जन ने स्पेशल जांच टीम गठित किया था। 14 सितंबर 2023 को सदर अस्पताल के पुराने सिविल सर्जन कार्यालय में आग से फाइलें-फर्नीचर जल गए थे।

चतरा में जमीन विवाद को लेकर खूनी संघर्ष, प्रतिबंधित संगठन टीएसपीसी के दो सदस्यों की मौत

चतरा, एजेंसी। झारखंड में चतरा जिले के कुंदा थाना क्षेत्र के गेंदरा गांव में रविवार की देर रात करीब बारह बजे भूमि विवाद को लेकर हुई हिंसक झड़प में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है। सूचना मिलते ही कुंदा थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रण में लेने में जुट गई है।

जानकारी के अनुसार भूमि को लेकर चल रहे पुराने विवाद ने रविवार रात अचानक उग्र रूप ले लिया। इसी दौरान दो गुटों के बीच जमकर झड़प हुई। हिंसक संघर्ष में दो लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतकों में एक की पहचान देवेंद्र गंझू के रूप में हुई है, जबकि दूसरे मृतक की पहचान चुरामण गंझू के रूप में हुई है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, दोनों मृतक अपराधी बताए जा रहे हैं, हालांकि इस संबंध में आधिकारिक पुष्टि की प्रक्रिया जारी है। घटना में झड़प के दौरान गांव के ही दो लोग गोपाल गंझू और श्याम गंझू घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। इसमें से गोपाल गंझू की हालत गंभीर होने पर मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से डॉक्टरों ने उनकी नाजुक हालत देखते हुए रांची रिम्स रेफर कर दिया। पुलिस ने घायल से प्रारंभिक पूछताछ भी की है। ग्रामीणों का कहना है कि देर रात अचानक हुई इस घटना से गांव में अफरा-तफरी मच गई और लोग अपने घरों में दुबकने को मजबूर हो गए। घटना की सूचना मिलते ही कुंदा थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और पूरे इलाके को घेराबंदी कर सुरक्षित किया।

पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की तैयारी शुरू कर दी है। साथ ही घटना के कारणों की गहन जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि भूमि विवाद के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नव वर्ष पर रामगढ़ में हाई अलर्ट : सड़कों से लेकर पर्यटन स्थलों तक कड़ी सुरक्षा

रामगढ़, एजेंसी। नव वर्ष के मौके पर रामगढ़ जिले में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए जिला पुलिस ने पुख्ता इंतजाम किए हैं। पुलिस प्रशासन के अनुसार 31 दिसंबर की शाम से लेकर 1 जनवरी तक पूरे जिले में हाई अलर्ट रहेगा। सभी प्रमुख चौराहों, नुक्कड़ों और मुख्य सड़कों पर भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक लगातार गश्त होगी, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति पर तुरंत काबू पाया जा सके। भीड़भाड़ वाले इलाकों पर विशेष नजर रखी जा रही है और संवेदनशील स्थानों की पहचान कर वहां अतिरिक्त बल तैनात किया गया है।

भीड़ वाले इलाकों में रहेगी पुलिस सहायता केंद्र

नव वर्ष के जश्न के दौरान आम लोगों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में पुलिस सहायता केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। यहां नागरिक किसी भी आपात स्थिति या सहायता के लिए सीधे पुलिस से संपर्क कर सकेंगे।

इसके साथ ही जिले में जगह-जगह बैरिकेडिंग की जाएगी और वाहनों की सघन जांच की जाएगी। खासतौर पर रात के समय शराब पीकर वाहन चलाने वालों, तेज रफ्तार और हुड़दंग करने वालों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस का लक्ष्य है कि नए साल का जश्न बिना किसी बाधा और डर के मनाया जा सके।

रजरप्पा और पतरातू डैम पर खास इंतजाम

रामगढ़ जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों रजरप्पा मंदिर और पतरातू डैम पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई है। इन स्थानों पर नव वर्ष के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं, जिनमें दूसरे राज्यों से आने वाले लोग भी शामिल रहते हैं।

भीड़ प्रबंधन प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती होती है, खासकर पिकनिक और धार्मिक आयोजनों के दौरान। इसे देखते हुए इन इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल, ट्रैफिक व्यवस्था और निगरानी बढ़ा दी गई है, ताकि किसी तरह की अव्यवस्था न हो।

एसपी की अपील : शांति से मनाएं नया साल

पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने जिलेवासियों से नव वर्ष शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि शराब पीकर वाहन न चलाएं, तेज रफ्तार और हुड़दंग से बचें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। एसपी ने स्पष्ट किया कि पूरे जिले में प्रशासन की पैनी नजर रहेगी और कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

केंदुआडीह में जहरीली गैस रिसाव, एक और मौत, बीसीसीएल पर लगाए आरोप

धनबाद, एजेंसी। धनबाद के केंदुआडीह थाना क्षेत्र स्थित कई अग्नि व भू-धसान प्रभावित क्षेत्र में जहरीले कार्बन मोनोऑक्साइड गैस का रिसाव जारी है। इसी बीच क्षेत्र में रह रहे एक शख्स की मौत हो गई। आशंका है कि जहरीले गैस की वजह से उनकी जान गई है। इससे पूर्व इस माह में क्षेत्र में रहने वाली दो महिलाओं की मौत हो चुकी है। हालांकि, सुरेंद्र सिंह की मौत गैस रिसाव के कारण हुई है या नहीं, यह अभी स्पष्ट नहीं है। मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। मृतक की पहचान नया धौड़ा निवासी 40 वर्षीय सुरेंद्र सिंह के रूप में की गई है।

सुरेंद्र को परिजनों ने सुबह अचेत अवस्था में पाया : बीती रात वे अपने कमरे में सोए थे और सुबह परिजनों ने उन्हें अचेत पाया। उन्हें तत्काल शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सुरेंद्र सिंह जनता मजदूर संघ के सदस्य रहे हैं।

गैस रिसाव को रोकने के प्रयास अपर्याप्त साबित हो रहे: संजीव सिंह : इधर, घटना की सूचना मिलते ही झरिया के पूर्व विधायक संजीव सिंह एसएनएमएमसीएच पहुंचे और मृतक के

परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की। इस दौरान उन्होंने बीसीसीएल प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाए। संजीव सिंह ने कहा कि केंदुआडीह में गैस रिसाव की समस्या वर्षों से बनी हुई है, लेकिन इसे रोकने के लिए किए जा रहे प्रयास अपर्याप्त साबित हो रहे हैं। उन्होंने प्रबंधन पर केवल कागजी कार्रवाई करने का आरोप लगाया।

वहीं, स्थानीय निवासियों का कहना है कि गैस रिसाव रोकने के नाम पर केवल खानापूर्ति की जा रही है। अब तक कुल छह बोरिंग होल किए गए हैं, जिनमें से केवल दो में नाइट्रोजन भरी गई है। हालांकि, इससे कोई ठोस समाधान नहीं निकल पाया है। क्षेत्र में लगातार हो रही इन घटनाओं से लोग भयभीत हैं और स्थायी समाधान की मांग कर रहे हैं।

घाटशिला के किसान राजकपूर महतो की नींबू से लाखों की कमाई

घाटशिला, एजेंसी। मैं पूर्वी सिंहभूम जिले के डुमरिया प्रखंड अंतर्गत के अंतिम छोर पर पहाड़ी के ऊपर बसे बारुनिया गांव का 50 वर्षीय किसान हूं। मैट्रिक परीक्षा पास करने के बाद आर्थिक संकट के कारण आगे की पढ़ाई नहीं कर सका। परिवार चलाने की जिम्मेदारी भी मेरे कंधे पर थी। ज्यादा जमीन नहीं रहने के कारण ठीक से खेती भी परिवार नहीं कर पाता था। आर्थिक तंगी के कारण आगे की पढ़ाई छोड़ कर आज नींबू की खेती से सालाना लाखों रुपए का मुनाफा कमा रहा हूं। जिससे न केवल मेरा परिवार खुशहाल हुआ है, बल्कि पूरे गांव के किसानों मुझसे सलाह लेकर खेती करते हैं।

बंजर जमीन उगा रही सोना : मेहनत तथा लगन ने साबित कर दिया है कि बंजर जमीन भी सोना उगल सकती है। मेरे पास अधिकांश खेत पथरीला और बंजर था। पहाड़ी पर गांव होने के कारण सब्जी और अन्य फसलों के लिए पानी की भारी कमी थी। मैंने पथरीली जमीन पर नींबू की खेती शुरू की। क्योंकि नींबू के पौधों को बहुत कम पानी और विशेष रखरखाव की जरूरत होती है। लगभग दो एकड़ जमीन को समतल बनाकर सौ से अधिक नींबू के पौधे लगाए।

आज, 25 वर्षों से वे नींबू की खेती कर रहे हैं

और हर साल इन पौधों से दो लाख रुपए तक की आमदनी हो जाती है। नींबू भी पारंपरिक सामान्य प्रजाति का है। बंजर पहाड़ी जमीन पर सामान्य प्रजाति का पौधा से बेहतर उत्पादन होता है।राज कपूर नींबू के अलावा धान की खेती भी करते हैं।

धान वर्ष में एकबार बरसात के मौसम में किया जाता है। जिससे अपने घर की अनाज आवश्यकता पूरी होती है।सबसे खास बात यह है कि इसमें अलग से बीज या खाद खरीदने का कोई खर्च नहीं होता है। पिछले पांच वर्षों से पीएम कुसुम योजना का लाभ उठाकर अपने खेत पर सोलर पंप लगाया है। सोलर पंप से नियमित सिंचाई करने से नींबू का फल अधिक प्राप्त होने लगा है, जिससे उनकी आय में और वृद्धि हुई है।

नींबू खरीदने ओडिशा से आते हैं खरीदार : मेरी सफलता से प्रेरित होकर बारुनिया गांव के अन्य किसान भी अब नींबू की खेती कर रहे हैं। शत्रुघ्न महतो ने 80 पौधे, राम प्रसाद महतो ने 90 पौधे लगाए हैं। हरिपदो महतो के बगीचे में भी 60 नींबू के पौधे हैं। बाले बोयपाई, लोसो दिग्गी और राम महतो गांव के अन्य बड़े नींबू किसान हैं। सीजन में ओडिशा के खरीदार गांव से ही थोक भाव से नींबू खरीद कर ले जाते हैं, जिससे उन्हें बेचने के लिए कहीं जाने की जरूरत नहीं पड़ती है।

कौन हैं राजकपूर महतो : राजकुमार महतो स्वर्गीय बुधू महतो के बेटे है। उनके पिता भी किसान थे। 25 वर्ष पहले नींबू की खेती करने की प्रेरणा मिली। इसके बाद नींबू की खेती शुरू की। मेरी दो बेटियां और पत्नी निर्मला महतो खेती के काम में पूरा सहयोग देती हैं। एक बेटी की शादी कर चुके हैं।

दूसरी बेटी केजीवीबी जमशेदपुर में पढ़ रही है। वे अपने बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ खेती के भी गुर सिखाते हैं जिससे की भविष्य में वे उन्नत खेती कर सकें। आसपास के किसान अपनी जमीन जब भी खेती से जुड़ी सलाह लेने आते हैं तो उन्हें वे पूरी जानकारी देते हैं।

अक्षय खन्ना की जगह दृश्यम 3 में नजर आएंगे जयदीप अहलावत

बॉलीवुड में जब भी किसी बड़े प्रोजेक्ट से जुड़ा विवाद सामने आता है, तो चर्चाओं का बाजार अपने आप गर्म हो जाता है। इन दिनों ऐसा ही कुछ देखने को मिल रहा है फिल्म 'दृश्यम 3' को लेकर, जहां कास्टिंग को लेकर दिए गए एक बयान ने इंडस्ट्री में हलचल मचा दी है। फिल्म के निर्माता कुमार मंगत पाठक के हालिया बयान ने न सिर्फ सुर्खियां बटोरी हैं, बल्कि दो दमदार अभिनेताओं अक्षय खन्ना और जयदीप अहलावत की तुलना को लेकर बहस भी छेड़ दी है।

हाल ही में रिलीज हुई आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' में अक्षय खन्ना ने निगेटिव रोल निभाकर दर्शकों और समीक्षकों से जमकर तारीफें बटोरी थीं। रणवीर सिंह और संजय दत्त जैसे सितारों के साथ उनकी मौजूदगी को फिल्म की बड़ी ताकत माना गया। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की रिकॉर्डतोड़ कमाई के बाद यह चर्चा तेज हो गई थी कि अक्षय खन्ना एक बार फिर अपने करियर के पीक पर पहुंच चुके हैं।

दृश्यम 3 में नहीं होंगे अक्षय खन्ना

इसी बीच 'दृश्यम 3' को लेकर आई एक बड़ी खबर ने सबका ध्यान खींचा। निर्माता कुमार मंगत पाठक ने इस बात की पुष्टि की कि फिल्म में अक्षय खन्ना की जगह अब जयदीप अहलावत नजर आएंगे।

अक्षय पर साध दिया निशाना?

कुमार मंगत का यह बयान यहीं नहीं रुका। उन्होंने यह भी इशारा किया कि कुछ कलाकार मल्टी-स्टारर फिल्मों की सफलता के बाद खुद को सुपरस्टार समझने लगते हैं। उनके अनुसार, सिर्फ एक सफल फिल्म किसी अभिनेता को बॉक्स ऑफिस का गारंटी स्टार नहीं बना देती। यह टिप्पणी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई और फैंस दो गुटों में बंटते नजर आए।

पाताल लोक से बनाई पहचान

जयदीप अहलावत की बात करें तो उन्होंने वेब सीरीज और फिल्मों में अपने सशक्त अभिनय से अलग पहचान बनाई है। 'पाताल लोक', 'आक्रोश' और अन्य प्रोजेक्ट्स में उनके किरदारों को काफी सराहा गया है। दिलचस्प बात यह है कि जयदीप के करियर की शुरुआती फिल्मों में कुमार मंगत खुद निर्माता रह चुके हैं, जिससे दोनों के बीच प्रोफेशनल बॉन्ड भी पुराना है।

यश की 'टॉक्सिक' में एलिजाबेथ के किरदार में जलवा बिखेरेंगी हुमा कुरैशी

'केजीएफ' स्टार यश की मच अवेटेड फिल्म 'टॉक्सिक' को लेकर फैंस काफी उत्साहित हैं। यही कारण है कि फैंस फिल्म के हर एक अपडेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अभिनेत्री कियारा आडवाणी के बाद अब फिल्म से हुमा कुरैशी का फर्स्ट लुक सामने आया है। यहां देखिए इस लुक में क्या है खास..

मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर हुमा कुरैशी के लुक को जारी किया है। इस लुक में हुमा एक काले रंग की कार के पास हुमा एक मॉडर्न गाउन पहने खड़ी हैं और पोज दे रही हैं। पीछे एक परी की तरह की मूर्ति भी नजर आ रही है। हुमा के लुक को शेयर करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, 'पेश है टॉक्सिक- फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स में एलिजाबेथ के किरदार में हुमा कुरैशी।' इस लुक में हुमा किसी महारानी की तरह नजर आ रही हैं। उनका लुक उनके किरदार के दमदार होने का सबूत देता है। कियारा का लुक भी आ चुका है सामने इससे पहले फिल्म से कियारा आडवाणी का लुक भी सामने आ चुका है। अभिनेता यश ने ही कियारा आडवाणी के लुक को भी रिवील किया था। इसमें कियारा रैंप पर वॉक करती दिख रही थीं। उन्होंने ऑफ शोल्डर हाई स्लिट गाउन पहना हुआ था। रैंप वॉक करते हुए वह रो रही थीं। उनके चेहरे

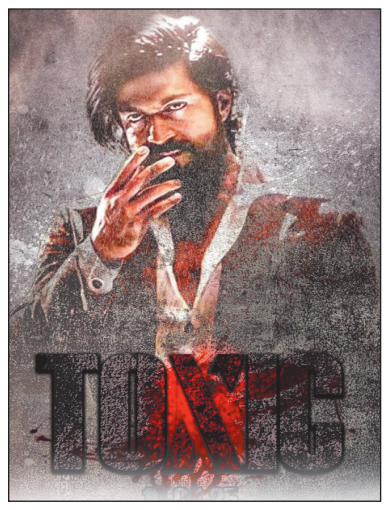

पर आंसू के निशान दिख रहे थे। हालांकि उनके पीछे जश्न का माहौल नजर आया था। पोस्टर शेयर करते हुए यश ने कैप्शन में लिखा था टॉक्सिक- फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स में नादिया के रूप में कियारा आडवाणी।

19 मार्च को रिलीज होगी फिल्म

गीतू मोहनदास द्वारा निर्देशित टॉक्सिक 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है। फिल्म में यश मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। हालांकि, अभी तक कहानी और कास्ट को लेकर ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। यश के अलावा अब तक कियारा आडवाणी और हुमा कुरैशी के लुक ही सामने आए हैं। इस फिल्म को काफी बड़े स्तर पर बनाया गया है। यही कारण है कि पहले इसी साल रिलीज होने वाली यह फिल्म प्रोडक्शन पूरा न होने के चलते मार्च 2026 तक के लिए आगे बढ़ गई।

प्रशंसकों के लिए खड़े होने के लिए छोड़ रहा हूं सिनेमा

तमिल सुपरस्टार थलापति विजय इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'जन नायकन' को लेकर चर्चाओं में हैं। यह फिल्म हिंदी में 'जन नेता' के नाम से रिलीज होगी। हाल ही में मलेशिया के कुआलालंपुर में फिल्म का भव्य ऑडियो लॉन्च इवेंट किया गया। इस कार्यक्रम में फिल्म की कास्ट और मेकर्स मौजूद रहे। इस दौरान अभिनेता ने बताया कि आखिर वो क्यों इस फिल्म के बाद सिनेमा और एक्टिंग छोड़ रहे हैं। विजय ने कहा कि अपने प्रशंसकों के लिए खड़े होने के लिए उन्होंने सिनेमा छोड़ने का फैसला किया है। इन प्रशंसकों ने उन्हें सब कुछ दिया है, यहां तक कि एक कोट्टई (किला या गढ़) भी। अभिनेता ने आगे कहा कि जब मैंने सिनेमा में कदम रखा, तो मुझे लगा कि मैं यहां एक छोटा सा रेत का घर बना रहा हूं। लेकिन आप सभी ने मेरे लिए एक महल बना दिया है। प्रशंसकों ने मुझे एक किला बनाने में मदद की। इसलिए मैंने उनके लिए खड़े होने का फैसला किया है। उन प्रशंसकों के लिए जिन्होंने मेरे लिए सब कुछ त्याग दिया, मैं सिनेमा को ही छोड़ रहा हूं। मलेशियाई प्रशंसकों को विशेष रूप से धन्यवाद देते हुए विजय ने कहा कि जीवन में सफल होने के लिए आपको शायद दोस्तों की जरूरत न हो, लेकिन एक शक्तिशाली दुश्मन की जरूरत होती है। जब कोई शक्तिशाली दुश्मन होता है, तभी आप और भी शक्तिशाली बनते हैं। इसलिए 2026 में इतिहास खुद को दोहराएगा। आइए हम जनता के लिए इसका स्वागत करने के लिए तैयार रहें। धन्यवाद मलेशिया। एच विनोथ द्वारा निर्देशित 'जन नायकन' में विजय के अलावा पूजा हेगड़े, बॉबी देओल, मामिता बैजू, प्रकाश राज, गौतम मेनन, प्रियामणि और नरेन भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। जन नायकन 9 जनवरी 2026 को पोंगल के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

रिलीज के 23 दिन बाद शोभिता धुलिपाला ने 'धुरंधर' का किया रिव्यू

शोभिता धुलिपाला ने 'धुरंधर' को लेकर एक पोस्ट सोशल मीडिया पर पोस्ट की है। इसमें वह फिल्म का एक छोटा सा रिव्यू शेयर करती हैं। क्या शोभिता को फिल्म पसंद आई। शोभिता धुलिपाला अपनी पोस्ट में लिखती हैं, ' वाह, वाह, वाह, माइंड ब्लोइंग, इंस्पायरिंग फिल्म है।' आगे वह पोस्ट में रणवीर सिंह और डायरेक्टर आदित्य धर को सैल्यूट करती हैं। उनके लिए हार्ट इमोजी शेयर करती हैं। साथ ही शोभिता धुलिपाला ने फिल्म की यंग एक्ट्रेस सारा अर्जुन के टैलेंट और ब्यूटी को सराहा है। फिल्म 'धुरंधर' में रणवीर सिंह लीड रोल में हैं। उनके अलावा राकेश बेदी, अक्षय खन्ना, आर. माधवन, अर्जुन रामपाल, सारा अर्जुन और डेनिश पंडोर जैसे उम्दा एक्टर्स भी फिल्म में नजर आए। फिल्म एक एक्शन, स्पाई ड्रामा फिल्म है। अगले साल रिलीज होगा फिल्म 'धुरंधर' का सीक्वल फिल्म धुरंधर के सीक्वल का एलान भी मेकर्स ने कर दिया है। फिल्म का दूसरा पार्ट अगले साल सिनेमाघरों में दस्तक देगा। सीक्वल को लेकर दर्शक एक्साइटेड हैं। बता दें कि धुरंधर 2 19 मार्च 2026 को रिलीज होगी। बॉक्स ऑफिस पर इसका मुकाबला साउथ एक्टर यश की फिल्म टॉक्सिक से होगा।

स्टाइल मेरे लिए पहली मोहब्बत जैसी रही है

शरमन जोशी के करियर को 25 साल पूरे हो चुके हैं। करियर की सिल्वर जुबली पर उन्होंने बातचीत की। इस बातचीत में शरमन जोशी ने पहली फिल्म 'स्टाइल', थिएटर और फिल्मी सफर के अलावा जिंदगी से जुड़े कई मुद्दों पर बात की।

25 साल बाद स्टाइल के बारे में सोचने पर कौन सा इमोशन आता है ?

मेरे मन में सबसे पहले कृतज्ञता आती है और दिल प्यार से भर जाता है। मैंने तो सोचा था कि जिंदगी में बस एक फिल्म कर लूं, वही बहुत होगा। लेकिन 'स्टाइल' की वजह से मुझे कई फिल्में मिलीं और 'थ्री इडियट्स' भी उसी कारण मिली। राजकुमार हिरानी सर ने कहा था कि उन्होंने 'स्टाइल' देखी थी और तभी उन्होंने सोचा था कि किसी अच्छे किरदार में मुझे लेना है इसलिए 'स्टाइल' मेरे लिए हमेशा पहली मोहब्बत जैसी रही है। यह मेरा पहला प्यार है।

थ्री इडियट्स सिर्फ एक फिल्म नहीं, इमोशंस हैं। कभी सोचा था कि राजू रस्तोगी का किरदार टाइमलेस बनेगा?

हमें शुरुआत में ही समझ आ गया था कि हम एक बढ़िया कहानी पर काम कर रहे हैं, लेकिन ऑडियंस कितना प्यार देगी, यह कोई नहीं जानता। यह तो फिल्म रिलीज होने के बाद पता चला। 15-16 साल बीत गए, लेकिन आज भी लोग इसे उसी गर्मजोशी से याद करते हैं जैसे फिल्म अभी आई हो। लोग प्यार से बातें करते हैं, अपने अनुभव बताते हैं और यह देखकर बहुत खुशी होती है कि राजू रस्तोगी आज भी लोगों के दिलों में उतना ही ताजा है। आज भी लोग मुझसे मिलकर बताते हैं कि इस फिल्म ने उनकी जिंदगी बदल दी। पहले मुझे लगता था कि फिल्में बस पहनावे या स्टाइल पर असर डालती हैं, उससे ज्यादा नहीं, लेकिन 'रंग दे बसंती' और 'थ्री इडियट्स' ने मेरी सोच बदल दी।

थिएटर ने कभी आपको किसी खराब फिल्म वाले दौर से बाहर निकाला?

हां, थिएटर ने मुझे एक मुश्किल समय से बाहर निकाला था। 'फरारी की सवारी' के बाद मैंने सोलो हीरों के तौर पर तीन फिल्में कीं और वो फ्लॉप रहीं। इस तकलीफ के बीच भी मैं थिएटर शो करता रहा। शो खत्म हुआ तो एक सह कलाकार मेरे पास आई और उन्होंने कहा कि उन्हें मुझ पर गर्व है। वे जानती थीं कि मेरे लिए यह समय कितना मुश्किल था, लेकिन फिर भी मैंने वही ऊर्जा बनाए रखी। यह अनुभव मुझे बहुत संभालने वाला था और सच में, थिएटर ने ही मुझे उस कठिन दौर से बाहर निकाला।

नए कलाकारों को क्या समझाना चाहेंगे?

नए कलाकारों को मैं बस एक बात कहना चहूंगा कि इस इंडस्ट्री में ग्लैमर जितना दिखता है, मेहनत उससे कहीं ज्यादा होती है। सिर्फ चमक-दमक देखकर बिना तैयारी आओगे, तो आगे चलकर मुश्किलें ही बढ़ेंगी।

नागिन सिर्फ एक शो नहीं बल्कि एक बड़ी विरासत है

टीवी इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री प्रियंका चाहर चौधरी इस समय अपने करियर के एक अहम मोड़ पर हैं। बिग बॉस के बाद उन्होंने दर्शकों के बीच एक अलग पहचान बनाई है। अब वह एकता कपूर के सुपरहिट शो 'नागिन 7' में प्रमुख भूमिका निभाने जा रही हैं। यह शो टीवी के सबसे चर्चित और सफल फ्रेंचाइजी में से एक माना जाता है। हाल ही में बातचीत में प्रियंका ने अपने इस सफर को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि यह मौका उनके लिए कितना खास है और इससे जुड़ी जिम्मेदारियों को वह किस तरह देखती हैं।

एकता कपूर ने कान में कही थी नागिन बनने की बात

प्रियंका बताती हैं कि नागिन बनने का पहला संकेत उन्हें बिग बॉस के घर में ही मिल गया था और वह पल आज भी उनके जहन में ताजा है। वह कहती हैं, 'मेरा पहला रिएक्शन शायद लोगों ने बिग बॉस में अपनी आंखों से देखा होगा। जब एकता मैम ने मेरे कान में आकर बहुत ही चुपके से कहा कि तुम नागिन के लिए चुनी जा चुकी हो और तुम मेरी अगली नागिन बनने वाली हो, उस वक्त मैं अंदर से खुशी से कांप रही थी। लेकिन उस खुशी को जाहिर नहीं कर सकती थी, क्योंकि वह एक राज था।'

बिग बॉस के बाद समझ आई इस मौके की असली अहमियत

शो से बाहर आने के बाद इस ऑफर की अहमियत और भी गहराई से समझ में आई। एक्ट्रेस आगे कहती हैं, 'बिग बॉस से बाहर आने के बाद जब इस बारे में बात आगे बढ़ी, तब मुझे पूरी तरह एहसास हुआ कि यह कितना बड़ा मौका है। सच कहूं तो मुझे अंदर ही अंदर लग रहा था कि यह एक वादा है, जो कभी न कभी पूरा होगा। लेकिन जब ऑफिशियल कॉल आया और वह कॉल काफी देर से आया, तब जाकर मुझे लगा कि अब यह सपना सच में हकीकत बनने जा रहा है। हालांकि इसका इंतजार काफी लंबा था।' नागिन जैसी आइकॉनिक फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनना प्रियंका के लिए सम्मान के साथ भारी जिम्मेदारी भी है। इस बारे में एक्ट्रेस ने कहा, 'मेरे दिमाग में सबसे पहला ख्याल यही आया कि यह सिर्फ एक शो नहीं, बल्कि एक बहुत बड़ी विरासत है। नागिन जैसी फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनना आसान नहीं होता। मैं खुद से पूछ रही थी कि क्या मैं इस जिम्मेदारी के साथ न्याय कर पाऊंगी। लेकिन इसी डर के साथ एक मजबूत आत्मविश्वास भी था। मैं चाहती हूं कि दर्शक जब मुझे नागिन के रूप में देखें, तो उन्हें कोई कमी महसूस न हो।'

मौनी रॉय आज भी मेरी सबसे पसंदीदा हैं

पुराने सीजनों को याद करते हुए प्रियंका कहती हैं, 'नागिन के अब तक जितने भी सीजन आए हैं, वे सभी अपने आप में आइकॉनिक हैं। हर नागिन ने इस किरदार को खास बनाया है। मेरी कोशिश यही है कि नागिन 7 भी उसी ऊंचाई तक पहुंचे और अपनी अलग पहचान बनाए।' अपनी पसंदीदा नागिन को लेकर प्रियंका ने कहा कि अगर मैं दिल से कहूं, तो सीजन वन की नागिन आज भी मेरे लिए सबसे खास हैं। मौनी रॉय ने उस किरदार को जिस खूबसूरती से निभाया, वह आज भी याद किया जाता है। वह न सिर्फ शानदार अभिनेत्री हैं, बल्कि एक बेहतरीन इंसान भी हैं। बिग बॉस 16 की कंटेस्टेंट से लेकर सीजन 19 में नागिन 7 को प्रमोट करने तक के अपने सफर पर प्रियंका ने कहा कि सलमान सर के साथ स्टेज शेयर करना हर बार उतना ही खास होता है। उनके सामने खड़ा होना, उनसे बात करना किसी भी कलाकार के लिए बहुत बड़ी बात है। मैं स्टेज पर जाने से पहले बहुत नर्वस थी, लेकिन अंदर ही अंदर बेहद एक्साइटेड भी थी।

आरएलएम में टूट और बहू साक्षी को बढ़ाने की चर्चा से भड़के उपेंद्र

पटना, एजेंसी। एनडीए की घटक दल और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा इन दिनों चर्चा में है। एक तरफ जहां आरएलएम में टूट की आशंका जाहिर की जा रही है तो वहीं कुछ मीडिया रिपोर्ट में यह भी दावा किया जा रहा है कि उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी पर परिवारवाद के आरोप लग रहे हैं। इस बात की चर्चा है कि उपेंद्र कुशवाहा ने पहले अपने बेटे दीपक प्रकाश को नीतीश मंत्रिमंडल में सेट किया और अब वो अपनी बहू साक्षी मिश्रा को कोई बड़ा पद दिलाना चाहते हैं। लेकिन अब राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा पार्टी में टूट और बहू साक्षी मिश्रा को बढ़ाने जैसी चर्चा पर भड़क गए हैं। कुशवाहा ने खुद एक्स पर इन तमाम मीडिया रिपोर्टों पर अपनी बात रखी है। उपेंद्र कुशवाहा ने एक्स पर लिखा, 'मीडिया के बन्धुओं, आज कल आप लोग कुछ ज्यादा ही मेहरबानी दिखा रहें हैं मुझ पर...! मेरी नहीं तो कम से कम अपनी प्रतिष्ठा का कुछ तो ख्याल रखिए जनाब ! आपको पता है न कि तथ्यहीन, बेबुनियाद और बनावटी खबरों से किसी का कुछ बिगड़ता नहीं है। क्योंकि वैसी खबरों की उम्र महज दस-पांच दिनों की ही होती है।' यहां आपको बता दें कि कुछ दिनों पहले उपेंद्र कुशवाहा के आवास पर लिट्टी-चोखा की पार्टी हुई थी। इस पार्टी में आरएलएम के तीन विधायक नहीं पहुंचे थे। इसके बाद कुशवाहा की पार्टी में टूट की अटकलें शुरू हुईं। इसके अलावा आरएलएम के कई कार्यकर्ताओं ने चिराग पासवान की पार्टी भी ज्वाइन कर ली थी। आरएलएम के विधायक माधव आनंद ने बीजेपी के नए राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन से भी मुलाकात की थी। जिसके बाद टूट की खबरों को और भी बल मिला था। पार्टी के ही बाजापट्टी से विधायक रामेश्वर महतो ने उपेंद्र कुशवाहा के बेटे दीपक प्रकाश को बिहार सरकार में मंत्री बनाए जाने पर भी सवाल खड़े किए। रामेश्वर महतो ने यहाँ तक कह दिया कि पार्टी में कार्यकर्ताओं का सम्मान कम हो रहा है। इतना ही नहीं यह भी आरोप लग रहे हैं कि उपेंद्र कुशवाहा अब अपनी बहू साक्षी मिश्रा को राज्य नागरिक परिषद का उपाध्यक्ष बनाने के जुगाड़ में हैं। यहां आपको बता दें कि आरएलएम के ही नेता माधव आनंद पहले इसके उपाध्यक्ष थे। लेकिन मधुबनी से माधव आनंद के विधायक बनने के बाद यह पद खाली है। कई मीडिया रिपोर्ट में कहा जा रहा था कि उपेंद्र कुशवाहा ने खाली हुए इस पद के लिए अपनी बहू के नाम का प्रस्ताव भेजा है।

निर्माणाधीन बिल्डिंग के बेसमेंट की दीवार गिरी; कुछ मजदूर दबे, एक की मौत

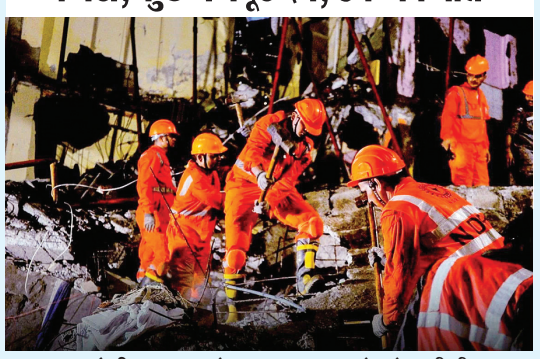

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम में सुशांत लोक फेज-2 में देर शाम एक निर्माणाधीन बिल्डिंग के बेसमेंट की दीवार गिरने से कुछ मजदूर मलबे में दब गए। हादसे की सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड, सिविल डिफेंस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। राहत और बचाव कार्य चलाकर मजदूरों को बाहर निकाला जा रहा है। सिविल डिफेंस अधिकारी मोहित शर्मा ने बताया कि अभी तक एक मजदूर की लाश निकाली गई है। अधिकारी ने बताया कि दो मजदूरों को जिंदा निकाला गया है। दोनों अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। ये तीनों मजदूर बिहार के रहने वाले हैं। सर्च अभियान अभी भी जारी है। पता लगाया जा रहा है कि इस साइट पर कुल कितने मजदूर काम कर रहे थे। गुरुग्राम में इस साल बेसमेंट की दीवार गिरने या मिट्टी ?खिसकने के कई जानलेवा हादसे हुए हैं। ऐसे हादसे निमार्ण में नियमों की अनदेखी की तरफ इशारा करते हैं। निर्माण कार्यों के दौरान बरती गई लापरवाही और नियमों के उल्लंघन से कई मजदूरों की जान जा चुकी है। इसी साल 8 मई को गुरुग्राम में सेक्टर-27 में एक निर्माणाधीन मकान के बेसमेंट की मिट्टी खिसकने से दीवार ढह गई थी। इसमें वहां काम कर रहे चार मजदूर और मिस्त्री नीचे दब गए, जबकि आठ लोग बाल-बाल बच गए। इस हादसे में एक मजदूर की मौत हुई थी। इसके बाद 1 जून को सेक्टर-57 में एक निर्माण स्थल पर बेसमेंट में मिट्टी की दीवार गिरने से बिहार के दो मजदूरों की मौत हुई थी। दोनों बिहार के अररिया जिले के रहने वाले थे।

सूरजकुंड मेले में इस बार 100 कमर्शियल स्टॉल

झूले भी होंगे ज्यादा

सूरजकुंड , एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय सूरजकुंड मेला 31 जनवरी से 15 फरवरी तक आयोजित होगा। इसके लिए तैयारियां अंतिम चरण में हैं। इस बार यूपी और मेघालय को थीम राज्य और मिस्त्र को सहयोगी देश चुना गया है। मेले में हस्तशिल्प के साथ करीब 100 कमर्शियल स्टॉल भी होंगे, जिनके लिए हरियाणा पर्यटन निगम ने आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। पर्यटकों की सुविधा के लिए अम्यूजमेंट पार्क का विस्तार किया जा रहा है ताकि झूलों की संख्या बढ़ सके। मेला परिसर को ग्रामीण रंग देने के लिए दीवारों पर लिपाई का काम पूरा हो चुका है और जल्द सजावट शुरू की जाएगी। अंतरराष्ट्रीय सूरजकुंड मेले में हस्तशिल्प कला के साथ करीब सौ व्यावसायिक (कमर्शियल) स्टॉल भी देखने को मिलेंगे। पर्यटक हस्तशिल्प कला के साथ इन स्टॉल से घर के अलावा आवश्यक वस्तुओं की भी खरीदारी कर सकेंगे। इसके लिए हरियाणा पर्यटन निगम ने आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। मेला परिसर में कमर्शियल स्टॉल गेट नंबर एक और दो के पास लगाए जाएंगे। जगह अधिक होने से झूलों की संख्या बढ़ने के साथ आवाजाही भी आसान होगी।

लिपाई का काम पूरा हो चुका

मेला परिसर को ग्रामीण माहौल देने के लिए स्टॉल्स और मेला परिसर की दीवारों पर मिट्टी और गोबर की लिपाई की जाती है। इसका काम लगभग पूरा हो चुका है। मुख्य चौपाल पर राजस्थान के

कोटा पत्थर और ग्रेनाइट लगाने का भी काम तेजी से चल रहा है। सप्ताह के मेला परिसर को सजाने का काम शुरू हो जाएगा। यह काम 10 से 15 दिनों में पूरा हो जाएगा। वहीं जनवरी के दूसरे

तैयारियां तेज

अंतरराष्ट्रीय सूरजकुंड मेले के आयोजन को लेकर कई स्तर पर तैयारियां चल रही हैं। हट्स पर छान बांधने का काम जारी हैं। वहीं अस्थायी स्टॉल को स्थायी करने का काम अंतिम चरणों में चल रहा है। इस बार अंतरराष्ट्रीय मेला 31 जनवरी से 15 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा। इस साल उत्तर प्रदेश और मेघालय को थीम राज्य, जबकि मिस्त्र को सहयोगी देश चुना गया है। हरियाणा पर्यटन निगम ने अब हस्तशिल्पियों के साथ मेले में कमर्शियल स्टॉल के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। इच्छुक व्यक्ति वेबसाइट पर जाकर स्टॉल के लिए आवेदन कर सकते हैं। पर्यटन निगम ने मेले में लगने वाले अम्यूजमेंट पार्क को विस्तार देने का फैसला किया है, ताकि अधिक झूले लगाए जा सके। इसके अलावा पर्यटकों को आवाजाही में कोई परेशानी न हो। अम्यूजमेंट पार्क के लिए जगह कम होने की वजह से शनिवार एवं रविवार को पर्यटकों की संख्या अधिक होने पर पर्यटकों को आवाजाही में परेशानी होती है।

पहलगाम आतंकी हमले के समर्थक को छुड़ा ले गए 'बांग्लादेशी'

असम पुलिस पर हमला; 10 अरेस्ट

लखीमपुर, एजेंसी। असम के लखीमपुर जिले में पुलिस पर हमले और आतंकी समर्थक कंटेंट पोस्ट करने के आरोपी को जबरन

छुड़ाने का मामला सामने आया है। इस मामले में बांग्लादेशी मूल के 10 लोगों को सोमवार को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार यह हमला पूरी तरह से योजनाबद्ध था। घटना 27 दिसंबर को लखीमपुर के बोंगालमोरा इलाके में हुई। पुलिस को खुफिया सूचना मिली थी कि बहारुल इस्लाम सोनापुर क्षेत्र में छिपा हुआ है। बहारुल इस्लाम पर पहलगाम आतंकी हमले के समर्थन में पोस्ट करने का आरोप है। उसने फर्जी अकाउंट से पोस्ट की थीं, जिसमें आतंकी हमले की तारीफ की गई थी। वह लंबे समय से फरार था।

खुफिया जानकारी के आधार पर पुलिस टीम ने उसे सोनापुर इलाके में ट्रेस कर हिरासत में लिया। लेकिन जैसे ही पुलिस उसे ले जाने लगी, 10 से अधिक लोगों की भीड़ ने टीम पर हमला कर दिया। लाठी-डंडों से लैस भीड़ ने पुलिस को पीटा और आरोपी को जबरन छुड़ा लिया।

रिपोर्ट के मुताबिक, लखीमपुर के एसएसपी गुनेन्द्र डेका ने बताया- आतंकी हमले के बाद कई लोगों ने सोशल मीडिया पर समर्थन किया था। बहारुल इस्लाम उनमें से एक था।

हिमाचल में बदलने वाला है मौसम

पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव, जल्द गिरेगी बर्फ

शिमला , एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी का इंतजार अब खत्म होने वाला है, लेकिन इससे पहले मौसम ने एक हैरान करने वाला मोड़ ले लिया है। बर्फ के लिए तरस रहे हिल स्टेशन शिमला की रातें मैदानी इलाकों से भी अधिक गर्म हो गई हैं। यहां न्यूनतम तापमान बढ़कर 10 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, जो सामान्य से 6 डिग्री ज्यादा है।

मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार, आज से प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो गया है। इसके चलते आने वाले दिनों में मौसम पूरी तरह बदलने वाला है। विभाग का कहना है कि 3 2 जनवरी तक राज्य के कई हिस्सों में बारिश और बर्फबारी के आसार हैं, जबकि 31 दिसंबर और 1 जनवरी को पूरे प्रदेश में मौसम खराब रह सकता है। खासतौर पर ऊंचे और मध्य पर्वतीय इलाकों में बर्फबारी के प्रबल संकेत हैं। वहीं मैदानी और निचले क्षेत्रों में बारिश हो सकती है। 3 और 4 जनवरी को मौसम साफ रहने की संभावना है, जबकि 5 जनवरी से फिर कुछ स्थानों पर बादल बरस सकते हैं। इस पूर्वानुमान से नए साल में बर्फबारी की उम्मीद जगी है। दिसंबर महीने में अब तक पर्यटन स्थलों शिमला में बर्फ का एक भी फाहा नहीं गिरा और यह लगातार चौथा साल है जब शिमला में दिसंबर में बर्फबारी नहीं हुई है।

इससे सैलानी सीजन की पहली बर्फबारी के दीदार के लिए तरसते रहे हैं।

मौसम विभाग ने यह भी चेतावनी दी है कि 31 दिसंबर से 2 जनवरी तक प्रदेश में शीतलहर का येलो अलर्ट रहेगा और बर्फबारी के बाद ठंड और तेज हो सकती है। इस बीच प्रदेश के निचले इलाकों में कोहरे की समस्या भी बनी हुई है और मंगलवार को बिलासपुर में दृश्यता घटकर 50 मीटर तथा मंडी में 70 मीटर दर्ज की गई। राज्य में आज सुबह ज्यादातर इलाकों में बादल छाए रहे, मैदानी क्षेत्रों में कोहरा और जनजातीय जिलों लाहौल-स्पीति व किन्नौर में मौसम खराब रहा, जबकि शिमला में बादलों के बीच हल्की धूप खिली।

बड़ा बनना बड़ी बात नहीं है

आप कितने दिनों तक बड़े बने रहते हैं ये बहुत बड़ी बात है: धीरेंद्र शास्त्री

रायपुर, एजेंसी। मध्य प्रदेश के छतरपुर स्थित बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री उर्फ बाबा बागेश्वर इन दिनों छत्तीसगढ़ के भिलाई में हैं, जहां पर वे पांच दिवसीय हनुमंत कथा का आयोजन कर रहे हैं। पंडित शास्त्री अक्सर अपने रोचक व चुटीले बयानों की वजह से खबरों में बने रहते हैं। और उन्होंने एकबार फिर एक वैसा ही कुछ किया है। दरअसल हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान जब उनसे बलात्कार के मामले में जेल की सजा काट रहे स्वयंभू संत आसाराम बापू को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने इस बेहद गंभीर सवाल का जवाब एकबार फिर अपने चिरपरिचित लहजे में दिया। इसका जवाब देते हुए उन्होंने क्रिकेट के सिद्धांत का उदाहरण देते हुए बड़े पद पर पहुंचने वालों को तीन चीजों से बचने की सलाह दी और कहा कि बड़ा बनना बड़ी बात नहीं है, आप कितने दिनों तक बड़े बने रहते हैं ये बहुत बड़ी बात है।

एक इंटरव्यू के दौरान जब उनसे पूछा गया कि 'महाराज एक सवाल बार-बार आता है कि कुछ संत या महात्मा एक शिखर पर पहुंचने के बाद ऐसे अजीबोगरीब विवाद में घिर जाते हैं, जो ना केवल बहुत शर्मनाक होते हैं बल्कि वे उनकी सालों की प्रतिष्ठा को धूल में मिला देते हैं। इनमें से एक नाम आसाराम बापू का है और उनके अलावा और भी ऐसे बहुत सारे संत हैं, जो एक शिखर पर पहुंचने के बाद इस तरह से विवादों में फंस गए और फिर उनका पतन हो गया। आपको क्या लगता है वे कैसे इन परिस्थितियों में फंस जाते हैं?' इस सवाल के जवाब में पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, 'प्रसिद्धि पाए हुए व्यक्ति को चाहे वह किसी भी मार्ग का हो, चाहे वह धर्म का हो, चाहे राजपीठ के मार्ग का हो या कोई भी हो, जब तक आप तीन चीजों से नहीं बचोगे, तब तक आप खुद को बड़ा नहीं रख पाओगे।

दो शहरों में एआई सिटी, 30000 करोड़ से डेटा सेंटर; सीएम योगी ने सेट किया नए साल का रोडमैप

लखनउ, एजेंसी। नए वर्ष 2026 से एक दिन पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की जनता के नाम एक विशेष पत्र 'योगी की पाती' साझा किया है। इसके जरिए मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश को तकनीक और नवाचार का वैश्विक केंद्र बनाने का संकल्प दोहराया है। सीएम योगी ने स्पष्ट कर दिया है कि आगामी वर्ष में सरकार का पूरा फोकस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), सेमीकंडक्टर और डेटा सेंटर जैसे भविष्योन्मुखी क्षेत्रों पर रहने वाला है। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में घोषणा की है कि उत्तर प्रदेश के दो प्रमुख शहरों लखनऊ और नोएडा को 'एआई सिटी' के रूप में विकसित करने की तैयारी

है। इसका उद्देश्य उत्तर प्रदेश को वैश्विक आईटी मैप पर सबसे आगे लाना है। इसके साथ ही जेवर में 3700 करोड़ की लागत से सेमीकंडक्टर यूनिट का निर्माण कार्य भी तेजी से आगे बढ़ रहा है, जो राज्य के औद्योगिक परिदृश्य को बदल देगा।सीएम योगी ने बताया कि प्रदेश की 'सुरक्षित डेटा सेंटर' नीति के कारण निवेशकों का विश्वास बढ़ा है। राज्य सरकार ने डेटा सेंटर क्षेत्र में 30000 करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य रखा है। वर्तमान में 5 हाइपरस्केल डेटा सेंटर पार्क का व्यावसायिक उपयोग शुरू हो चुका है। इसके अतिरिक्त, प्रदेश के 9 अन्य शहरों में 'सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क' स्थापित किए गए हैं, जो स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खोल रहे हैं। तकनीक को आम जनजीवन से जोड़ते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि 'एआई प्रज्ञा' कार्यक्रम के माध्यम से प्रदेश के 10 लाख नागरिकों को एआई (एआई) प्रशिक्षण दिया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश का युवा न केवल तकनीक का इस्तेमाल करे, बल्कि उसमें दक्ष भी बने। ड्रोन, रोबोटिक्स और मोबाइल उत्पादन में भी उत्तर प्रदेश नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के युवाओं से वर्ष 2026 के लिए एक विशेष संकल्प लेने का आह्वान किया है।

गाजियाबाद में 2 महीने से लापता था 11 साल का बच्चा, जंगल में मिला कंकाल

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद के मसूरी थानाक्षेत्र के गांव समयपुर कटियारा से करीब दो महीने से लापता 11 वर्षीय बच्चे का कंकाल रविवार देर शाम जंगल में पड़ा मिला। परिजनों ने कपड़ों के आधार पर बच्चे की शिनाख्त की। परिजनों ने अगवा कर बच्चे की हत्या का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। पुलिस का कहना है कि फोरेंसिक जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत का कारण स्पष्ट होने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। सीमा देवी ने चार नवंबर को मसूरी थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उनका कहना था कि उनका 11 वर्षीय बेटा लविश तीन नवंबर को घर के बाहर खेल रहा था। दोपहर करीब दो बजे वह संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। काफी देर तक दिखाई न देने पर खोजबीन शुरू की गई। सीमा के मुताबिक सभी संभावित स्थानों पर तलाश करने के बाद भी बेटे का कुछ पता नहीं चला। थक-हारकर उन्होंने मसूरी थाने में शिकायत दी। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर बच्चे की तलाश शुरू कर दी थी। काफी प्रयास के बाद भी बच्चे का कोई सुराग नहीं लग सका। वहीं, 28 दिसंबर की देर शाम नूरपुर-चितौड़ा के जंगल में एक बच्चे का कंकाल पड़ा मिलने से सनसनी फैल गई। ग्रामीणों की सूचना पर मसूरी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की।

बीएमसी का रण: 227 सीटों पर भाजपा और शिवसेना तैयार

अलग लड़ रहे अजित पवार

मुंबई , एजेंसी। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी बृहमुंबई महानगरपालिका चुनाव में 137 जबकि शिवसेना 90 सीट पर उम्मीदवार उतारेगी। मुंबई भाजपा के अध्यक्ष अमित सातम ने नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 30 दिसंबर से एक दिन पहले काफी विचार-विमर्श के बाद सीट बंटवारे का फॉर्मूला साझा किया। महाराष्ट्र में बीएमसी समेत 29 नगर निकायों के चुनाव 15 जनवरी को होंगे। मतगणना अगले दिन होगी।

सातम ने कहा कि दोनों दल अपने-अपने कोटे से कुछ सीट गठबंधन साझेदारों को आवंटित करेंगे। दोनों दलों के उम्मीदवार मंगलवार को नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। सत्तारूढ़ गठबंधन 'महायुति' में शामिल एक और दल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) बीएमसी चुनाव अलग लड़ रहा है। राकांपा अब तक 64 उम्मीदवार उतार चुकी है।

शिवसेना और राकांपा नासिक महानगरपालिका चुनाव साथ लड़ेंगी

नासिक नगर निगम (एनएमसी) चुनावों में महायुति के सहयोगी दलों भारतीय जनता पार्टी और शिवसेना-राकांपा तथा महा विकास आघाडी के बीच त्रिकोणीय मुकाबला होता दिखायी दे रहा है। नेताओं ने सोमवार को यह कहा। भाजपा ने चुनाव में अकेले उतरने का फैसला किया है, जबकि उसके सहयोगी दल, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) और शिवसेना एक साथ आ गए हैं। दूसरी ओर, सूत्रों के अनुसार, महा विकास आघाडी (एमवीए) ने चुनाव साथ-साथ लड़ने का लगभग फैसला कर लिया है। राज्य के मंत्री और राकांपा नेता नरहरि जिरवाल ने कहा कि भाजपा ने गठबंधन को लेकर कोई संदेश नहीं दिया है। नामांकन दाखिल करने के एक दिन पहले शिवसेना (एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली) और राकांपा ने नासिक महानगरपालिका (एनएमसी) चुनाव एक साथ लड़ने का फैसला किया है।

उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'कौन कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगा, इस पर कोई सवाल ही नहीं है। हम चुनाव जीतने की क्षमता के फॉर्मूले के आधार पर लड़ रहे हैं। उसी के अनुसार सीटों का बंटवारा किया जाएगा।' शिवसेना के

पूर्व सांसद हेमंत गोडसे ने भी जिरवाल की बात दोहराते हुए भाजपा पर 'सकारात्मक प्रतिक्रिया' न देने का आरोप लगाया। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने मुंबई महानगरपालिका चुनाव के लिए सोमवार को 27 उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की, जिसके साथ ही नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि से एक दिन पहले कुल उम्मीदवारों की संख्या बढ़कर 64 हो गई है। इससे पहले, मुंबई भाजपा के अध्यक्ष अमित सातम ने राकांपा के साथ किसी भी तरह के गठबंधन से इनकार करते हुए कहा था कि पार्टी के नेता नवाब मलिक बृहन्मुंबई महानगरपालिका चुनाव के लिए पार्टी के चुनाव प्रबंधन के प्रभारी हैं। मलिक पर धनशोधन में शामिल होने और दाऊद इब्राहिम के सहयोगियों से संबंध रखने का आरोप है। बीएमसी चुनाव अकेले लड़ने का ऐलान कर चुकी कांग्रेस ने अचानक डुक्क यानी वंचित बहुजन अघाड़ी से हाथ मिला लिया। अंतिम तिथि से महज चंद दिन पहले कांग्रेस ने अकेले चुनाव लड़ने के अपने फैसले में बदलाव कर स्थानीय पार्टी कार्यकर्ताओं को स्तब्ध कर दिया। पार्टी ने प्रकाश आंबेडकर के नेतृत्व वाली वीबीए के साथ गठबंधन कर उसे 62 सीट दे दीं। नेताओं के अनुसार, कांग्रेस ने वीबीए के अलावा राष्ट्रीय समाज पक्ष (आरएसपी) को 10 सीट और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (गवई गुट) को दो सीट दी हैं, जिससे पार्टी की मुंबई इकाई के पदाधिकारी असंतुष्ट हैं।

महाराणा प्रताप का अपमान करने का इरादा नहीं था

महाराणा प्रताप की विरासत वाले बयान पर पंजाब के राज्यपाल ने मांगी माफी

जालंधर, एजेंसी। पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने मेवाड़ के शासक महाराणा प्रताप

के बारे में अपनी हालिया टिप्पणियों को लेकर हुए विवाद के बाद माफी मांग ली। राजस्थान के उदयपुर से आने वाले कटारिया ने स्पष्ट किया कि उनका महाराणा प्रताप का अपमान करने का इरादा नहीं था। उन्होंने कहा, 'अगर ये शब्द कि 'हम महाराणा प्रताप की विरासत को सामने ले आए' आपत्तिजनक लगे हों, तो मैं माफी मांगता हूं। मेरा ऐसा कोई इरादा नहीं था।'

कटारिया ने उदयपुर के गोगुंदा में 22 दिसंबर को एक कार्यक्रम में कहा था कि महाराणा प्रताप की विरासत को पहली बार भाजपा सरकार के शासन के दौरान सामने लाया गया। उन्होंने कहा था, 'हमने गोगुंदा में विकास के लिए धनराशि आवंटित की। तब से हल्दीघाटी, कुंभलगढ़ और चावंड जैसी जगहें प्रसिद्ध हो गई हैं।' इस बयान पर विभिन्न सामाजिक संगठनों ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। अध्यक्ष राज शेखावत ने सोशल मीडिया पर कटारिया के खिलाफ धमकी भरा पोस्ट किया था।

दुनिया की नंबर 1 लीग बनने के करीब आईपीएल

1.52 लाख करोड़ हुई वैल्यू, जानिए टॉप 5 नाम

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग वर्ल्ड स्पोर्ट्स बिजनेस में दिग्गज बन चुकी है. हालिया वैल्यूएशन रिपोर्ट्स के मुताबिक, आईपीएल की कुल ब्रांड वैल्यू अब लगभग 1.52 लाख करोड़ रुपए पहुंच गई है, जो इसे दुनिया की दूसरी सबसे वैल्युएबल स्पोर्ट्स लीग बनाती है. यह उपलब्धि मीडिया राइट्स, स्पॉन्सरशिप और फैन बेस की बदौलत हासिल हुई है. इंडियन प्रीमियर लीग वर्ल्ड स्पोर्ट्स बिजनेस में दिग्गज बन चुकी है. हालिया वैल्यूएशन रिपोर्ट्स के मुताबिक, आईपीएल की कुल ब्रांड वैल्यू अब लगभग 1.52 लाख करोड़ रुपए पहुंच गई है, जो इसे दुनिया की दूसरी सबसे वैल्युएबल स्पोर्ट्स लीग बनाती है. यह उपलब्धि मीडिया राइट्स, स्पॉन्सरशिप और फैन बेस की बदौलत हासिल हुई है. दुनिया की वैल्युएबल स्पोर्ट्स लीग के मामले में आईपीएल अब अमेरिकी लीग ह्स्नरु के बहुत करीब पहुंच चुकी है और जल्द ही नंबर 1 बनने की राह पर है. अमेरिकी नेशनल फुटबॉल लीग लंबे समय से नंबर 1 पर काबिज है. ह्स्नरु की कुल ब्रांड वैल्यू अब लगभग 1.79 लाख करोड़ रुपए है. दुनिया की वैल्युएबल स्पोर्ट्स लीग के मामले में आईपीएल अब अमेरिकी लीग एनएफएल के बहुत करीब पहुंच चुकी है और जल्द ही नंबर 1 बनने की राह पर है. अमेरिकी नेशनल फुटबॉल लीग लंबे समय से नंबर 1 पर काबिज है.

पेशेवर फुटबॉल में 1000 गोल का आंकड़ा छूना चाहते हैं रोनाल्डो, दृढ़ संकल्प व्यक्त किया

रियाद, एजेंसी। पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने भरोसा जताया है कि वह अपने करियर में 1000 गोल का आंकड़ा पार करने में सफल होंगे। पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो पेशेवर फुटबॉल में 1000 गोल करने का आंकड़ा छूना चाहते हैं। रोनाल्ड ने इसके लिए दृढ़ संकल्प व्यक्त किया है। पुर्तगाल के इस 40 साल के महान खिलाड़ी को पूरा विश्वास है कि वह इस लक्ष्य को हासिल कर लेंगे। उनके नाम शीर्ष स्तर के पेशेवर फुटबॉल में 956 गोल है।

एसए-20

श्रेयस अय्यर की वापसी, पंत और अक्षर पटेल बाहर

एआई ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे के लिए भारतीय टीम चुनी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम 2026 की शुरुआत वनडे क्रिकेट से करेगी। न्यूजीलैंड की टीम 3 मैचों की वनडे और 5 मैचों की टी20 सीरीज के लिए भारत आएगी। वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान नहीं हुआ है। शुभमन गिल की अगुआई वाली टीम का ऐलान जनवरी के पहले हफ्ते में होने की संभावना है। इससे पहले आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने दिलचस्प भारतीय टीम चुनी है। उसने श्रेयस अय्यर को चुना है, लेकिन ऋतुराज गायकवाड़ को भी मौका दिया है। चैटजीपीटी ने 15 खिलाड़ियों में 2 विकेटकीपर केएल राहुल और इशान किशन को चुना है। उसने श्रेयस अय्यर को चुना है, लेकिन ऋतुराज गायकवाड़ को भी मौका दिया है। उसने ऋषभ पंत को टीम से बाहर रखा है। इसके अलावा अक्षर पटेल की वापसी नहीं कराई है। उसने रविंद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर और कुलदीप यादव को स्पिनर के तौर पर चुना। उसने चार तेज गेंदबाजों में मोहम्मद सिराज को भी मौका दिया।

एआई से चुनी गई भारतीय टीम

बल्लेबाज / ऑलराउंडर

- शुभमन गिल (कप्तान) – फिट होकर वापसी के बाद टीम की कप्तानी करेंगे।
- रोहित शर्मा – सीनियर ओपनर।
- विराट कोहली – मिडिल ऑर्डर में अहम खिलाड़ी।
- यशस्वी जायसवाल – संभावित ओपनिंग पार्टनर।
- ऋतुराज गायकवाड़ – फॉर्म में हैं और चुने जाने की संभावना है।
- श्रेयस अय्यर – चोट के बाद वापसी की उम्मीद है।

विकेटकीपर / बल्लेबाज

केएल राहुल (विकेटकीपर) – पहली पसंद के विकेटकीपर-बल्लेबाज।
इशान किशन – हालिया फॉर्म के कारण संभावित बैकअप विकेटकीपर।

ऑलराउंडर / स्पिनर

- रविंद्र जडेजा – मुख्य स्पिन ऑलराउंडर।
- वाशिंगटन सुंदर – स्पिन सपोर्ट / ऑलराउंड विकल्प।
- कुलदीप यादव – मुख्य स्पिनर।

तेज गेंदबाज

- अर्शदीप सिंह – संभावित मुख्य तेज गेंदबाज।
- हर्षित राणा – उभरते हुए तेज गेंदबाज, चुने जाने की संभावना है।
- मोहम्मद सिराज – तेज गेंदबाजी आक्रमण के लिए मजबूत दावेदार।
- प्रसिद्ध कृष्णा – तेज गेंदबाजी को सपोर्ट करने के लिए संभावित खिलाड़ी।

ये जानकारी भी दी

टी20 सीरीज और टी20 वर्ल्ड कप से पहले वर्कलोड मैनेज करने के लिए हार्दिक पांड्या और जसप्रीत बुमराह को वनडे मैचों में आराम दिया जा सकता है। ऋषभ पंत की जगह खतरे में है। अभी इशान किशन के चुने जाने की संभावना ज्यादा है। अगर श्रेयस अय्यर फिट रहे तो वापसी करेंगे और मिडिल ऑर्डर को मजबूत करेंगे।

गांगुली की कोचिंग वाली प्रिटोरिया कैपिटल्स की लगातार दूसरी हार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने साउथ अफ्रीका टी20 लीग 2025-26 से कोच के रूप में अपने करियर का आगाज किया है। लीग में वह प्रिटोरिया कैपिटल्स के मुख्य कोच हैं। गांगुली की बतौर हेड कोच पारी की शुरुआत अच्छी नहीं रही है। उनकी टीम प्रिटोरिया को लगातार दूसरे मैच में हार का सामना करना पड़ा है। प्रिटोरिया कैपिटल्स और सनराइजर्स इस्टर्न कैप के बीच सोमवार को ग्केबेरहा में मुकाबला खेला गया। सनराइजर्स इस्टर्न कैप ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला लिया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए सनराइजर्स ने क्विंटन डि कॉक और मैथ्यू ब्रिट्ज्के की तूफानी अर्धशतकीय पारियों की बदौलत 6 विकेट के नुकसान पर 188 रन बनाए। पारी की शुरुआत करने डि कॉक ने 47 गेंद पर 6 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 77 रन बनाए। मैथ्यू ब्रिट्ज्के तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए थे। उन्होंने 33 गेंद पर 1 छक्का और 7 चौकों की मदद से 52 रन की पारी खेली। डि कॉक और ब्रिट्ज्के के बीच दूसरे विकेट के लिए 116 रन की साझेदारी हुई। इसी साझेदारी की बदौलत टीम 188 तक पहुंच पाई। जॉर्डन हरमन ने भी 20 गेंद पर 1 छक्का और 5 चौकों की मदद से 37 रन बनाए।
प्रिटोरिया कैपिटल्स के लिए टाइमल मिल्स ने 2, और लुंगी एंगिडी, विहान लुबे, और ब्रायस पार्संस ने 1-1 विकेट लिए। 189 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी प्रिटोरिया को पहला झटका ब्रायस पार्संस के रूप में 3 के स्कोर पर लगा। वह 1 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद विल स्मीड और शाई होप ने दूसरे विकेट के लिए 47 रन की साझेदारी कर पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन इन दोनों के आउट होने के बाद कोई बल्लेबाज क्रीज पर टिक नहीं सका। पूरी टीम 18 ओवर में 140 रन पर सिमट गई और 48 रन से मैच हार गई।
विल स्मीड ने 27 गेंद पर 35 और होप ने 19 गेंद पर 36 रन बनाए। 7 बल्लेबाज 2 अंकों में नहीं जा सके। सनराइजर्स के लिए एडम मिल्ने ने 4, थारिंदु रथ्नायके ने 2, जबकि मार्को जानसेन, सेनुरन मुथुसामी और लेविस ग्रेगोरी ने 1-1 विकेट लिए।

'कोई शर्म नहीं, कोई सफाई नहीं...'

देह से दाम कमाया

फिर ओलंपिक में मेडल झटका, अब इस 'सच' से मचा हड़कंप

नई दिल्ली, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक 2024 में पोल वॉल्ट के आसमान को चीरती एलिशा न्यूमैन सिर्फ एक एथलीट नहीं थीं- वो एक घोषणा थीं. एक चुनौती. एक ऐसा सवाल, जिसने खेल की 'सभ्यता' और 'संस्कार' दोनों को कठघरे में खड़ा कर दिया. कनाडा को ब्रॉन्ज मेडल दिलाने वाली एलिशा न्यूमैन ने बाद में जो सच बताया, उन्होंने खेल जगत में भूकंप ला दिया- ओलंपिक तक पहुंचने का रास्ता ओनली फैंस से होकर गया था. हां, वही ओनली फैंस, जिसे लेकर फुसफुसाहटें होती हैं, भौंहें तनती हैं. एलिशा ने बिना झिझक कहती हैं ,'ओनली फैंस से जो पैसा आया, उसने मेरी ट्रेनिंग को सांस दी. वो किसी टॉप स्पॉन्सर से कम नहीं था- बल्कि ज्यादा ईमानदार था.' महज 21 हजार डॉलर (करीब 18 लाख रु.) एक ओलंपिक एथलीट के सपनों के लिए ये रकम मजाक जैसी है. ट्रैवल, कोच, इक्विपमेंट, रिकवरी- सब महंगा. ऐसे में एलिशा ने वही किया, जो बहुतों के लिए अस्वीकार्य था, लेकिन उनके लिए जरूरी. उन्होंने अपनी खूबसूरती को छुपाया नहीं- बेचा नहीं, बल्कि ब्रांड बनाया.

खेल जगत में महिलाओं को अक्सर दो खांचों में बांटा जाता है- या तो 'सीरियस एथलीट' बनो, या 'ग्लैमरस चेहरा'. एलिशा ने दोनों को एक साथ जीने का ऐलान कर दिया- वह कहती हैं- 'मैंने तय किया कि मैं किसी एक पहचान में कैद नहीं रहूंगी....मेरी बॉडी मेरी है.. मेरी छवि मेरी है और कमाई भी मेरी होगी.' एलिशा न्यूमैन सिर्फ मेडल जीतने वाली खिलाड़ी नहीं रहीं, वो उस सिस्टम की पोल खोलने वाली आवाज बन गईं, जो खिलाड़ियों से देशभक्ति तो चाहता है,

एलिशा न्यूमैन की कमाई

एलिशा न्यूमैन 2021 में इस प्लेटफॉर्म से जुड़ीं और करीब 9 प्रति माह (लगभग 1,000 रु) वाले सब्सक्रिप्शन से होने वाली कमाई से उन्होंने पेरिस ओलंपिक की तैयारी का एक हिस्सा खुद फंड किया. न्यूमैन के पेज पर शुरुआत में थोड़ी सनसनीखेज तस्वीरें मुफ्त में दिखाई जाती थीं, जो बाद में निजी संदेशों के जरिए और अधिक स्पष्ट कंटेंट के लिए 50 (करीब 6,000 रु.) या उससे ज्यादा में उपलब्ध कराए जाते थे. 2024 की गर्मियों तक इस काम से उन्होंने 1,70,000 (करीब 2 करोड़ रु.) से अधिक की कमाई की थी.
एक पेड सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म है, जहां क्रिएटर अपने कंटेंट के बदले सीधे फॉलोअर्स से पैसे लेते हैं. यह इंस्टाग्राम या यूट्यूब जैसा ही है, फर्क सिर्फ इतना है कि यहां कंटेंट देखने के लिए सब्सक्रिप्शन देना होता है और कमाई का 80 फीसदी हिस्सा क्रिएटर को मिलता है. हालांकि इसकी पहचान एडल्ट कंटेंट से बनी है, लेकिन ओनली फैंस पर फिटनेस, कुकिंग, म्यूजिक, एजुकेशन और स्पोर्ट्स से जुड़ा प्रोफेशनल कंटेंट भी मौजूद है.

डब्ल्यूपीएल 2026

मुंबई इंडियंस से जुड़ी ऑस्ट्रेलिया की क्रिस्टन बीम्स, फ्रेंचाइजी ने दी खास जिम्मेदारी

मुंबई, एजेंसी। विमेंस प्रीमियर लीग की डिफेंडिंग चैंपियन मुंबई इंडियंस ने ऑस्ट्रेलिया की पूर्व लेग स्पिनर क्रिस्टन बीम्स को अपना स्पिन बॉलिंग कोच बनाया है। फ्रेंचाइजी ने सोमवार को इसकी घोषणा की। इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में क्रिस्टन ने कहा, 'मैं यहां पहली बार कोच के तौर पर आई हूं। झूलन गोस्वामी जैसी महान खिलाडियों में से एक और जिनके खिलाफ मैंने क्रिकेट खेला है,

यह उनके साथ काम करने का एक शानदार मौका है। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ने कहा, 'यह अविश्वसनीय है कि उन्होंने बहुत लंबे समय में जीतने की लय बनाई है। आप सभी को इसी बारे में बात करते हुए सुनते हैं कि यह ग्रुप के खिलाड़ी एक-दूसरे से जुड़े हैं। यह एक परिवार है। आप इसी परिवार का हिस्सा बनना चाहते हैं। मुझे लगता है कि एक कोच के तौर पर, आप यही करना चाहते हैं। एक ऐसे माहौल में जाना है जो वाकई बहुत मजबूत लगे। एक ऐसी टीम से जुड़ना, जो जीतना जानती हो।'
मुंबई इंडियंस की हेड कोच लिसा केइटली, बॉलिंग कोच और मेंटर झूलन गोस्वामी, बैटिंग कोच देवीका पलशिकार और फील्डिंग कोच निकोल बोल्टन हैं। क्रिस्टन बीम्स ऑस्ट्रेलिया की तरफ से 30 वनडे मुकाबलों में 22.45 की औसत के साथ 42 विकेट हासिल कर चुकी हैं। वहीं, 18 टी20 मुकाबलों में उन्होंने 20 विकेट अपने नाम किए हैं। बीम्स ऑस्ट्रेलिया की तरफ से 1 टेस्ट मैच भी खेल चुकी हैं। क्रिस्टन बीम्स ने अपने करियर में विमेंस बिग बैश लीग के 45 मैच खेले, जिसमें 24.08 की औसत के साथ 37 विकेट निकाले। क्रिस्टन बीम्स विमेंस बिग बैश लीग में कोचिंग दे चुकी हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया महिला अंडर 19 टीम की हेड कोच के तौर पर काम किया है।

चार पहिया वर्ग में इकलौते भारतीय टकाले कार रैली में पेश करेंगे चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी। कार रैली ड्राइवर संजय टकाले लगातार दूसरी बार डकार रैली में चार पहिया वाहन वर्ग के 'क्लासिक श्रेणी (विंटेज कार रैली प्रतियोगिता)' में चुनौती पेश करने को तैयार है। वह इस वाहन वर्ग में इकलौते भारतीय रैली ड्राइवर होंगे। डकार रैली का आयोजन तीन से 17 जनवरी तक सऊदी अरब में होगा। टकाले डकार रैली के पिछले आयोजन में कुल 18वें और अपनी श्रेणी में 10वें पायदान पर रहे थे। फ्रांस के नेविगेटर मैक्सिम राउद के साथ 57 साल के ताकले टीम एयरोस्पेस रेसर्स का प्रतिनिधित्व करेंगे। उन्हें फ्रांस की कंपनी सहारियन से तकनीकी और लॉजिस्टिक्स सहायता मिलेगी। ताकले के तीन दशक लंबे करियर में एशिया-पैसिफिक प्रोडक्शन कप का खिताब जीतने के साथ विश्व रैली की चुनिंदा चैम्पियनशिप प्रतियोगिताओं में भाग लेना शामिल है। उन्होंने 2025 डकार क्लासिक को पूरा करने को अपने करियर की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। टकाले ने कहा, 'मेरा लक्ष्य इस प्रतियोगिता को दोबारा पूरा करने के साथ निरंतरता और अनुशासन के साथ पिछले वर्ष के परिणाम से बेहतर करना है। डकार सिर्फ रैली रेस प्रतियोगिता नहीं है,

शान मसूद ने सहवाग का 19 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

पाकिस्तान में सबसे तेज फर्स्ट-क्लास दोहरा शतक बनाया, 177 गेंदों में डबल सेंचुरी

करांची(एजेंसी)। पाकिस्तान के टेस्ट कप्तान शान मसूद ने घरेलू क्रिकेट में बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। उन्होंने पाकिस्तान की धरती पर फर्स्ट्-क्लास क्रिकेट का सबसे तेज दोहरा शतक जड़ते हुए भारत के पूर्व ओपनर वीरेंद्र सहवाग का 19 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया।

यह उपलब्धि शान मसूद ने को कराची में खेले जा रहे प्रेसिडेंट्स ट्रॉफी ग्रेड-आई 2025/26 के मुकाबले में हासिल की। यह मैच सुई नॉर्दर्न गैस पाइपलाइंस लिमिटेड और साहिर एसोसिएट्स के बीच खेला जा रहा है, जिसमें मसूद एसएनजीपीएल की ओर से मैदान में उतरे।

मसूद ने सिर्फ 177 गेंदों में अपना दोहरा शतक पूरा किया। इससे पहले वीरेंद्र सहवाग ने 2006 में लाहौर में पाकिस्तान के खिलाफ 182 गेंदों में दोहरा शतक लगाया था।वीरेंद्र सहवाग ने साल 2006 में पाकिस्तान दौरे पर लाहौर में खेले गए पहले टेस्ट में नाबाद 247 रन की पारी खेली थी।

इंजमाम-उल-हक का रिकॉर्ड भी टूटा – शान मसूद ने पाकिस्तान के सबसे तेज दोहरे शतक का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। इससे पहले यह रिकॉर्ड इंजमाम-उल-हक के नाम था, जिन्होंने 1992 में 188 गेंदों में दोहरा शतक जड़ा था।इंजमाम-उल-हक ने 1992 में 188 गेंदों में दोहरा शतक जड़ा था।

390 रन की साझेदारी – मैच के पहले दिन एसएनजीपीएल को पहले बल्लेबाजी के लिए उतारा गया। टीम का पहला विकेट अजान अवैस के रूप में 53 रन पर गिरा। इसके बाद शान मसूद और अली जरयाब ने दूसरे विकेट के लिए 390 रन की बड़ी साझेदारी की। यह साझेदारी पाकिस्तान में किसी भी विकेट के लिए नौवीं सबसे बड़ी साझेदारी रही।

अली जरयाब ने 237 गेंदों पर 192 रन बनाए, जबकि शान मसूद दिन का खेल खत्म होने तक 185 गेंदों पर 212 रन बनाकर नाबाद रहे। उनकी स्ट्राइक रेट 114 से अधिक रही। पहले दिन के अंत तक एसएलजीपीएल ने 82.1 ओवर में 2 विकेट पर 460 रन बना लिए।

इस साल का दूसरा दोहरा शतक – यह शान मसूद का 2025 में दूसरा फर्स्ट्-क्लास दोहरा शतक है। इससे पहले उन्होंने कराची ब्लूज़ की ओर से एबटाबाद के खिलाफ 250 रन बनाए थे। उनके करियर में अब कुल पांच फर्स्ट्-क्लास दोहरे शतक हो चुके हैं।

मुंबई ने क्रिस्टन बीम्स को कोचिंग स्टाफ में शामिल किया

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई लेग स्पिनर को स्पिन बॉलिंग कोच की जिम्मेदारी दी

मुंबई (एजेंसी)। डिफेंडिंग चैंपियन मुंबई इंडियंस ने महिला प्रीमियर लीग 2026 के लिए पूर्व ऑस्ट्रेलियाई लेग स्पिनर क्रिस्टन बीम्स को स्पिन बॉलिंग कोच नियुक्त किया है। 41 साल की बीम्स ऑस्ट्रेलिया के लिए तीनों फॉर्मेट में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल चुकी हैं। क्रिस्टन बीम्स इससे पहले विमेंस बिग बैश लीग ,द हंड्रेड और ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 महिला टीम में कोचिंग की भूमिका निभा चुकी हैं। बतौर खिलाड़ी उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 1 टेस्ट, 30 वनडे और 18 टी-20 मैच खेले थे। मुंबई इंडियंस के कोचिंग स्टाफ में अब हेड कोच लिसा कीटली (मुंबई के साथ उनका पहला सीजन, इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स की कोच), बॉलिंग कोच और मेंटर झूलन गोस्वामी, बैटिंग कोच देविका पलशिकर और फील्डिंग कोच निकोल बोल्टन के साथ क्रिस्टन बीम्स भी शामिल हो गई हैं।

बीम्स बोलीं-झूलन गोस्वामी के साथ काम करना गर्व की बात – मुंबई के इंस्टाग्राम पोस्ट में क्रिस्टन बीम्स ने कहा, 'यह मेरे लिए एक शानदार अवसर है। झूलन गोस्वामी जैसी दिग्गज खिलाड़ी के साथ काम करना बेहद खास है। मैंने उनके खिलाफ खेला है और अब उनके साथ काम करना मेरे लिए गर्व की बात है। मुंबई इंडियंस ने एक मजबूत जीतने वाली संस्कृति बनाई है और यह टीम एक परिवार की तरह है।'

मुंबई के दो डब्ल्यूपीएल खिताब – मुंबई इंडियंस ने अब तक हुए तीन डब्ल्यूपीएल सीजन में से दो में खिताब जीता है। डब्ल्यूपीएल 2026 की शुरुआत 9 जनवरी से होगी, जिसमें मुंबई का पहला मुकाबला 2024 की चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा। यह 28 दिन का टूर्नामेंट नवी मुंबई और वडोदरा में खेला जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

राजभवन ने दी स्वीकृति, मिनट- टू-मिनट कार्यक्रम का मांगा शेड्यूल

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय का सातवां दीक्षांत समारोह 28 जनवरी 2 को होगा। राज्य भवन सचिवालय ने वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय को इसके लिए स्वीकृति प्रदान कर दी है। राज्यपाल सचिवालय, बिहार द्वारा जारी पत्र के अनुसार कुलाधिपति सह राज्यपाल ने 28 जनवरी 2026 को पूर्वाह्न 11:30 बजे विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित दीक्षांत समारोह के उद्घाटन एवं अध्यक्षता करने की सहमति प्रदान कर दी है। राज्यपाल सचिवालय की ओर से कुलसचिव, वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय को भेजे गए पत्र में बताया गया है कि विश्वविद्यालय के पत्र के आलोक में इस कार्यक्रम को स्वीकृति दी गई है। साथ ही कार्यक्रम की कार्यसूची (एजेंडा), मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम, डाइस योजना सहित अन्य आवश्यक विवरण शीघ्र उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया है। इस संबंध में जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन को भी सूचित कर दिया गया है ताकि कार्यक्रम के दौरान आवश्यक विधि-व्यवस्था एवं सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित किए जा सकें। राज्यपाल के आगमन की स्वीकृति मिलने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन एवं शैक्षणिक जगत में उत्साह का माहौल है। कार्यक्रम को ऐतिहासिक एवं सफल बनाने की तैयारियाँ तेज कर दी गई। कुलपति डॉक्टर शैलेंद्र कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि दीक्षांत समारोह को भव्य बनाने के लिए विभिन्न प्रकार की कमेटी बनाई जाएगी। दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति शामिल होंगे। टॉपरों को मिलेगा गोल्ड मेडलः दीक्षांत समारोह में पीजी और एमबीए के सत्र 2022-24 तथा 2023-25 के टॉपरों को गोल्ड मेडल प्रदान किया जाएगा। वहीं एमसीए के सत्र 2021-24 और 2022-25 के टॉपर भी गोल्ड से सम्मानित होंगे। विश्वविद्यालय ने वर्ष 2024 तक की सभी परीक्षाएं आयोजित कर उनका परिणाम जारी कर दिया है। इसके अलावा पीजी सत्र 2023-25 (सेमेस्टर-फोर) का रिजल्ट भी जारी कर दिया गया है, जिससे दीक्षांत समारोह की प्रक्रिया आगे बढ़ गई है।

अंडर-19 भोजपुर जिला क्रिकेट लीग को लेकर जैन कॉलेज मैदान का कायाकल्प

आरा। 4 जनवरी से प्रस्तावित अंडर-19 भोजपुर जिला क्रिकेट लीग टूर्नामेंट को लेकर जैन कॉलेज, आरा के खेलकूद मैदान को पूरी तरह खेल योग्य बनाने का कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को सुबह आठ बजे से मैदान में जेसीबी एवं रोलर के माध्यम से समतलीकरण एवं मरम्मती कार्य कराया गया। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के पूर्व सीनेटर अजय कुमार तिवारी मुनमुन ने बताया कि बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान जिला प्रशासन द्वारा इस खेल मैदान का उपयोग किया गया था। चुनाव संपन्न होने के बाद मैदान की स्थिति काफी खराब हो गई थी। मैदान की मरम्मत एवं साफ-सफाई के लिए कॉलेज प्रशासन द्वारा जिला प्रशासन को पत्र लिखकर आग्रह किया गया था, लेकिन इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हो सकी। इसके बाद जैन कॉलेज के प्राचार्य डॉ नरेंद्र कुमार की पहल पर एवं आरा नगर निगम की देखरेख में पिछले पाँच दिनों से मैदान में लगातार कार्य चल रहा है। मैदान को निर्धारित समय सीमा के भीतर तैयार करने के लिए समतलीकरण, सफाई एवं अन्य आवश्यक मरम्मती कार्य तेजी से पूरे किए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि इसी मैदान पर आगामी दिनों में अंडर-19 भोजपुर जिला क्रिकेट लीग के मैच आयोजित किए जाने हैं, जिसमें जिले की विभिन्न टीमों के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। मैदान की साफ-सफाई एवं मरम्मती कार्य में सहयोग करने वालों में प्रिंस पाल, सुनित सिन्हा, वार्ड संख्या 17 के वार्ड पार्षद भानू दुबे तथा अजय कुमार तिवारी 'मुनमुन' का महत्वपूर्ण योगदान रहा

आईएमए के राष्ट्रीय अधिवेशन में डॉ. रितेश चौबे सम्मानित

बक्सर। अहमदाबाद में आयोजित आईएमए के राष्ट्रीय अधिवेशन में गौरवपूर्ण उपलब्धि सामने आई है। आईएमए की बक्सर शाखा के मानद सचिव डॉ रितेश चौबे को लोकल शाखा श्रेणी में बेस्ट मानद सचिव घोषित कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के चेयरमैन जय शाह द्वारा प्रदान किया गया, जिसमें मोमेंटो और प्रमाण पत्र शामिल रहा। शनिवार को आयोजित इस राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में देशभर से आए चिकित्सकों और आईएमए के पदाधिकारियों की मौजूदगी के बीच डॉ रितेश चौबे का चयन उनके संगठनात्मक कार्य, सक्रिय सहभागिता और शाखा को सशक्त करने के प्रयासों के लिए किया गया। यह उपलब्धि न सिर्फ डॉ रितेश चौबे के लिए बल्कि आईएमए बक्सर शाखा, बिहार के लिए भी गर्व की बात मानी जा रही है। सम्मान प्राप्त करने के बाद डॉ रितेश चौबे ने कहा कि यह पुरस्कार पूरी टीम के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने भविष्य में भी आईएमए के उद्देश्यों को मजबूती से आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

रोटरी का पारिवारिक मिलन समारोह संपन्न

बक्सर| उत्तर प्रदेश के कोरंटाडीह में रोटरी बक्सर की परिवारिक मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मौके पर सामाजिक कार्य एवं डोनेशन को सराहा गया। जिले में लगातार स्वास्थ्य शिविर एवं सामाजिक कार्यों की समीक्षा भी हुई। इस अवसर पर पिकनिक भी मनाया गया। रोटरी सदस्यों ने जमकर मौज मस्ती की। वहीं मनोरंजन के लिए अंत्याक्षरी हुई, जिसमें प्रदीप जायसवाल व प्रदीप-2, विनय, साबित रोहतासवी, निर्मल कुमार, आशीष, सौरभ, मनोज, दीपक अग्रवाल, प्रभुनाथ एवं सभी रोटेरियन शामिल हुए। पारिवारिक मिलन समारोह ऐतिहासिक रहा। 300 लोगो ने समारोह में शिरकत किया।सभी को पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया। मौके पर पौधरोपण, कम्बल वितरण, नारी शक्ति, पर्यावरण संरक्षण पर विशेष ध्यान देने पर विचार विमर्श किया गया। अब तक रोटरी ने कई सामाजिक कार्यक्रम आयोजित कर के ऐतिहासिक पारी खेली है, आगे भी ये कार्य अनवरत चलते रहेंगे। चाहे वो आचार्य नरेंद्र देव स्कूल हो पेड़ लगाना हो, गरीबों में ठेला, लड़कियों को साइकिल वितरण किए गए हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में रोटरी अध्यक्ष अध्यक्ष डॉ दिलशाद आलम, सचिव साहिल आदि थे।

पुराना भोजपुर में 4 लाख कैश, ज्वेलरी चोरी

बक्सर। बक्सर के पुराना भोजपुर गांव में सोमवार रात चोरों ने एक बड़ी वारदात को अंजाम दिया। नया भोजपुर ओपी क्षेत्र के उतर टोला स्थित अरुण रजक और सोनू रजक, जो स्वर्गीय शोभनाथ रजक के बेटे हैं, उनके घर में उस समय चोरी हुई जब परिवार के सभी सदस्य गहरी नींद में सो रहे थे। मंगलवार सुबह जब परिजनों की नींद खुली, तो घर का नजारा देखकर वे हैरान रह गए। परिजनों के अनुसार, चोरों ने बगल के मकान की छत के सहारे उनके घर में प्रवेश किया। इसके बाद, घर के कमरे में रखे बक्से को छत और सीढ़ियों तक ले जाकर तोड़ा गया। बक्से में रखे नगद रुपए और कीमती आभूषण निकालकर चोर फरार हो गए। चोरी के बाद सामान इधर-उधर बिखरा पड़ा था।

चार लाख रुपए नकद और सोने-चांदी के आभूषण चोरीः पीड़ित परिवार ने बताया कि चोरी में करीब चार लाख रुपए नकद और शादी के लिए जमा किए गए सोने-चांदी के आभूषण शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, अरुण रजक की शादी आगामी अप्रैल माह में होने वाली थी। शादी की तैयारियों के लिए घर में काफी समय से नगद रुपए और गहनों की व्यवस्था की जा रही थी, जिसे चोरों ने निशाना बनाया।

आसपास के लोग मौके पर जुट गएः सुबह चोरी की जानकारी मिलते ही परिजनों ने शोर मचाया, जिसके बाद आसपास के लोग मौके पर जुट गए। घटना के बाद परिवार के सदस्यों में निराशा है। परिवार का कहना है कि इस चोरी से उन्हें भारी आर्थिक और मानसिक क्षति पहुंची है।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचीः घटना की सूचना तत्काल नया भोजपुर ओपी पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया। पुलिस ने घर के आसपास के रास्तों, छतों और संभावित प्रवेश मार्गों की जांच की। साथ ही, परिजनों से पूछताछ कर चोरी गए सामान की सूची तैयार की जा रही है।

आसपास लगे CCTV की भी जांचः पुलिस का कहना है कि चोरों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए जांच शुरू कर दी गई है। आसपास लगे CCTV की भी जांच की जा रही है। इधर, लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से इलाके के लोगों में भय का माहौल है। ग्रामीणों ने रात में गश्त बढ़ाने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

फायरिंग और चाकूबाजी मामले में प्राथमिकी हुई दर्ज

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर के सोहरा बाजार में हुई चाकूबाजी और फायरिंग की घटना को लेकर दोनों पक्षों की ओर से अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। एक-दूसरे पर हत्या के प्रयास, फायरिंग और एससी-एसटी अधिनियम के तहत आरोप लगाए हैं। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों गुट के 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। जबकि घटनास्थल से 315 बोर का एक खोखा भी बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, एक पक्ष से मझौली निवासी विकास कुमार सिंह, दीपक यादव, उपेंद्र यादव और सुगंध यादव को गिरफ्तार किया गया है। वहीं, दूसरे पक्ष से सोहरा निवासी किशन रजक और राहुल यादव को पकड़ा है। रविवार की शाम सोहरा बाजार पर दोनों पक्षों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते मारपीट और फायरिंग में बदल गई। इस दौरान घर से दोस्तों के साथ बाजार गए संजय यादव के पुत्र राहुल कुमार को चाकू मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। घायल को इलाज के लिए आरा

सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी मिलते ही पुलिस सक्रिय हुई और छापेमारी कर दोनों पक्षों के छह आरोपियों को धर दबोचा।

पुलिस का मुखबिर बताकर मारा: इस मामले में मझौली निवासी उपेंद्र यादव ने कृष्णागढ़ थाना में लिखित आवेदन देकर सोहरा गांव निवासी मनीष रजक समेत अन्य को नामजद आरोपी बनाया है। आवेदन में उपेंद्र यादव ने बताया है कि वह अपने मित्रों के साथ सोहरा बांध के पास मोबाइल रिचार्ज कराने गया था। इसी दौरान सोहरा गांव के मनीष रजक सात-आठ साथियों

- भोजपुर में दोनों पक्ष से 6 लोग गिरफ्तार, पुलिस का मुखबिर बताने पर हुआ था विवाद

के साथ वहां पहुंचा और गाली-गलौज करते हुए उन्हें पुलिस का मुखबिर बताने लगा। आवेदन के अनुसार, विरोध करने पर मनीष रजक ने कमर से कट्टा निकालकर फायरिंग कर दी, जिसमें विकास सिंह बाल-बाल बच गया। इसके बाद मनीष रजक के साथ मौजूद अन्य लोगों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। मारपीट में उपेंद्र यादव के सिर में गंभीर चोट लगी और वह मौके पर ही लहूलुहान होकर गिर पड़ा। स्थानीय लोगों की मदद से उसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। घटना की सूचना मिलते ही प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष इशानी सिन्हा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचीं। पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों के आवेदन के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

आदित्य पांडेय हत्याकांड में एक आरोपी गिरफ्तार

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर में पुलिस ने आदित्य पांडेय(10) अपहरण और हत्याकांड में एक आरोपी किया है। जिसकी पहचान कन्हैया तत्वा के तौर पर हुई है। बड़हरा थाना क्षेत्र के दुबे छपरा गांव का रहने वाला है। पुलिस ने पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। घटना बड़का लौहर गांव की है। सदर एसडीपीओ-2 रंजीत कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी पूर्व में हुए विवाद, धमकी दिए जाने और मृतक के परिजनों की ओर से लगाए गए आरोपों के आधार पर की गई है। गिरफ्तार आरोपी का भाई कुंवर तत्वा भी इस मामले में संदिग्ध है, जिसकी तलाश में लगातार छापेमारी की जा रही है।

पुलिस जांच में तेजीः पुलिस के अनुसार, मामले की जांच को आगे बढ़ाते हुए घटनास्थल बड़का लौहर गांव के साथ-साथ बच्चे के ननिहाल दुबे छपरा गांव में भी पूछताछ की जा रही है। दोनों स्थानों से अतिरिक्त सुराग जुटाने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि हत्या के पीछे के पूरे घटनाक्रम और कारणों का खुलासा हो सके।

मायके में मिली थी धमकीः मृतक आदित्य की मां ट्विंकल पांडेय ने बताया कि उनका मायका दुबे छपरा गांव में है। जो उनके ससुराल से करीब तीन किलोमीटर दूर है। छोटे भाई नीरज का गांव की एक लड़की से पिछले कई महीनों से बातचीत हो रही थी। बाद में दोनों के परिजन को इस संबंध की जानकारी हो गई थी। इसी विवाद को लेकर लड़की के पिता ने उनके भाई नीरज को जान से मारने की धमकी दी थी और अपनी बेटी से दूर रहने की चेतावनी दी थी। साथ ही उनके पूरे परिवार को भी गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी गई थी।

फोरलेन पर किए गए अनधिकृत कट पर जनप्रतिनिधियों ने जताई आपत्ति

निज संवाददाता। बक्सर

सांसद और अध्यक्ष संसद सदस्य सड़क सुरक्षा समिति के अध्यक्ष सुधाकर सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई। इसमें जिले में हो रही सड़क दुर्घटनाओं की समीक्षा की गई। इस दौरान इंटीग्रेटेड रोड एक्सीडेंट डाटाबेस एवं इलेक्ट्रॉनिक डिटेल्ड एक्सीडेंट रिपोर्ट के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया गया। निर्देश दिया गया कि प्रत्येक सड़क दुर्घटना का विवरण समयबद्ध तरीके से पोर्टल पर अपलोड किया जाए, ताकि दुर्घटनाओं के कारणों का वैज्ञानिक विश्लेषण कर ठोस सुधारात्मक कदम उठाए जा सकें।सांसद सुधाकर सिंह ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के परियोजना निदेशक को जिले में मौजूद सभी अनधिकृत कट एवं ओपनिंग को अविलंब बंद कराने का निर्देश दिया। विशेष रूप से अहिरौली के पास स्थित अनधिकृत कट को बंद कराने पर डुमरांव विधायक ने कड़ा रुख अपनाया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर एम्बुलेंस सुविधा को और मजबूत किया जाए, ताकि दुर्घटना के बाद घायलों को समय पर चिकित्सा सहायता मिल सके। इसके साथ ही दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में साइड मिरर, रोड साइन, रोड मार्किंग एवं अन्य सुरक्षा उपकरण लगाने के निर्देश दिए गए। बीमा दावा प्रक्रिया की समीक्षा करते हुए कहा गया कि मुआवजा भुगतान की गति और प्रतिशत दोनों में सुधार किया जाए, जिससे पीड़ित परिवारों को समय पर सहायता मिल सके। अंत में माननीय सांसद ने कहा कि सड़क सुरक्षा के लिए शिक्षा, प्रवर्तन, इंजीनियरिंग और आपातकालीन सेवाओं के समन्वित प्रयास से ही दुर्घटनाओं में प्रभावी कमी लाई जा सकती है।

नए साल के पहले 300 मजदूरों पर रोजीरोटी का संकट

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर के नावानगर में स्थित इथेनॉल प्लांट केंद्र सरकार की इथेनॉल नीति में बदलाव के कारण बंद हो गया है। इथेनॉल आवंटन में भारी कटौती के बाद प्लांट को बंद करने का निर्णय लिया गया, जिससे लगभग 300 मजदूरों को घर भेज दिया गया है। इस फैसले के बाद मजदूरों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। यह प्लांट ऐसे समय बंद हुआ है जब सरकार जिले को औद्योगिक हब के रूप में विकसित करने की बात कर रही है। नावानगर में 109 करोड़ रुपए की लागत से 125 एकड़ क्षेत्र में इकोनॉमिक ज़ोन विकसित करने की योजना भी चल रही है। हालांकि, नीतिगत अस्थिरता निवेशकों के भरोसे को प्रभावित कर रही है।

365 दिनों में से लगभग 202 दिनों तक बंद रहने की आशंका पहले ही जताईः प्लांट के सीएमडी अजय कुमार सिंह ने मंगलवार सुबह 8 बजे घोषणा की कि इथेनॉल आवंटन में कटौती के कारण प्लांट को डेढ़ महीने के लिए बंद किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मजदूरों को घर बैठाकर पूरा वेतन देना संभव नहीं है। सीएमडी के अनुसार, नई नीति के तहत प्लांट के 365 दिनों में से लगभग 202 दिनों तक बंद रहने की आशंका पहले ही जताई गई थी, जो अब सच साबित हो रही है। यह विवाद इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम द्वारा वर्ष 2025-26 के लिए जारी वार्षिक इथेनॉल टेंडर से संबंधित है। इस टेंडर में डेडीकेटेड इथेनॉल प्लांट्स (डीईपी) के आवंटन में भारी कटौती की गई है। नावानगर स्थित कंपनी का दावा है कि उसका प्लांट ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के साथ 10 साल के लॉन्ग टर्म ऑफटेक एग्रीमेंट पर आधारित है। कंपनी का कहना है कि नए टेंडर में डीईपी प्लांट्स को प्राथमिकता सूची में तीसरे स्थान पर रखना अनुचित है और समझौते की भावना के भी खिलाफ है।

कोऑपरेटिव शुगर मिल्स को पहली प्राथमिकता दी गईः नई नीति में कोऑपरेटिव शुगर मिल्स को पहली प्राथमिकता दी गई है, साथ ही यह शर्त भी जोड़ दी गई है कि 40 प्रतिशत उत्पादन एफसीआई चावल से किया जाए। कंपनी का कहना है कि यह शर्त पहले से किए गए समझौते में कहीं शामिल नहीं थी। इसका नतीजा यह हुआ कि 36,500 केएल की स्थापित क्षमता के मुकाबले कंपनी को केवल 16,299 केएल का ही ऑर्डर मिला। इसी कारण उत्पादन रोकना पड़ा।

प्रतिलिपि प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, पेट्रोलियम मंत्री और बिहार सरकार को भी भेजीः कंपनी ने इस फैसले के खिलाफ वरीय अधिकारियों को पत्र लिखा है, जिसकी प्रतिलिपि प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, पेट्रोलियम मंत्री और बिहार सरकार को भी भेजी गई है। भारत प्लस कंपनी ने 2025-26 के लिए कम से कम 33,000 केएल आवंटन की मांग की है, ताकि प्लांट सुचारू रूप से चल सके और रोजगार पर संकट न आए। कुछ दिन पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नावानगर दौरे के दौरान सीएमडी अजय कुमार सिंह ने इस समस्या से उन्हें अवगत कराया था। सीएमडी के अनुसार, बिहार सरकार इस मुद्दे को लेकर केंद्र सरकार से लगातार संपर्क में है और स्थायी समाधान के प्रयास किए जा रहे हैं।

राष्ट्रीय स्तर का बनाया जाएगा चौसा खेल मैदान

निज संवाददाता। बक्सर

चौसा नगर पंचायत अंतर्गत आदर्श उच्च विद्यालय का खेल मैदान जल्द ही एक नई पहचान के साथ विकसित होगा। बक्सर के सांसद सुधाकर सिंह ने इस मैदान के समग्र विकास की घोषणा करते हुए कहा कि आरएंडआर (पुनर्वास एवं विकास) योजना के तहत करोड़ों रुपये की लागत से इसका कायाकल्प कराया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास के बाद यह खेल मैदान राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए पूरी तरह सक्षम बनेगा। यह घोषणा शेरशाह सूरी जनकल्याण संस्थान के तत्वावधान में आयोजित चार दिवसीय शेरशाह शूरी फुटबॉल प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह के दौरान की गई। सांसद की घोषणा के बाद खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में खासा उत्साह देखने को मिला। खेल मैदान दर्शकों से खचाखच भरा रहा और उद्घाटन समारोह एक खेल उत्सव का रूप लेता नजर आया। सांसद सुधाकर सिंह ने कहा कि चौसा आदर्श उच्च विद्यालय का खेल मैदान केवल एक मैदान नहीं, बल्कि क्षेत्र के युवाओं की उम्मीदों और प्रतिभाओं का केंद्र है। उन्होंने कहा कि यहां से कई खिलाड़ी आगे बढ़कर जिला और राज्य स्तर पर अपनी पहचान बना सकते हैं, बशर्ते उन्हें बेहतर संसाधन और सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। इसी सोच के तहत मैदान के समुचित विकास का निर्णय लिया गया है। सुविधाओं का रखा जाएगा ख्याल सांसद ने भरोसा दिलाया कि विकास कार्य में आधुनिक सुविधाओं को प्राथमिकता दी जाएगी, ताकि खिलाड़ियों को बेहतर अभ्यास और प्रतियोगिता का अवसर मिल सके। उन्होंने कहा कि खेल युवाओं को अनुशासन, आत्मविश्वास और सकारात्मक दिशा देता है, इसलिए खेल अधोसंरचना का विकास समय की जरूरत है। उद्घाटन समारोह में मौजूद पूर्व विधायक संजय कुमार तिवारी उर्फ मुन्ना तिवारी ने सांसद की घोषणा का स्वागत करते हुए कहा कि चौसा में खेल मैदान का विकास क्षेत्र के युवाओं के लिए मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि खेल प्रतियोगिताएं युवाओं को नशा और अपराध से दूर रखकर राष्ट्र निर्माण की दिशा में प्रेरित करती हैं। एसटीपीएल के प्रभारी सीइओ संदीप कुमार ने कहा कि एसटीपीएल सामाजिक दायित्वों के तहत खेल, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार सहयोग करता रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि खेल मैदान के विकास से चौसा क्षेत्र में खेल गतिविधियों को नई गति मिलेगी। वरीय प्रबंधक मितेश यादव ने भी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

प्रधान शिक्षकों का शिष्टमंडल डीईओ और डीपीओ से मिला, समस्याओं से कराया अवगत

निज संवाददाता। आरा

प्रधान शिक्षकों की समस्याओं के समाधान के लिए शिक्षकों का एक शिष्टमंडल उपेंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) एवं जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (स्थापना) से मिला। इस दौरान प्रधान शिक्षकों से जुड़ी विभिन्न ज्वलंत समस्याओं एवं मांगों को विस्तार से पदाधिकारियों के समक्ष रखा गया। शिष्टमंडल ने विशेष रूप से एनपीएस (नेशनल पेंशन स्कीम) से संबंधित खाते में राशि जमा न होने की समस्या को प्रमुखता से उठाया। इसके साथ ही वेतन का एचआरएमएस पोर्टल पर अपडेट करने, आवास एवं महंगाई भाता अद्यतन करने की मांग की। इधर, डीपीओ स्थापना ने स्पष्ट आश्वासन देते हुए कहा कि एनपीएस खाते की राशि ट्रेजरी में चली गई है तथा शीघ्र ही संबंधित प्रक्रिया पूरी कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मुलाकात के दौरान प्रधान शिक्षकों ने प्रशासन से समस्याओं के शीघ्र समाधान की अपेक्षा जताई, वहीं पदाधिकारियों ने सकारात्मक पहल का भरोसा दिलाया। शिष्टमंडल में उपेंद्र कुमार सिंह के साथ सारंगधर पांडेय, विनीत श्रीवास्तव, शुभदायल जी, नागेंद्र कुमार, धर्मेंद्र कुमार, मोहम्मद शाहनवाज जी, आदित्य कुमार, अरविंद कुमार, विवेक सिंह एवं जेपी नारायण शामिल थे।

150 से ज्यादा घरों वाली बस्ती में नाली, सड़क और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाएं नहीं

निज संवाददाता। बक्सर

ब्रह्मपुर प्रखंड के रघुनाथपुर पंचायत में रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 4 के समीप स्थित बस्ती आज भी नाली, सड़क और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। पंद्रह साल पहले बसी 150 से ज्यादा घरों वाली इस बस्ती की बुनियादी जरूरतें भी अब तक पूरी नहीं हो पाई हैं। सड़क तो दूर पंद्रह साल से इस बस्ती के लोग एक अदद नाले के लिए भी तरस रहे है। जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने के कारण लोगों ने कॉलोनी के अंदर कई जगह गड्ढे खोद रखे है जिनमें घरों का पानी गिरता है। घरों का पानी बाहर कच्ची सड़कों पर भी बहते रहता है। बरसात के दिनों में तो हालात और भी बदतर हो जाता है। कीचड़, जलजमाव और गंदगी के कारण लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो जाता है साथ ही डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों का भी खतरा बना रहता है। समाजसेवी शैलेश ओझा एवं शंभू चंद्रवंशी ने प्रखंड विकास पदाधिकारी से मिलकर इस बस्ती को प्राथमिकता के आधार पर विकास योजनाओं में शामिल करने का आग्रह किया है। स्थानीय निवासी प्रिंस कुमार, अनिल कुमार कमांडो, मु. जलालुद्दीन, मुन्ना चौधरी, मनोज राय, मुन्नी खातून, देवन, राजू गुप्ता आदि का कहना है कि वर्षों से समस्याओं को लेकर जनप्रतिनिधियों से शिकायतें की जा रही हैं, लेकिन आश्वासन के अलावा कुछ भी हासिल नहीं हुआ। हर बार योजना मंजूर होने कि बात की जाती है पर धरातल पर कुछ भी नहीं दिखता। बस्ती से मुख्य सड़क तक जाने वाले एकमात्र कच्चा रास्ता जो रेलवे प्लेटफॉर्म नंबर 4 के बगल से होकर गुजरता है वो भी काफी जर्जर था जिसे ग्रामीणों ने चंदा लगाकर आने जाने लायक बनाया। इलाके अनदेखी और सरकारी योजना का लाभ बस्ती तक नहीं पहुंचने से ग्रामीणों में काफी आक्रोश है। हरेंद्र यादव, ओमप्रकाश गुप्ता, पंकज, भुवाली ठाकुर, अमरजीत कुमार आदि ग्रामीणों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि जब चुनाव आता है, तो नेता आते हैं, वोट मांगते हैं, वादे करते हैं, लेकिन चुनाव खत्म होते ही गायब हो जाते हैं लेकिन इस बार ऐसा नहीं चलेगा। उन्होंने चेतावनी दी है अगर एक सप्ताह के अंदर नाली और सड़क का निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ तो जिलाधिकारी से मिलकर शिकायत करेंगे अगर इससे भी बात नहीं बनी तो इसके लिए आंदोलन किया जाएगा। वार्ड नंबर 4 की बदहाल स्थिति।

मैच में वाईएमसीसी ने न्यू करमन टोला को 178 रन से हराया

निज संवाददाता। आरा

जिला क्रिकेट संघ की तरफ से वीर कुंवर सिंह स्टेडियम में, जिला जूनियर डिविजन क्रिकेट लीग के दूसरे दिन का मुकाबला, न्यू करमन टोला क्रिकेट क्लब और वाईएमसीसी के बीच खेला गया। टॉस जीतकर वाईएमसीसी के कप्तान ने पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया।वाईएमसीसी की ओर से सलामी बल्लेबाज राजु कुमार और सुरेन्द्र कुमार ने शानदार शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए शतकीय साझेदारी की और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। राजु कुमार ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 106 रन बनाए, जबकि सुरेन्द्र कुमार ने 86 रन का योगदान दिया। मो. अनिश राजा ने नाबाद 32 रन जोड़े। वाईएमसीसी ने निर्धारित 25 ओवर में 5 विकेट पर 276 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। न्यू करमन टोला की ओर से गेंदबाजी में राजवीर सिंह ने सर्वाधिक 4 विकेट लिए, जबकि राकेश को एक सफलता मिली। लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यू करमन टोला क्रिकेट क्लब की टीम वाईएमसीसी के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और पूरी टीम मात्र 98 रन पर सिमट गई। टीम की ओर से सिर्फ एक बल्लेबाज ने 45 रन बनाए, बाकी कोई भी बल्लेबाज दहाई अंक तक नहीं पहुंच सका। वाईएमसीसी की ओर से चंदन कुमार ने 4 विकेट और नितेश ने 2 विकेट चटकाए। इस तरह वाईएमसीसी ने यह मुकाबला 178 रन के बड़े अंतर से जीत लिया। राजा को मैन ऑफ द मैच चुना गया। मैच के अंपायर कुंदन राज सिंह और राजीव कुमार थें, स्कोरिंग अमृतेश राज ने की। मैच का उद्घाटन भोजपुर जिला क्रिकेट संघ के कोषाध्यक्ष विवेक कुमार ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। मैच के दौरान पूर्व क्रिकेटर राकेश सिंह, नीरज कुमार सिंह, शैलेश कुमार और देव कुमार उपस्थित थे। जानकारी भोजपुर जिला क्रिकेट संघ के सचिव आलोक कुमार ने दी। मैच के सुचारू संचालन में कुमार विजय की अहम भूमिका रही।